सुविचार
जब तक सच्चाई अपने जूते पहन रही होती है, तब तक झूठ आधी दुनिया की यात्रा कर चुका होता है।
–मार्क ट्वेन

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Rashmika Mandanna Reveals Why...

Ranchi ● Monday, 16 December 2024 ● Year : 02 ● Issue : 323 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

हाई सिक्योरिटी जोन में तब्दील हुआ जेएसएससी ऑफिस

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन यानी झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से ली गई संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए राज्य भर के छात्र आक्रोशित हैं। हालांकि आयोग इसे नकार रहा है। सोमवार को अभ्यर्थी आयोग के कार्यालय का घेराव करेंगे। इसके लिए राजधानी में उनका महाजुटान होने वाला है। इसे लेकर आयोग के कार्यालय को हाई सिक्योरिटी जोन में तब्दील कर दिया गया है। राज्य में अलग-अलग जिलों में इस महाजुटान को लेकर छात्रों के बीच मैसेज भेजा गया है। सोमवार से ही संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन भी शुरू हो रहा है। ऐसे में किसी भी तरह के हिंसात्मक विरोध को ध्यान में रखते हुए रांची पुलिस की ओर से पुख्ता तैयारी की गई है। बताया जा रहा है कि पुलिस की तैयारी ऐसी है कि आंदोलन कर रहे छात्र जेएसएससी कार्यालय तक पहुंच ही न सकें। इसके लिए नामकुम इलाके में मौजूद जेएसएससी कार्यालय और वहां तक पहुंच के सभी रास्तों में बैरिकेडिंग कर दी गई है।

आज सीजीएल के रिजल्ट के खिलाफ अभ्यर्थियों की जुटान को लेकर प्रशासन अलर्ट
परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के सर्टिफिकेट का आज से ही शुरू हो रहा वेरिफिकेशन

- बैरिकेडिंग के साथ फायर ब्रिगेड, वाटर कैनन व वज्र वाहन तैनात
- वीडियोग्राफी और ड्रोन के जरिए की जा रही निगरानी
- जेएसएससी कार्यालय जाने वाले हर रास्ते को कर दिया गया सील

बड़े अधिकारियों ने पूरे इलाके का लिया जायजा

किसी भी उपद्रव से निपटने के लिए पुलिस ने जेएसएससी कार्यालय के बाहर फायर ब्रिगेड, वाटर कैनन और वज्र वाहन तैनात किए हैं। प्रशासन वीडियोग्राफी और ड्रोन के जरिए भी आज से ही नजर रखे हुए है। रविवार को पुलिस के तमाम बड़े अधिकारियों ने इलाके का जायजा भी लिया है। छात्रों के संभावित हुड़दंग से निपटने के लिए करीब 2500 जवानों और अधिकारी तैनात किए गए हैं।

छात्रों ने किया दावा- हर हाल में घेरेंगे कार्यालय, धारा 163 लागू

आंदोलन कर रहे छात्रों का दावा है कि वे सोमवार को हर हाल में जेएसएससी कार्यालय का घेराव करेंगे। छात्रों के संगठनों का कहना है कि राज्य भर से 50 हजार से अधिक छात्र जेएसएससी कार्यालय पहुंचेंगे और अपना विरोध दर्ज करेंगे। वहीं पुलिस प्रशासन भी उनके मंसूबे पर पानी फेरने के लिए पूरी तैयारी कर रखी है। इधर डीआईजी अनूप बिरथरे ने नामकुम स्थित आयोग के कार्यालय जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों को जरूरी निर्देश दिए। जेएसएससी ऑफिस के 100 मीटर पहले से ही आवाजाही बंद कर दी गई है। जेएसएससी कार्यालय और सदाबहार चौक के 500 मीटर के दायरे में धारा 163 लागू कर दी गई है। यह आदेश 20 दिसंबर तक लागू रहेगी।

हिंदू मंदिर पर हमले के आरोप में चार गिरफ्तार

NEW DELHI : बांग्लादेश में जांच एजेंसियों ने हिंदू मंदिरों और घरों पर हमले के आरोप में 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर उत्तरी जिले सुनामगंज में एक मंदिर और हिंदुओं के घरों व दुकानों में तोड़फोड़ करने का आरोप था। पुलिस ने इस मामले में 12 नामजद और 170 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। सुनामगंज जिले में 3 दिसंबर को एक फेसबुक पोस्ट के बाद इलाके में तनाव फैल गया था। हालांकि विवाद के बाद पोस्ट को डिलीट कर दिया गया था, लेकिन उसके स्क्रीन शॉट्स सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे। इसके बाद क्षेत्र में हिंसा फैल गई थी। दंगाइयों ने इस दौरान सुनामगंज के लोकनाथ मंदिर और हिंदुओं के घरों में तोड़-फोड़ की थी। हिंसा फैलने के बाद पुलिस ने पोस्ट करने वाले आकाश दास को उसी दिन हिरासत में ले लिया था। सुरक्षा कारणों के चलते उसे जिला मुख्यालय के पुलिस स्टेशन ले जाया गया था।

नक्सलियों के ताबूत में आखिरी कील ठोकेगी छत्तीसगढ़ पुलिस : शाह

- रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह का हुआ आयोजन
- केंद्रीय गृह मंत्री ने छत्तीसगढ़ पुलिस को सौंपा राष्ट्रपति निशान
- नक्सलियों से की हथियार छोड़कर मुख्य धारा में लौटने की अपील
- 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का पूर्णत: हो जाएगा खात्मा

AGENCY RAIPUR : रविवार को रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पुलिस नक्सलियों के ताबूत में आखिरी कील ठोकने की तैयारी में है। उन्होंने नक्सलियों से हथियार छोड़कर मुख्य धारा में लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की पुलिस ने कानून-व्यवस्था और नक्सल मोर्चे के साथ ही कोरोना महामारी में भी बहुत अच्छा काम किया है। केंद्र और राज्य सरकार छत्तीसगढ़ और देश को नक्सलमुक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ और देश से नक्सलवाद का पूर्णतः खात्मा हो जाएगा। गृह मंत्री ने राज्य की पुलिस को राष्ट्रपति निशान (पुलिस कलर्स अवार्ड-2024) सौंपा। यह देश के सशस्त्र बलों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। विगत 24 वर्षों में छत्तीसगढ़ पुलिस की असाधारण सेवाओं, बहादुरी और कर्तव्यपरायणता के लिए राज्य को यह सम्मान मिला है।

एक नक्सली दंपती सहित पांच हार्डकोर नक्सलियों ने किया सरेंडर, ₹25 लाख घोषित किए गए थे इनाम

SUKMA : रविवार को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के नक्सल संगठन में सक्रिय एक नक्सली दंपती सहित पांच हार्डकोर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इन नक्सलियों पर 25 लाख रुपये के इनाम घोषित हैं। इनमें 8 लाख की इनामी धन्नी उर्फ कलमू जोगी, 8 लाख के इनामी सोनू उर्फ अभय का सुरक्षा गार्ड, 5 लाख के इनामी दक्षिण बस्तर डिविजन कम्युनिकेशन टीम कमांडर, 2 लाख के इनामी दक्षिण बस्तर डिविजन आईटीम पार्टी सदस्या 33 वर्षीय हेमला,न और 02 लाख के इनामी दक्षिण बस्तर डिविजन सीएनएम पार्टी सदस्या 23 वर्षीय माड़वी पोज्जे शामिल हैं। सबने

एसपी किरण चव्हाण, डीआईजी ऑफिस सुकमा द्वितीय कमान अधिकारी सुरेश सिंह, एएसपी अभिषेक वर्मा, एसडीओपी परमेश्वर तिलकवार, एएसपी अधीक्षक नक्सल ऑप्स मनीष रात्रे के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण कर दिया। सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति के तहत 25-25 हजार रुपये के मान से प्रत्येक को प्रोत्साहन राशि व कपड़े प्रदान किया गया एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

SARAFA

सोना	:	7,320
चांदी	:	100.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

तबलावादक जाकिर हुसैन का अमेरिका में निधन

NEW DELHI : विश्व विख्यात तबलावादक और पद्म विभूषण उस्ताद

जाकिर हुसैन का अमेरिका में निधन हो गया। सैन फ्रांसिस्को में उनका इलाज चल रहा था। वहीं उन्होंने आखिरी सांस ली। उनका जन्म 9 मार्च 1951 को मुंबई में हुआ था। उस्ताद जाकिर हुसैन को 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से नवाजा गया था। जाकिर हुसैन को तीन ग्रैमी अवॉर्ड भी मिल चुके थे। उनके पिता का नाम उस्ताद अल्लाह रक्खा कुरैशी और मां का नाम बीवी बेगम था।

पंजाब में 8 इंटरनेशनल ड्रग तस्कर गिरफ्तार

AMRITSAR : अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक सफल सीक्रेट ऑपरेशन चला कर यूके स्थित हैंडलर धर्मा संधू से जुड़े 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इस ऑपरेशन में पुलिस ने भारी मात्रा में हेरोइन, हथियार और ड्रग मनी को भी जब्त किया है। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की जानकारियां हासिल कर रही है। डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने जानकारी दी कि इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने 4.5 किलोग्राम हेरोइन, 2 ग्लॉक पिस्तौल, 2 पिस्तौल (30 बोर), 1 पिस्तौल (32 बोर), 1 ज़िगाना पिस्तौल (30 बोर), 16 जिंदा कारतूस और 1.5 लाख की ड्रग्स से जुड़ी नकदी बरामद की गई है।

अमेरिका से 18 हजार भारतीयों को निकालेंगे ट्रंप

NEW DELHI : अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही भारतीय प्रवासियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वहां से करीब 18 हजार भारतीयों को निकाला जा सकता है। ये सभी लोग अवैध प्रवासी हैं जिनके पास अमेरिका की नागरिकता नहीं है, और वहां की नागरिकता हासिल करने के लिए सही कागज नहीं हैं। दरअसल, अमेरिका में अवैध प्रवासियों से डील करने वाली सरकारी संस्था (आईसीई) ने करीब 15 लाख लोगों की एक सूची बनाई है जो अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे हैं।

मौके पर ही चली गई जान, इन दिनों अपराधियों के बुलंद हैं हौसले
जमीन कारोबारी पर दिनदहाड़े बरसाई गईं ताबड़तोड़ गोलियां

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में इन दिनों अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। रविवार को रांची के नामकुम में दिनदहाड़े एक जमीन कारोबारी को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। जानकारी के मुताबिक, बाइक पर आए अपराधियों ने जमीन कारोबारी लाल मधुसूदन राय उर्फ मधु राय की पहले रेकी की। उसके बाद पीछा करते हुए कवाली पहुंचे और बीच सड़क पर गोली मार दी। गोली लगने के बाद जमीन पर मधु राय स्कूटी सहित सड़क पर गिर गए। उसके बाद अपराधियों ने पिस्तौल की सारी गोलियां दाग दी। मामले की जानकारी मिलने के बाद नामकुम पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। गोली मारने वाले अपराधियों की तलाश कर रही है। नामकुम थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद ने बताया कि मधु राय नामक जमीन कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। अपराधियों को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्कूटी से राजाउलातू उनीडीह स्थित घर से नामकुम जाने के लिए निकले थे मधु राय

- नामकुम में रेकी करने के बाद बाइक सवार अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम
- स्कूटी सहित सड़क पर गिरने के बाद अपराधियों ने 12 राउंड गोलियों की कर दी बौछार
- जानकारी मिलने के बाद तत्काल पहुंचे परिजन और सड़क को कर दिया जाम हंगामा भी किया
- परिजनों को समझाने-बुझाने के बाद पुलिस ने डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पीछे से अपराधियों ने चलाई गोली

मधु राय अपनी स्कूटी से राजाउलातू उनीडीह स्थित घर से नामकुम पतराटोली स्थित गढ़ा ढाबा जाने के लिए निकले थे। उसी समय उनका पीछा करते आए बाइक सवार अपराधियों ने उनपर गोली चला दी। मधु राय पर करीब 12 राउंड गोलियां चलाई गई हैं। मौके पर ही मधु राय की जान चली गई। परिजनों को लगभग एक बजे घटना की जानकारी मिली। इसके बाद सभी मौके पर पहुंचे और सड़क को जाम कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने समझा-बुझाकर उन्हें जाम हटाने को कहा और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

कई दिनों से रेकी कर रहे थे अपराधी

अपराधी घटना को अंजाम देने के बाद तत्काल फरार हो गए। अपराधियों द्वारा मधुसूदन राय की हत्या की खबर सुनते ही नामकुम में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची के ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल, डीएसपी अमर पांडेय और नामकुम थानेदार ब्रह्मदेव प्रसाद मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। जिस तरह से मधुसूदन राय की हत्या की गई, उसे देखकर लगता है कि अपराधी काफी दिनों से मधुसूदन राय की रेकी कर रहे थे। जैसे ही मधुसूदन सुनसान सड़क से गुजरे, उन्हें गोली मार दी गई।

पूर्व में हो चुकी है पत्नी की हत्या

बता दें कि मृतक मधु राय का अपराध से पूराना नाता है। पूर्व में भी 2007 में राजा उलातू स्थित जमीन पर पत्नी के साथ मौजूद मधु राय को टारगेट कर अपराधियों ने गोली मारी थी। गोली उनकी पत्नी को लगी थी एवं मौत हो गई थी। 2016 में दोबारा राजाउलातू में ही बाइक सवार अपराधियों ने गोली मारी थी, जिसमें उनके हाथ में गोली लगी थी। रांची पुलिस ने पूरे नामकुम इलाके की घेराबंदी कर दी है और एनएच पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है, ताकि अपराधियों का सुराग मिल सके। पुलिस उन लोगों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

77 साल की उम्र में ली अंतिम सांस
नहीं रहे पूर्व मंत्री कृष्णानंद झा, हेमंत ने जताया शोक

PHOTON NEWS DEOGHAR : संयुक्त बिहार में मंत्री रहे देवघर के कृष्णानंद झा का रविवार सुबह 9:15 बजे देहांत हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। वह 77 साल के थे। पूर्व मंत्री के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक जताया है। उनके पिता विनोदानंद झा बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। पंडित विनोदानंद झा 1961 में बिहार के मुख्यमंत्री थे। कृष्णानंद झा साल 1983 में पहली बार चंद्रशेखर प्रसाद सिंह की कैबिनेट में सिंचाई एवं राजभाषा मंत्री बने।

● तीन बार मधुपुर विस क्षेत्र का किया था प्रतिनिधित्व

महाराष्ट्र में 33 कैबिनेट व 6 राज्य मंत्रियों ने ली शपथ

MUMBAI : रविवार को महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 23वें दिन नागपुर में मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ। फडणवीस सरकार में 33 कैबिनेट और 6 राज्य मंत्रियों ने शपथ ली। सीएम और 2 डिप्टी सीएम समेत यह संख्या 42 हो गई। कैबिनेट में कुल 43 मंत्री शपथ ले सकते हैं। एक सीट खाली रखी गई है। फडणवीस सरकार में 19 भाजपा, 11 शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और 9 एनसीपी (अजित पवार गुट) कोटे से मंत्री शामिल किए गए हैं। इनमें 4 महिलाएं (3 भाजपा, 1 एनसीपी) और 1 मुस्लिम (एनसीपी) चेहरे को जगह मिली है। कैबिनेट में सबसे युवा मंत्री एनसीपी की अदिति तटकरे (36) और सबसे उम्रदराज मंत्री भाजपा के गणेश नाइक (74) साल हैं। भाजपा के पंकज भोयर सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे मंत्री हैं।

कांके-मैक्लुस्कीगंज में मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों को दिखीं जमी ओस की बूंदें
सर्दी का सितम, नामकुम में पारा @2.4 डिग्री

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में दिसंबर के दूसरे सप्ताह से ही सर्दी ने सितम ढाना शुरू कर दिया है। पहाड़ों पर बर्फबारी के प्रभाव से तेज हवाओं के साथ कनकनी बढ़ गई है। दिन की धूप में भी लोगों को ठंड सता रही है। ठंड से लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए हैं। लगातार उच्चतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी है। रविवार को रांची के नामकुम का न्यूनतम पारा 2.4 डिग्री सेंटीग्रेड रहा। गढ़वा में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। ठंड के कारण कांके और मैक्लुस्कीगंज में मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों को जमी हुई ओस की बूंदें दिखीं। ओस की वजह से जमीन में बर्फ की चादर सी दिखने लगी है। राज्य के करीब-करीब सभी जिलों का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र की ओर से यह जानकारी दी गई है।

पहाड़ों पर बर्फबारी के प्रभाव से तेज हवाओं ने बढ़ाई ठंड

- मैक्सिमम और मिनिमम टेंपरेचर में लगातार आ रही गिरावट
- 7 जिलों के लिए मौसम विभाग ने जारी किया शीतलहर का अलर्ट
- गढ़वा का न्यूनतम तापमान रहा 4 डिग्री सेल्सियस
- अधिकतम जिलों का मिनिमम टेंपरेचर 10 डिग्री से रहा काम

चाईबासा में सबसे अधिक उच्चतम तापमान

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य का सबसे अधिक उच्चतम तापमान 28.4 डिग्री सेंटीग्रेड चाईबासा में रिकॉर्ड किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान गढ़वा जिले में दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

चिंता के हालात इस साल गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड और नवंबर बन गया सबसे गर्म महीना

युवा जीवन पर अधिक असर डाल रहा बढ़ता तापमान

AGENCY NEW DELHI : प्रकृति में छेड़छाड़ के ऐसे नतीजे धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं, जो भविष्य के लिए बड़े खतरे साबित होने के संकेत दे रहे हैं। अंधाधुंध शहरीकरण और औद्योगीकरण के लिए पेड़ों का काटना पर्वतीय इलाकों का काम होना इसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है। वातावरण का क्रमिक रूप से तापमान बढ़ते जाना मनुष्य सहित सभी जीवों के लिए प्राकृतिक रूप से अस्तित्व में बने रहने में बड़ी बाधा उत्पन्न कर सकता है। हाल में किए गए विशेष अध्ययन से यह पता चला है कि तापमान बढ़ने से युवा जीवन पर सर्वाधिक असर पड़ता है। यूरोप जलवायु परिवर्तन एजेंसी कॉपरनिकस ने अध्ययन में बताया कि नवंबर 2023 का अब तक का सबसे गर्म महीना नवंबर था। इस बार नवंबर में सतह पर हवा का औसत तापमान 14.10 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 1991 से 2020 के औसत तापमान से 0.73 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। इसके अलावा इस साल गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए इतिहास का दूसरा सबसे गर्म महीना नवंबर दर्ज किया।

औद्योगिक काल के टेंपरेचर से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने का अनुमान
भारत में 1901 के बाद दूसरा सबसे गर्म 2024 का नवंबर महीना रहा

अंधाधुंध शहरीकरण व औद्योगीकरण के कारण जलवायु में आ रहा परिवर्तन

यूरोपीय जलवायु परिवर्तन एजेंसी कॉपरनिकस के खास अध्ययन में सामने आई सच्चाई	2023 की तुलना में इस साल के टेंपरेचर में 0.14 डिग्री सेल्सियस का इजाफा	मानवीय गतिविधियों से ग्लोबल वार्मिंग की बढ़ोतरी दे रही संकट के संकेत	तापमान वृद्धि से यूरोप में सदी के अंत तक मौतों की संख्या हो सकती है तीन गुनी

बुजुर्गों की तुलना में युवाओं की अधिक मौत

गर्मी का प्रभाव बुजुर्गों की तुलना में युवाओं पर अधिक होता है। 1998 से 2019 के बीच मैक्सिको में किए गए विशेष अध्ययन से पता चला है कि गर्मी से होने वाली मौतों में युवाओं की संख्या बुजुर्गों की तुलना में नौ गुनी अधिक थी। हालांकि, अब तक के अध्ययन में यही माना जा रहा था कि जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती जा रही ताप लहर का सबसे ज्यादा असर बुजुर्गों और छोटे बच्चों पर होता है। साइंस एडवांसेज जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, शोधकर्ताओं ने इसके लिए दो संभावनाएं बताई हैं। पहली, गर्मी का असर खुले में काम करने वालों पर ज्यादा हो सकता है और ऐसा करने वालों में युवा ज्यादा होते हैं।

अधिकतम तापमान 29.37 डिग्री

भारत मौसम विभाग के दिए आंकड़ों के अनुसार, देश में 1901 के बाद दूसरा सबसे गर्म 2024 का नवंबर महीना रहा, जब औसत अधिकतम तापमान 29.37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से 0.62 डिग्री अधिक था। यह औसत वैश्विक तापमान से 0.72 डिग्री सेल्सियस अधिक था। 2023 की तुलना में इस साल के तापमान में 0.14 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। वैज्ञानिकों का दावा है कि 2023 का औसत तापमान 1.48 डिग्री सेल्सियस अधिक था और 2024 में यह बढ़कर 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो सकता है।

'आप' ने 20 मौजूदा विधायकों का काटा टिकट, अंतिम सूची जारी

NEW DELHI : रविवार को आम आदमी पार्टी ने उम्मीदवारों की चौथी और आखिरी सूची जारी की। इसमें 38 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली से, मुख्यमंत्री आतिशी कालकाजी से, मंत्री सौरभ भारद्वाज ग्रेटर कैलाश से, मंत्री गोपाल राय बाबरपुर से, सत्येन्द्र कुमार जैन शकूर बस्ती से, दुर्गेश पाठक राजिंदर नगर से, रमेश पहलवान कस्तूरबा नगर से, नांगलोई जट से रघुविंदर शौकीन, सदर बाजार से सोम दत्त, बल्लीमारान से इमरान हुसैन, तिलक नगर से जरनैल सिंह चुनाव लड़ेंगे। आम आदमी पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए जो सूची जारी किया है, उसमें 20 सिटिंग विधायकों के नाम गायब हैं। जबकि कुछ विधायक ऐसे हैं, जिनके बेटे और पत्नी को टिकट दिया गया है।

लोस की रिवाइज्ड लिस्ट से हटाए गए विधेयक
आज नहीं पेश होगा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल

AGENCY NEW DELHI : 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल लोकसभा में 16 दिसंबर को पेश नहीं किया जाएगा। इससे जुड़े दोनों बिल को संसद के निम्न सदन यानी लोकसभा की रिवाइज्ड लिस्ट से हटा दिया गया है। इससे पहले 13 दिसंबर के कैलेंडर में कहा गया था कि सोमवार को बिल लोकसभा में रखा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, अब फाइनेंशियल बिजनेस के पूरा होने के बाद बिल सदन में पेश किया जाएगा। हालांकि, सरकार बिल को आखिरी समय में भी लोकसभा स्पीकर की परमिशन के बाद सप्लीमेंट्री लिस्टिंग के जरिए सदन में पेश कर सकती है। कैबिनेट ने 12 दिसंबर को बिल की मंजूरी दी थी। लोकसभा में 13 और 14 दिसंबर को संविधान पर चर्चा हुई थी। 16 और 17 दिसंबर को अब राज्यसभा में संविधान पर चर्चा होगी। संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर को शुरू हुआ था, जो 20 दिसंबर को खत्म होगा।

● 20 तक चलना है संसद का शीतकालीन सत्र

BRIEF NEWS

सामाजिक संस्था ने बिरहोर बच्चों में बांटे कपड़े

RAMGARH : कर्णधार सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था रामगढ़ के तत्वधान में कड़ाके की ठंड देखते हुए रविवार को दोहाकातु स्थित बिरहोर बच्चों के बीच नए कपड़ो के साथ गरम कपड़ो का वितरण किया गया। मौके पर संस्था के संस्थापक विक्रांत गुप्ता ने कहा कि रामगढ़ की जनता के आशीर्वाद और हमारी टीम की एकता हमारे लिए ताकत का काम करता है। उन्होंने कहा कि संस्था करीब पांच सालों से यहां आकर सहयोग कर रहा है। आगे भी मदद के लिए आता रहेगा। संस्था के अध्यक्ष जयदीप सोनी ने लोगों से अपील की है कि उपयोग में ना आने वाली पोशाक कर्णधार रामगढ़ के ऑफिस में जमा करे, ताकि लोगों को ठंड से राहत मिल सके। इस अवसर पर आशीष साहू, अनिल महतो, कर्मवीर राम, रिशु गुप्ता, पवन कुशवाहा शमिल थे।

जमशेदपुर के जुगसलाई में 90 यूनिट रक्त संग्रह

JAMSHEDPUR : शहर की धार्मिक संस्था श्री राणी सती सत्संग समिति, जुगसलाई के तत्वावधान में रविवार को जुगसलाई स्थित श्री राणी सती दादी मंदिर परिसर में रक्तदान शिविर हुआ, जिसमें 90 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। निर्मल भारद्वाज की पुण्यतिथि पर हुए कार्यक्रम का उद्घाटन समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार रिंगसिया और स्व. निर्मल भारद्वाज के परिजनों ओमप्रकाश, किशन, गोविंद, अदिति, और खुशी भारद्वाज द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार रिंगसिया ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि एक बूंद रक्त किसी की जान बचा सकता है। कार्यक्रम संयोजक कमल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल व अजय कुमार अग्रवाल ने स्व. निर्मल भारद्वाज के योगदान और यादों को साझा किया। इस अवसर पर जमशेदपुर ब्लड सेंटर के डॉ. मिथिलेश कुमार, डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. राऊ पात्रा व वीबीडीए के डॉ. मिठू बोस आदि उपस्थित थे। शिविर को सफल बनाने में अनिल कुमार अग्रवाल, बैजनाथ शर्मा, दिलीप रिंगसिया, राजेश कसेरा, बिमलेश अग्रवाल, कमल अग्रवाल, अंशुल रिंगसिया, सुधा रिंगसिया, रेणु गर्ग, सुलेखा अग्रवाल, निशा अग्रवाल, सरोज रिंगसिया आदि सक्रिय रहे।

नवोदय विद्यालय में पाक्षिक पत्रिका का विमोचन

KODERMA : पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवि) कोडरमा ने रविवार को अपने पाक्षिक स्कूल न्यूजलेटर का विमोचन किया। इस अवसर पर जिले के वरीय पत्रकार संजीव समीर, राजेश कुमार, प्रेम भारती, रवि छाबड़ा, उमा शंकर के साथ ही ग्राफिक डिजाइनर रवि शंकर भी बतौर अतिथि मौजूद थे। समारोह की शुरूआत आमंत्रित लोगों को गुलदस्ता और बैज देकर की गई। इसके बाद प्राचार्य किशोर कुमार, उप-प्राचार्य पंकज एस राणा, अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन किया। न्यूजलेटर का अनावरण प्राचार्य किशोर कुमार और विद्यालय के अन्य शिक्षको ने किया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ, जिसमें बच्चों ने स्वागत गीत गाया और एक मधुर एकल गीत भी प्रस्तुत किया। पत्रकार संजीव समीर और प्रेम भारती ने बच्चों से कैरियर को गम्भीरता से लेने और जीवन में बड़ा लक्ष्य लेकर आगे बढ़ने को प्रेरित किया गया। प्राचार्य किशोर कुमार ने कहा, न्यूजलेटर केवल तथ्यों का संग्रह या अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारे विद्यालय के जीवंत वातावरण को भी दशार्ता है। यह टीम वर्क और नवाचार की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। मौके पर कई लोग मौजूद थे।

जेल से छूटने के बाद फिर की मोबाइल चोरी, पकड़ाया

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल में आरपीएफ फ्लाइंग स्क्वॉयड ने एक मोबाइल चोर चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन से पकड़ा। पकड़े गए व्यक्ति का नाम पिंटू प्रसाद सोनी है, जो जुगसलाई स्थित गौरीशंकर रोड, सेवा सदन के पास का रहने वाला है। पिंटू प्रसाद सोनी 2022 में दो लैपटॉप चोरी के मामलों में भी फ्लाइंग स्क्वॉयड द्वारा पकड़ा गया था। लगभग ढाई साल जेल में रहने के बाद कुछ दिन पूर्व में ही छूट के बाहर आया है, पकडाए हुए व्यक्ति को अग्रिम कार्रवाई के लिए जीआरपी को सौंपा गया है।

प्लांट में झुलसा मजदूर, मौत के बाद ग्रामीणों का हंगामा

रामगढ़ जिले के गोला में लोहा गलाने के दौरान हुई दुर्घटना

AGENCY RAMGARH

रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र अंतर्गत ब्रह्मपुत्र मेटेलिक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में झुलसने से एक मजदूर की मौत हो गई। मजदूर की मौत से गुस्साए स्थानीय ग्रामीणों ने रविवार को प्लांट के गेट पर हंगामा शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार चार दिन पहले गोला निवासी पोदो महतो प्लांट में काम कर रहा था। इसी दौरान लोहा गलाने वाले सीसीएस की आग से वह बुरी तरह झुलस गया। आनन फानन में उसे बेहतर इलाज के लिए रांची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान ही रविवार को उस मजदूर की मौत हो गई।

मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने प्लांट के गेट को जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते हैं विधायक ममता देवी प्लांट पहुंची और प्रबंधन के साथ उन्होंने वार्ता की। इस दौरान मृतक के आश्रितों को 15 लाख रुपए की मुआवजा राशि दी गई। साथ ही परिवार के भरण पोषण के लिए मृतक की पत्नी को नौकरी देने, दोनों छोटे बच्चों की पढ़ाई में मदद करने का आश्वासन प्रबंधन की ओर से दिया गया। सहमति बनने के बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया।

परिजन को मुआवजा राशि देते कंपनी के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

युवती का अपहरण, दुष्कर्म के बाद बेचने का किया प्रयास

AGENCY DUMKA :

चाकू की नोंक पर जबरन युवती को उठा कर दुष्कर्म करने के बाद दिल्ली में बेचने के प्रयास का मामला रविवार को सामने आया है। हंसडीहा थाना क्षेत्र के सिंहनी गांव की एक युवती ने घटना को लेकर मामला दर्ज कराया है। युवती के अनुसार बीते सात दिसंबर की शाम वह गांव के एक किराने की दुकान से वापस लौट रही थी इसी दौरान बनियारा गांव निवासी दूसरे समुदाय के महावीर मरीक एक अन्य व्यक्ति के साथ पहुंचा और चाकू की नोंक पर उसे जबरन बाईक पर बैठा कर हंसडीहा स्टेशन ले गया। लेकिन ट्रेन न मिलने की वजह से उसे वहां से किसी अंजान जगह पर ले गया और पूरे रात उसके साथ दुष्कर्म किया। अगले दिन आरोपित उसे भागलपुर ले गया और वहां से दिल्ली। दिल्ली पहुंचने के बाद वहां भी दो दिनों तक उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। इसी बीच 11 दिसंबर को आरोपित अपने सहयोगियों के साथ उसे पांच लाख रुपए में बेचने वाला था। आरोपित ने दिल्ली में ही किसी से उसका सौदा भी कर लिया था। उसे बेचने के लिए आरोपित उसे लेकर तय स्थान पर जा ही रहा था कि इसी दौरान उसके पिता उसे ढूंढते हुए दिल्ली पहुंच गए और वह बिकने से बच गई। जिसके बाद उसके पिता उसे वापस लेकर घर लौट आए। घर पहुंचने पर आरोपित के चाचा बिहारी मरीक ने उसके घर आकर पूरे परिवार के साथ गाली-गलौज करते हुए अभद्र व्यवहार करते हुए धमकी देने लगा कि अगर घटना को लेकर कहीं भी शिकायत पहुंची तो क्षेत्र में दोनों समुदाय का दंगा करवा देंगे और सारा इल्जाम उनलोगों पर आएगा। युवती ने आरोपित के एक भाई और भाभी पर भी सहयोग का आरोप लगाया है। मामलें को लेकर पुलिस ने बीएनएस 64(2)(एम), 62, 46, 3(5) के तहत मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश में जुट गई है।

गेल ने 3 माह में दूसरी बार घटाई पीएनजी की कीमत

JAMSHEDPUR : गेल के महाप्रबंधक सह जीए प्रभारी अधिकारी गौरीशंकर मिश्रा ने बताया कि ग्राहकों की सुविधा का ध्यान रखते हुए गेल, शहरी गैस वितरण द्वारा, पीएनजी के दामों में कटौती की गई है। जमशेदपुर में अब एक स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर, पीएनजी की कीमत 16 दिसंबर से 49.10 रुपये हो गई है।

1 किलोग्राम एलपीजी लगभग 1.164 एससीएम के बराबर होती है, जिसके आधार पर 14.2 किलोग्राम एलीपीजी के बराबर ईंधन, आपको लगभग 16.52 एससीएम पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) से मिलेगा।

गौरीशंकर ने बताया कि अभी सोनारी, कदमा, और बिष्टुपुर में गैस की आपूर्ति हो रही है, जहां

15,000 से अधिक घरों को गैस से जोड़ दिया गया है और अतिरिक्त ग्राहकों को जोड़ा जा रहा है।

गेल ने 1 सितंबर 2024 को घरेलू पीएनजी की कीमतें 55.56 रुपये प्रति एससीएम से घटाकर 53.56 रुपये कर दी थी। 16 दिसंबर 2024 से मूल्य में कमी तीन महीने के भीतर दूसरी बार मूल्य में कमी होगी।

अब किसानों को धान बेचने पर मिलेगा 200 रुपये बोनस : मंत्री

JAMTARA : सरकार ने किसानों का धान खरीदने का दर तय किया है। इसमें धान का 2300 रुपये समर्थन मूल्य व 100 रुपये बोनस निर्धारित है। बावजूद यह राशि किसानों के लिए कम है। इसलिए अपने विभाग की ओर से 100 रुपये और बोनस देने का निर्णय लिया है। इसलिए अब किसानों को एक सौ की जगह 200 रुपये बोनस मिलेगा। यह घोषणा राज्य के खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री इरफान अंसारी ने जामताड़ा में की। उन्होंने रविवार को समाहरणालय स्थित एसजीएसवाई सभागार में धान अधिप्राप्ति योजना का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि धान बेचने के 48 घंटे में किसानों को कुल राशि का आधा भुगतान बैंक खाते में भेज दिया जाएगा। इसके बाद एक सप्ताह में पूरी राशि का भुगतान किया जाएगा।

गिरिडीह से चार साइबर ठग किए गए गिरफ्तार

AGENCY GIRIDIH :

गिरिडीह पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रविवार को चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस संबंध में एसपी डॉक्टर विमल कुमार ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि जिले के तारातांड़ थाना इलाके के गिरिडीह धनबाद रोड स्थित उसरी नदी के समीप चार अपराधी एक बाइक के साथ खड़े है। इसी सूचना पर डीएसपी ने पुलिस जवानों के साथ छापेमारी कर चार अपराधियों को दबोचा। चारो अपराधी जिले के अहिल्यापुर थाना इलाके के पहरमा गांव निवासी विकास मंडल, परहेता गांव निवासी संदीप राय, पहरमा गांव निवासी सुधीर पंडित और अजय राय शामिल हैं।

पुलिस गिरफ्त में चारों आरोपी ● फोटोन न्यूज

सात मोबाइल, नौ सिम कार्ड व एक बाइक बरामद

पुलिस ने चारों आरोपियों के पास से 7 मोबाइल, नौ सिम कार्ड और एक बाइक भी बरामद किया है। बरामद बाइक का मालिक खुद विकास मंडल है। एसपी ने बताया कि चारो अपराधी बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी बनकर अकाउंट होल्डर को काल करते थे और केवाइसी अपडेट करने के नाम पर लिंक भेज कर उनके अकाउंट की जानकारी लेने के बाद ठगी किया करते थे। एसपी ने बताया कि इसके अलावा अपराधी गर्भवती महिलाओं को भी काल करते थे और मातृत्व योजना का लाभ दिलाने के नाम पर उन्हें भी हजारों का चूना लगाते थे। बताया कि चारो में विकास मंडल बेहद शातिर हैं और इसी तरह से ठग कर अब तक लाखों रुपए की संपति का मालिक बन चुका है।

युवा उत्सव में कलाकारों ने दिखाया कौशल, खूब रही धूम

AGENCY HAZARIBAG :

मेरा युवा भारत (नेहरू युवा केंद्र, हजारीबाग) युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार और खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड सरकार के संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तरीय युवा उत्सव 2024-25 संत कोलंबस कॉलेज में मनाया गया। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद एवं संत कोलंबस महाविद्यालय के प्राचार्य विमल रेमन की उपस्थिति में कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इसमें कुल 10 कला के विभिन्न प्रतियोगिताओं में युवाओं ने अपनी कला की प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके अंतर्गत विज्ञान कला में प्रथम स्थान पर प्रियांशु कुमार व द्वितीय स्थान पर सुधांशु कुमार रहे। कहानी लेखन में प्रथम नीतीश कुमार महतो व द्वितीय स्थान पर मयूर माला रही। डिक्लेमेशन कांटेस्ट में प्रथम स्थान पर अमन कुमार व द्वितीय स्थान पर अभिचाल सुरंजन रहे। पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम प्रीत राज व द्वितीय स्थान पर स्नेह कुमारी गुप्ता रही। ग्रुप फोक डांस में प्रथम महक ग्रुप व द्वितीय स्थान पर शिवानी ग्रुप रहा। सोलो फोक डांस में प्रथम निशा रानी व द्वितीय शिवानी प्रिया रही। फोटोग्राफी में प्रथम मेघा राज व द्वितीय नीलेश कुमार रहे। ग्रुप सॉन्ग में प्रथम डीएवी पब्लिक स्कूल व द्वितीय पूजा ग्रुप रही। सोलो सॉन्ग में प्रथम श्रुति कुमारी व द्वितीय पुरस्कार पाल नारायण रही। कविता लेखन में प्रथम हिमांशु कुमार व द्वितीय अंशुल कुमार रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में एनएसएस के कैडर, जिला युवा अधिकारी रुद्र शेखर, जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम, कार्यक्रम समन्वयक जोनी रौशिना तिर्की, उमेश कुमार दवेंद्र कुमार, अमन कुमार सहित जिले के प्रतिनियुक्त शारीरिक शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

कांग्रेस ने उपायुक्त से की मांग, आयुष्मान कार्ड पर हो इलाज

DHANBAD : आयुष्मान भारत योजना का लाभ धनबाद के मरीजों को ठीक से नहीं मिल रहा है। अब अपनी ही सरकार से जिला कांग्रेस कमेटी व्यवस्था में सुधार की मांग कर रही है। जिला बीस सूत्री कार्यक्रम के उपाध्यक्ष सह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने राज्य सरकार और धनबाद के उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराने को कहा है। कहा है कि धनबाद के साथ-साथ पूरे झारखंड में ऐसी शिकायतें मिल रही हैं कि कई अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारी के मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने के बाद उनसे पैसे की मांग की जा रही है। कई जगहों पर मरीजों के साथ दुर्व्यवहार की भी सूचना मिली है। सिंह ने कहा है कि सरकार इस पर कड़ी कार्रवाई करे, क्योंकि अस्पतालों को सरकार द्वारा पैसे का भुगतान भी किया जाता है। ऐसी स्थिति में निजी अस्पतालों के संचालकों का आयुष्मान कार्ड धारी से पैसे लेना बिल्कुल गलत है। ऐसे अस्पतालों को चिह्नित करके कार्रवाई करने की मांग सरकार और उपायुक्त से की गई है। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों का भी आयुष्मान कार्ड बनाया जाता है, लेकिन बुजुर्गों का अस्पताल में इलाज नहीं हो पा रहा है।

भाजपा कार्यकर्ता एक बार फिर चलाएंगे सदस्यता अभियान

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रदेश प्रभारी नंद प्रसाद ● फोटोन न्यूज

RAMGARH : रामगढ़ जिले में भाजपा कार्यकर्ता एक बार फिर संघर्षों के साथ सदस्यता महापर्व को गति देंगे। इस अभियान को सफल बनाने के लिए रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश प्रभारी नंद प्रसाद ने एक बार फिर कार्यकताओं में नया जोश भरा। इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड चुनाव के परिणामों ने कार्यकताओं को निराश किया है। लेकिन अभी का वक्त निराश होने का नहीं है। विधानसभा चुनाव में भाजपा का वोट प्रतिशत काफी बढ़ा है। यह एक सकारात्मक पहलू है। भविष्य में और सकारात्मक ऊर्जा के साथ बेहतर परिणाम भी मिलेंगे। बैठक की शुरूआत में अतिथियों ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश प्रभारी नंद प्रसाद ने कहा कि रामगढ़ जिले में सदस्यता महापर्व को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ता नए जोश के साथ काम करेंगे। ऐसी उम्मीद है कि रामगढ़ जिला पूरे प्रदेश में अव्वल रहेगा।

किसानों को सरकार की सभी योजनाओं का लाभ देने के लिए ऑफलाइन रसीद काटने की होनी चाहिए व्यवस्था

लैंड डिजिटलाइजेशन झारखंड के लिए सही नहीं : कृषि मंत्री

AGENCY PALAMU :

राज्य की कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की रविवार को पलामू पहुंची । वहां जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें छोटे किसानों को ध्यान में रखकर योजनाओं के क्रियान्वयन का निर्देश दिया। अधिकारियों को सप्ताह में दो दिन फील्ड में जाकर योजनाओं का निरीक्षण करने का आदेश दिया। कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी जिलों का भ्रमण कर मंत्री विभागीय कार्य की स्थिति का जायजा लेंगे। किसान हित में जो कार्रवाई नहीं करेंगे उनपर कार्रवाई होगी। लैंप्स और पैक्स के भौतिक निरीक्षण का आदेश दिया। यदि वह गड़बड़ी करते हैं तो उसे रद कर नया अध्यक्ष चुनें।

बैठक में भाग लेतीं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ● फोटोन न्यूज

मंत्री ने कहा कि सरकार जरिये विभिन्न फसलों के लिए दिए जा रहे बीज किसानों तक पहुंचे इसकी मॉनिटरिंग होगी। ब्लॉक चेन मैकेनिज्म डेवलप कर सही किसानों को इसका लाभ दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि मछली उत्पादन को बढ़ाना है। इसमें काफी संभावनाएं हैं। नील गाय की समस्या को दूर करने पर भी विभागीय स्तर पर काम किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि किसानों को सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिले इसलिए जमीन का ऑफ लाइन रसीद काटने का व्यवस्था होनी चाहिए। लैंड डिजिटलाइजेशन झारखंड के लिए सही नहीं है। इसके कारण किसान जमीन को ऑनलाइन कराने के लिए परेशान हैं। जमीन ऑनलाइन हो नहीं पा रहा है। इससे किसानों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। केंद्र की इस योजना के वह खिलाफ हैं। लैंड रिकॉर्ड डिजिटलाइजेशन के लिए खतियान यहां नहीं है। इस कारण जमीन की रसीद नहीं कट पा रही है, जिससे कृषि संबंधित योजनाओं से लोग वंचित हो रहे हैं। मौके पर मनिका के विधायक रामचंद्र सिंह सहित कई कांग्रेसी नेता मौजूद थे।

सरकार अपने सभी वादों को पूरा करेगी : कृषि मंत्री

LATEHAR : झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की रविवार को लातेहार पहुंची। इस दौरान उन्होंने कार्यकताओं के साथ मुलाकात की और संगठन की मजबूती पर चर्चा की। इस अवसर पर संवाददाता सम्मेलन करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार ने जनता से जो वादे किए हैं, उसे हर हाल में पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड के किसानों को धान का एमएसपी 3200 रुपए देने के जो वादे किए गए हैं, उसे भी पूरा किया जाएगा। परंतु इसमें समय लगेगा। उन्होंने कहा कि अभी सरकार बने हुए एक सप्ताह ही हुए हैं। दो-तीन दिन पहले मंत्रियों ने प्रभार लिया है। ऐसे में दो-तीन दिन के अंदर कोई भी निर्णय लेना संभव नहीं है। इसी कारण इस वर्ष धान की एमएसपी 2300 रुपए और बोनस 100 रुपए कुल मिलाकर 2400 रुपए मिलेंगे। उन्होंने कहा कि एमएसपी 3200 रुपए भी करने की प्रक्रिया जारी है। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार विपक्ष के दबाव में कोई भी काम नहीं करेगी।

जाम में फंसे भारी वाहन ● फोटोन न्यूज

दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटाने के दौरान लगा जाम, कोडरमा घाटी में रेंगती रहीं गाड़ियां

AGENCY KODERMA : कोडरमा थाना क्षेत्र के अंतर्गत घाटी जमसोती नाला के समीप शनिवार की शाम लोहा लदे ट्रेलर के अनियंत्रित होकर पलट जाने से चालक बाल बाल बच गया था। हालांकि दुर्घटना के बाद सड़क पूरी तरह से जाम हो गई थी और रांची पटना रोड के दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतार लग गई थी। जिसे कोडरमा पुलिस का सहायता से आंशिक रूप से हटकर गाड़ियों का परिचालन शुरू कराया गया था। रविवार की सुबह करीब तीन बजे एक बार फिर से दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटाने का कार्य शुरू किया गया। जिसकी वजह से कोडरमा घाटी से लेकर कोडरमा चाराडीह तक लगभग 16 किमी में एक बार फिर जाम की समस्या बन गई। इस दौरान कई यात्री बस भी फंसे रहे। हजारों की संख्या में यात्री परेशान भी रहे। बाद में कोडरमा पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटवा कर रविवार की शाम परिचालन को सामान्य कराया। जाम लगने के कारण घाटी में वाहनें अभी भी रेंग कर गुजर रही है।

BRIEF NEWS

धांधली की साजिश के पीछे हेमंत सोरेन का हाथ : बाबूलाल मरांडी

RANCHI : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने रविवार को हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में धांधली की साजिश के पीछे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का हाथ है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में धांधली की साजिश के पीछे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का हाथ साफ नजर आता है। पहले हेमंत सोरेन के जरिये सीआईडी जांच का झूठा आश्वासन दिया गया, फिर जेएसएससी ने खुद को क्लीन चिट दे दी। अब छात्र आंदोलनकारियों की गिरफ्तारी के सख्त आदेश जारी कर सरकार ने युवाओं की आवाज दबाने की साजिश रच दी है। उन्होंने रविवार को ट्वीट कर कहा है कि हेमंत सोरेन शायद भूल गए हैं कि झारखंड की भूमि आंदोलनों और संघर्षों की प्रतीक है। झारखंड का युवा दमनकारी नीतियों का करारा जवाब देना जानता है।

साहिल बने 58वां फ्लड लाइट टेनिस टूर्नामेंट के उपविजेता

RANCHI : बंगाल टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित सटरडे क्लब 58वां फ्लड लाइट टेनिस टूर्नामेंट 2024 के पुरुष वर्ग में झारखण्ड के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी रांची के साहिल अमीन उपविजेता बने हैं। फाइनल मुकाबले में साहिल ने अपने प्रतिद्वंदी खिलाड़ी बंगाल के अमीत रॉथ से तीन सेटों के कड़े टक्कर में 6-4, 3-6 और 5-7 से हार गये। इसलिए इस वर्ष साहिल को उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। साहिल पिछले वर्ष के विजेता थे। जोरदार खेल दिखाते हुए साहिल ने सेमीफाइनल में अपने प्रतिद्वंदी खिलाड़ी बंगाल के ही एसके तबरेज अली को हराकर फाइनल में प्रवेश लिया था। यह खिताब जीतने वाले साहिल झारखण्ड के एकमात्र टेनिस खिलाड़ी हैं। चौथी बार इस टूर्नामेंट में खेल रहे साहिल ने अपने धमाकेदार खेल से सबको प्रभावित किया। इससे पूर्व दो बार इस टूर्नामेंट में साहिल ने खिताब अपने नाम किया था। इस टूर्नामेंट का आयोजन 30 नवंबर से 14 दिसंबर तक सटरडे क्लब कोलकता में किया गया था।

फरवरी में होगा अंजुमन तरक्की का राज्य सम्मेलन

RANCHI : अंजुमन तरक्की उर्दू रांची की बैठक कर्बला चौक स्थित गुलशन हॉल में नजमा नाहीद अंसारी की अध्यक्षता में हुई। मौके पर केंद्रीय प्रतिनिधि एमजेड खान ने अंजुमन की गतिविधियों का जिक्र करते हुए कहा कि अंजुमन का राज्य सम्मेलन वर्ष 2025 के फरवरी माह के अंतिम सप्ताह में करने का निर्णय लिया गया है। मौके पर डॉ असगर जमील, डॉ महताब आलम, सैयद इकबाल अहमद, रेहाना मोहम्मद अली, डॉ एस बानो, अब्दुल समद, डॉ जमशेद कमर, डॉ महफूज आलम, मोहम्मद शकील अहमद, मोहसिन सईद, मोहम्मद इलियास, सैयद गफरान अशरफी, कैसर आलम, मो अमान मौजूद थे।

समय से पहले जन्मे शिशु को भी है ब्लाइंडनेस का खतरा

VIVEK SHARMA@RANCHI

100 में से 10 बच्चों की आंखों की चली जा रही रोशनी, इस समस्या से जूझ रहे 35-40 बच्चे

आईरिकॉन में बोले आई विशेषज्ञ, 45 मिनट तक काम के बाद 15 मिनट का ब्रेक लेना जरूरी

आंखों के बिना आपके लिए संसार की कोई सार्थकता नहीं। शरीर की संपूर्णता आंखों की तंदुरुस्ती में है। इसलिए आंखों की देखभाल के लिए जागरूक रहना जरूरी है। यह सही है कि समय के साथ हुए बदलाव ने आंखों की बीमारियों को भी बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। आज स्थिति ये है कि प्रीमैच्योर यानी समय के पहले हुए शिशु भी आंखों की समस्या से जूझ रहे हैं। इतना ही नहीं प्रीमैच्योर बच्चों में ब्लाइंडनेस तक का खतरा बढ़ गया है। यह बातें रविवार को होटल लीलैक में आयोजित आईरिकॉन में देश के बड़े आई स्पेशलिस्ट्स ने कही। वहीं गैजेट्स हमारे जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन, इनका इस्तेमाल संभलकर करने की जरूरत है। नहीं तो आने वाले समय में जब हमारी आंखें ही ठीक नहीं होगी तो गैजेट्स का इस्तेमाल कैसे करेंगे। भुवनेश्वर से आए विट्रो रेटिना कंसल्टेंट डॉ. तापश रंजन पाड़ी ने कहा कि समय से पहले जन्म लेने वाले 100 में से 10 बच्चे ब्लाइंडनेस की चपेट में है। वहीं 30-40 परसेंट बच्चों को आंखों की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इसका सही समय पर पता चल जाए तो इस बीमारी को ठीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 34 सप्ताह से पहले जन्मे बच्चों के पैरेंट्स को तत्काल उन्हें आंखों के डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।

डॉ. तापश रंजन पाड़ी

डॉ. प्रमोद एस. भेंडे। ● फोटोन न्यूज

इसके अलावा ये भी ध्यान देने की जरूरत है कि बच्चे का वजन जन्म के समय दो किलो से कम है तो दो हफ्ते के अंदर जांच से ये पता लगाया जा सकता है कि बच्चे की आंखों में कोई समस्या तो नहीं है। अगर है तो उसका इलाज पूरी तरह से संभव है। ऐसे में हम बच्चों को अंधा होने से बचा सकते है। उन्होंने कहा कि रेटिनोपैथी आफ प्रीमैच्योरिटी का एक से डेढ़ महीने के ऑअंदर इलाज न किया जाए तो बच्चा अंधा हो सकता है। साथ ही उन्होंने बताया कि मोबाइल का इस्तेमाल आज के दिन में हमारी डेली लाइफ का हिस्सा है।

सावधानी बरतें, नहीं तो आंखें होंगी खराब

शंकर नेत्रालय चेन्नई से आए विट्रो रेटिना कंसल्टेंट डॉ. प्रमोद एस भेंडे ने कहा कि आज गैजेट्स हमारी लाइफ का जरूरी पार्ट है। इसके बिना हम कुछ नहीं कर सकते। लेकिन, हमें इसका इस्तेमाल संभलकर करना होगा। अभी नहीं संभले तो स्थिति भयावह हो सकती है। वहीं आंखों में कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि हमारा ज्यादातर समय गैजेट्स जैसे मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटॉप पर गुजरता है। ऐसी स्थिति में हर 45 मिनट के बाद हमें कम से कम 15 मिनट का ब्रेक लेना जरूरी है। इससे आंखों को आराम मिलेगा। इस दौरान आउटडोर में जाकर बाहर का नजारा देखे तो आंखों की एक्सरसाइज हो जाएगी। वहीं गैजेट्स से दूर रहने से आंखों पर पड़ने वाला प्रभाव कम हो जाएगा। वहीं खान-पान को लेकर कहा कि बैलेंस डाइट ले और बाहर खेलने घूमने दिन भर में जरूर जाए। इससे आप गैजेट्स से दूर रहेंगे। ये आपकी आंखों की सेहत के लिए फायदेमंद साबित होगा।

6 मरीजों की हुई फ्री सर्जरी

इस दौरान आईरिस हॉस्पिटल में 6 मरीजों के आंखों की फ्री सर्जरी की गई। सभी मरीजों को जरूरत के अनुसार प्रीमियम लेंस लगाए गए। डॉ. सुबोध कुमार ने बताया कि हर साल हम इस दिन मरीजों की फ्री सर्जरी करते हैं। सर्जरी करने वाली टीम में डॉ. गोपाल जी सिंह आईरिस, संजीव नेत्रालय बोकारो के डॉ. संजीव तिरिया, त्रिनेत्र एम आई हॉस्पिटल बोकारो के डॉ. विवेक केडिया, नेत्रालयम कोलकाता के डॉ. लव कोच गवा, मुस्कान आई हॉस्पिटल, बोकारो डॉ. जाहिद अली सिद्दीकी, रिम्स रांची के डॉ. सुनील कुमार शामिल थे।

रांची, रामगढ़ व हजारीबाग में हुई छापेमारी, हथियार भी किए गए बरामद

एटीएस ने तीन कुख्यातों को दबोचा

हत्या व रंगदारी के कांडों का खुलासा

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड एटीएस की टीम ने रांची, रामगढ़ और हजारीबाग में छापेमारी कर रंगदारी और हत्या में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। तीनों अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद हजारीबाग में दो हत्या और रांची में रंगदारी के दो मामलों का खुलासा हुआ है। झारखंड के हजारीबाग जिले में हाल के दिनों में एक महीने के अंदर चार हत्या की वारदातें हुई थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए झारखंड एटीएस को भी लगाया था। इस मामले में झारखंड एटीएस की टीम ने हजारीबाग में हुई हत्या में शामिल कुख्यात अपराधी प्रमोद कुमार साहू को गिरफ्तार किया है। प्रमोद कुमार साहू कुख्यात तिवारी गिरोह का सदस्य है। दूसरे मामले में झारखंड एटीएस की टीम ने रांची पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर व्यवसायियों को धमकाकर रंगदारी वसूलने वाले दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार

एटीएस की गिरफ्त में अपराधी व बरामद हथियार।

● फोटोन न्यूज

अपराधियों में बिहार के सीवान जिले का रहने वाला अभय कुमार मिश्रा और रांची के पिठोरिया का रहने वाला अब्दुल करीम शामिल है। झारखंड एटीएस एसपी ऋषभ झा ने बताया कि गिरफ्तार अभय मिश्रा और अब्दुल करीम ने रांची के क्रशर संचालक शैलेंद्र प्रताप नारायण उर्फ ??अनूप सिंह से फोन पर 20 लाख की फिरौती मांगी थी। उस दौरान फोन करने वाले ने खुद को देवा गैंग का अविनाश तिवारी बताया और धमकी दी कि अगर फिरौती नहीं दी तो जान से मार दिया जाएगा। धमकी के बाद क्रशर संचालक शैलेंद्र प्रताप नारायण उर्फ ??अनूप सिंह ने बरियातू थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अभय मिश्रा और अब्दुल करीम की गिरफ्तारी के बाद एटीएस की टीम ने उनके ठिकानों से हथियार भी बरामद किए हैं। एटीएस एसपी ऋषभ जेन ने बताया कि अब्दुल करीम के घर से दो पिस्तौल, जिंदा कारतूस और आधा दर्जन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। झारखंड एटीएस एसपी ऋषभ झा ने बताया कि गिरफ्तार तीनों अपराधियों का आपराधिक इतिहास रहा है।

130 करोड़ गबन मामले में कार्रवाई, खाताधारकों को भेजा गया नोटिस

झारखंड सरकार के दो बड़े विभागों से 130 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में सीआईडी की जांच तेजी से चल रही है। अब उन सभी खाताधारकों को नोटिस जारी किया गया है, जिनके खातों में पैसे ट्रांसफर किए गए थे। जालसाजों ने 130 करोड़ रुपये गबन करने के लिए सैकड़ों खाते खोले थे। झारखंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड, झारखंड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड और झारखंड ऊर्जा उत्पाद निगम लिमिटेड के खातों से 130 करोड़ रुपये के गबन के मामले में एसआईटी की जांच लगातार जारी है। जांच में यह बात सामने आई है कि झारखंड समेत पश्चिम बंगाल के नौ सौ खाताधारकों के खातों में सरकारी पैसे ट्रांसफर किए गए थे। अब एसआईटी ने उन सभी खाताधारकों को नोटिस भेजा है। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि नोटिस के जरिए खाताधारकों से उनके खाते की पूरी जानकारी मांगी गई है। साथ ही उन्हें अपने खाते में आई रकम की जानकारी देने का निर्देश दिया गया है।

हटिया स्टेशन के नजदीक दर्जनों घरों पर चला बुलडोजर

PHOTON NEWS RANCHI :

● आरपीएफ और जिला प्रशासन की टीम ने दूसरे दिन भी हटाया अतिक्रमण

रविवार को रेलवे ने जिला प्रशासन के सहयोग से बाइपास रोड पर स्थित रेलवे की जमीन से अतिक्रमण हटाओ अभियान दूसरे दिन भी जारी रखा। इस दौरान आरपीएफ और जिला प्रशासन की टीम ने दर्जनों अवैध घरों पर बुलडोजर चला दिया। अतिक्रमण हटाने के दौरान बाइपास रोड जाम हो गया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। इससे पहले शनिवार को भी प्रशासन ने अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया था। इसमें 100 से अधिक अवैध दुकानों, मकानों और झोपड़ियों को हटाया गया था। इस तरह दो दिनों तक चले इस अभियान में करीब 200 घरों को हटा दिया गया। बता दें कि उस जगह पर 20 वर्षों से अधिक समय से लोग अपना आशियाना बनाकर रह रहे थे। लोगों ने सरकार से तत्काल मदद की गुहार लगाई है। रेलवे के अधिकारी की माने तो बिरसा चौक पर स्थित पुराने ओवरब्रिज को तोड़कर नया ब्रिज बनाया जाएगा। नए ब्रिज का निर्माण करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। इस काम को दो वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा नए ब्रिज के नीचे दो अतिरिक्त रेलवे लाइनें बिछाई जाएंगी। जिसे सीधे यार्ड से जोड़ा जाएगा। सात वर्ष पहले रेलवे ने एक ब्रिज का निर्माण किया था। लेकिन, ब्रिज संकरा होने के कारण बिरसा चौक और हिनू की ओर जाने वाले रास्तों पर जाम की समस्या बनी रहती है।

झासा के इलेक्शन का एलान आज से शुरू होगा नामांकन

RANCHI : सरकारी डॉक्टरों के संगठन झारखंड स्टेट हेल्थ सर्विसेज एसोसिएशन (झासा) के चुनाव का ऐलान हो गया है। 2024-2026 सत्र के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। संगठन की ओर से जानकारी दी गई कि 16 दिसंबर से नामांकन के लिए आवेदन स्वीकार किए जाएंगे जो 30 दिसंबर तक जारी रहेगा। मतदान 19 जनवरी 2025 को होगा। यह महत्वपूर्ण निर्णय सदर अस्पताल रांची में हुई एक बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता झासा के चीफ इलेक्शन कमिश्नर डॉ. लाल माझी ने की। बैठक में डॉ. लाल माझी ने बताया कि झासा के नए सत्र के चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया 16 दिसंबर से शुरू होगी और 30 दिसंबर तक चलेगी। इसके बाद चुनाव 19 जनवरी 2025 को निर्धारित किया गया है।

सीएम हेमंत सोरेन ने दिया था कार्रवाई का आदेश

छात्राओं से छेड़खानी करने का आरोपी फिरोज गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI :

कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित कन्या पाठशाला की छात्राओं से छेड़खानी करने के आरोपी फिरोज अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रांची एसएसपी द्वारा गठित एसआईटी की टीम ने रविवार की देर शाम यह कार्रवाई की। फिरोज अली हिंदपीढ़ी के नाला रोड के गली नंबर आठ का रहने वाला है। पुलिस को फिरोज के बारे में सूचना देने वाले को पुलिस ने इनाम देने की घोषणा की थी। कन्या पाठशाला स्कूल के छात्राओं के साथ छेड़खानी मामले में सीएम हेमंत सोरेन ने संज्ञान लिया था। सीएम ने रांची पुलिस को आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सूचित करने का आदेश दिया था। सीएम के आदेश के बाद

गिरफ्तार आरोपी की फाइल फोटो।

पुलिस के आईजी और डीआईजी शनिवार को मौके पर जांच करने पहुंचे थे। गौरतलब है कि बीते कई दिनों से मनचले रांची के कन्या पाठशाला स्कूल के बाहर बच्चियों के साथ छेड़खानी कर रहे थे। मनचले सुबह सात बजे से सन्नाटा गली का फायदा उठाकर उनके साथ गलत हरकत करने की भी कोशिश करते थे।

अस्पताल कैंपस में बुजुर्ग की मौत पर प्रबंधन ने दी सफाई

RANCHI : सदर अस्पताल परिसर में शनिवार को बुजुर्ग की मौत हो गई थी। मामले की अस्पताल प्रबंधन ने जांच शुरू की और सिविल सर्जन और उपाधीक्षक ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता कर मामले की जानकारी दी। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात और उपाधीक्षक डॉ. विमलेश ने बताया कि जिस बुजुर्ग की मौत हुई थी, वह पिछले तीन दिनों से अस्पताल में थे। वे बीमार नहीं थे और खुद से चलकर अस्पताल आए थे। अस्पताल परिसर में ठंड से बचने के लिए इमरजेंसी के पास रह रहे थे। ट्रॉली मैन ने उन्हें खाना भी दिया था। शनिवार सुबह उन्हें इडली खिलाने के बाद बुजुर्ग के अनुरोध पर उन्हें धूप में बैठाया गया। वहीं बैठे-बैठे वह अचानक गिर गए। उन्हें तुरंत अस्पताल के भीतर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मीटिंग में समाज की विभिन्न समस्याओं और समाधान पर की गई चर्चा

अत्ताउल्लाह अंसारी फिर से चुने गए अमन ग्रुप वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को मांडर में अमन ग्रुप वेलफेयर ट्रस्ट की बैठक ब्राम्बे में हुई। इसमें कमेटी का पुनर्गठन और विस्तार पर चर्चा की गई। कमेटी का पुनर्गठन करते हुए सदर पद के लिए पुनः अत्ताउल्लाह अंसारी को, सचिव अमन राज, कोषाध्यक्ष युसूफ अंसारी, महासचिव शमी अंसारी, कार्यकारी अध्यक्ष बबलू अंसारी, प्रवक्ता मोहसिन खान को बनाया गया। साथ ही कमेटी में छह-छह उप सदर और उपसचिव भी बनाए गए। 10 लोगों की संरक्षक मंडली बनाई गई। इसमें मुख्य संरक्षक हकीम अंसारी, शमीम बाड़ेहार, नुरुल्लाह हबीब नदवी, मुस्लिम अंसारी, इफतेखार खान, शामी खान,जमील अख्तर, अजीज अंसारी,आजम अंसारी, नासिर अंसारी को रखा गया। मौके पर बोलते हुए संरक्षक नुरूल्लाह हबीब नदवी ने कहा कि आज हमारे समाज में जो कुरीतियां व्याप्त हैं उसे दूर करने की सख्त जरूरत है। संरक्षक शमीम बाड़ेहार ने कहा कि हमें सभी समाज के लिए काम करना है और जो भी बुराइयां हैं मिलजुल कर खत्म करना है। खास करके नशाखोरी और अशिक्षा को दूर करने की बात उन्होंने कही। कार्यक्रम को मोहसिन खान, नासिर अंसारी, जमील अख्तर, सलामत अंसारी ने अपने विचार रखा। कार्यक्रम की सदारत अत्ताउल्ला अंसारी ने किया। संचालन शमीम बाड़ेहार ने किया। मौके पर संरक्षक हकीम अंसारी, सचिव अमन राज,मो. शमी, अजीज अंसारी, मुस्लिम अंसारी, अमानत अंसारी, जुल्फान , शमशेर अंसारी, युसूफ अंसारी, मो. एनायतुल्ला, मो गुलजार, नेयाजुल खान, इरशाद इमाम ने संबोधित किया।

शहरी आबादी बढ़ी, नदियां हुईं गंदी, सलगी और नगड़ी पंचायत को बनाएं आदर्श पर्यटन स्थल : सरयू राय

राजधानी में संपन्न हुई युगांतर भारती की वार्षिक आमसभा

PHOTON NEWS RANCHI :

युगांतर भारती के संरक्षक और जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कहा है कि सरकार को दामोदर नद का उद्गम स्थल 'सलगी' और स्वर्णरेखा नदी के उद्गम स्थल 'नगड़ी' का विशेष ध्यान देकर विकास करना चाहिए और सरकार को यह प्रयास करना चाहिए कि दोनों स्थानों का नाम भारतीय पर्यटन के मानचित्र पर दिखे। युगांतर भारती के वार्षिक आम सभा में सरयू राय ने कहा कि नगड़ी को आदर्श प्रशासनिक इकाई के रूप में विकसित करने की नितांत जरूरत है। उन्होंने नगड़ी और सलगी में सांस्कृतिक गतिविधियां बढ़ाने का भी सुझाव दिया। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक ने कहा कि झारखण्ड में अब 32 प्रतिशत आबादी शहरों में रहने लगी है। उनका विरोध शहरों में लोगों के रहने से नहीं अपितु शहरों में बढ़ रही समस्याओं का सरकारी स्तर पर समाधान नहीं होने से है। शहरों के कारण नदियां गंदी हो रही हैं। यह बात वह वर्षों से कहते चले आ रहे हैं और अब उनकी बातें सत्य साबित हो रही हैं। चाहे स्वर्णरेखा नदी हो अथवा खरकई या फिर हरमू, इन सबकी दशा खराब हो गई है। सरयू राय ने युगांतार भारती के अध्यक्ष, अंशुल शरण को सुझाव दिया कि युगांतर न्यूज यू-ट्यूब चैनल पर पर्यावरण पाठशाला नामक साप्ताहिक कार्यक्रम नववर्ष के बाद आरंभ कराएं। राय ने कहा कि युगांतर भारती

विधायक सरयू राय का स्वागत करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

एक अम्ब्रैला संस्था के रूप में काम करे और अपने लक्ष्यों को हासिल करे। उन्होंने इस बात से सहमति जताई कि अब संस्था से नौजवानों को बड़े पैमाने पर जोड़ने की जरूरत है, ताकि नदी संरक्षण के अलावे पर्यावरण के अन्य तथ्यों पर भी सकारात्मक और गंभीरतापूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है। 12 से 14 जनवरी के बीच स्वर्णरेखा महोत्सव का आयोजन होगा। 22 मार्च को जल दिवस, 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस, 22 मई को जैव विविधता दिवस और 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस एवं दामोदर महोत्सव (गंगा दशहरा) का एक साथ आयोजन होगा। उन्होंने इन सभी आयोजनों की सफलता के लिए लोगों से सुझाव भी मगि। सेवानिवृत्त पुलिस उपमहानिरीक्षक संजय रंजन सिंह ने कहा कि हमने नदियों को मार दिया है और अगर इन्हें दोबारा जीवित नहीं किया गया तो इंसानी सभ्यता का लोप हो जाएगा। ख्यातिनाम पर्यावरणविद् प्रो. एमकेज़जमुआर ने कहा कि नए लोगों को जोड़ना समय की मांग है। दस्तावेजीकरण को और बढ़ावा देना होगा। वायु प्रदूषण को लेकर नया आंदोलन छेड़ने की जरूरत है। धन्यवाद ज्ञापन स्वर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी अशोक गोयल ने किया। इस वार्षिक आम सभा में राज्य के विभिन्न जिलों से पर्यावरणविद्, विभिन्न पर्यावरणीय संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से युगांतर भारती के सचिव आशीष शीतल, डॉ. ज्योति प्रकाश, सामाजिक कार्यकर्ता, धर्मेंद्र तिवारी, गणेश रेड्डी, तपेश्वर केशरी, रामानुज शेखर, विदेश सिंह, गोविंद मेवाड़, सुबोध श्रीवास्तव, राकेश माथुर, दिनेश सिंह, अभिषेक सिंह, शत्रुघ्न ओझा, रमाकांत यादव, बिरेन्द्र सिंह, मुकेश पाण्डेय, रितेश झा, प्रवीण सिंह, सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा, समीर सिंह, ओम प्रकाश सिंह, बालकृष्णा सिंह, कमल भगत, उदय सिंह, मनोज सिंह आदि उपस्थित थे।

यीशु मसीह ने दुनिया में प्रेम और दया का किया प्रसार : सीमांत तिर्की

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को क्रिसमस उत्सव के मौके पर रांची के चर्चों में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें समुदाय के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए और यीशु मसीह के जन्म की खुशी मनाई। इस दौरान नॉर्थ वेस्टर्न जीईएल चर्च का वार्षिक क्रिसमस गैदरिंग सिनोड कार्यालय परिसर बाबूलेन में मनाया गया। मुख्य अतिथि जीईएल चर्च के बिशप सीमांत तिर्की उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत रांची हेडक्वार्टर मंडली के चैयरमेन बिशप निस्तार कुजूर ने अतिथियों का स्वागत करके की। बिशप तिर्की ने अपने संदेश में कहा कि यीशु मसीह ने गरीब रूप में जन्म लेकर दुनिया में प्रेम और दया का प्रसार किया। बच्चों द्वारा नाटक मंचन और क्रिसमस गीतों की प्रस्तुति की गई। उन्होंने कहा कि क्रिसमस मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि परमेश्वर हमें निर्देशित करता है कि हम पर्व से पूर्व इस तरह की सभा में शामिल हों।

समाचार सार

विधायक ने किया धान क्रय केंद्र का उद्घाटन

SONUA : सोनुवा के गोलमुंडा लैम्पस में विधायक जगत माझी ने रविवार को धान क्रय केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि अभी राज्य में धान की कटाई खत्म हो रही है और सरकार ने धान की खरीद शुरू कर दी है। किसान सही समय पर अपना धान बेच सकेंगे। राज्य की अबुआ सरकार इसी तरह अपने वादों पर काम करेगी। अंचल अधिकारी अनुज टेटे ने बताया कि सोनुवा प्रखंड में 20 हजार क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ उरांव, लैम्पस की कार्यकारी अध्यक्ष सुजाता गागराई, सचिव खगेश्वर महतो आदि उपस्थित रहे।

ओपन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 19 जनवरी को

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला शतरंज संघ की विशेष आमसभा रविवार को सीताराम रुंगटा रिक्रिएशन हॉल टाउन क्लब में की गई। सभा की अध्यक्षता संघ के उपाध्यक्ष जहांगीर आलम ने की। महासचिव बसंत खंडेलवाल ने बताया कि पांचवीं नवीन कुमार सिन्हा मेमोरियल ऑल इंडिया ओपन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन 19 जनवरी को किया जाएगा। वहीं, आम सभा के पश्चात द्वितीय सीताराम रुंगटा चेस लीग के लिए लिए लॉटरी से टीमों का चयन किया गया। यह प्रतियोगिता 27 दिसंबर को रूंगटा गार्डन में आयोजित की जाएगी। सभी ने ध्वनिमत से डी. गुकेश को विश्व शतरंज प्रतियोगिता जीतने पर बधाई दी कि उन्होंने 18 वर्ष की उम्र में चीन के डिंग लिरेन को हराकर यह खिताब अपने नाम कर इतिहास रचा है।

फाइनल में पहुंचा लारसन क्लब

CHAIBASA : अक्षत पटेल (89) व देवांश शुक्ला (50) की शानदार बल्लेबाजी एवं विनय यादव (39/4) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत लारसन क्लब चाईबासा ने मेघाहातुबुरू क्रिकेट क्लब को एकतरफा मुकाबले में छह विकेट से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए। इस जीत के साथ ही लारसन क्लब चाईबासा अपने ग्रुप लीग के पांच में से चार मैच जीतकर 16 अंकों के साथ अंक तालिका में पहले स्थान पर बनी हुई है और इसका फाइनल खेलना लगभग तय है। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए आज के मैच में टॉस लारसन क्लब के कप्तान ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मेघाहातुबुरू की टीम 33.2 ओवर में 222 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। वहीं, लक्ष्य का पीछा करने उतरी लारसन क्लब की टीम ने 28.4 ओवर में मात्र चार विकेट खोकर 223 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

डालसा ने किया पुलिस पदाधिकारियों को प्रशिक्षित

CHAIBASA : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिमी सिंहभूम ने पुलिस के अनुसंधान पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया। वन प्रशिक्षण विद्यालय के सभागार में रविवार को हुए कार्यक्रम की शुरूआत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम मोहम्मद शाकिर, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, प्राधिकार के सचिव राजीव कुमार सिंह, न्यायिक अधिकारी पूजा पांडेय व पीपी रामकिंकर पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर की।

हाटगम्हरिया में निकली मंत्री की आभार यात्रा

CHAIBASA : चाईबासा विधानसभा अंतर्गत हाटगम्हरिया में रविवार को झामुमो विधायक सह राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग (निबंधन रहित) और परिवहन विभाग के मंत्री दीपक बिरुवा की आभार यात्रा निकाली गई। हाटगम्हरिया पहुंचते ही कार्यकताओं ने मंत्री को फूलमाला से लाद दिया। कार्यकर्ता व समर्थकों ने मंत्री को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर झामुमो कार्यकताओं ने दीपक बिरुवा जिंदाबाद..., झारखंड मुक्ति मोर्चा जिंदाबाद... आदि के खूब नारे लगाए। वहीं मंत्री ने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। जुलूस में जेएमएम व कांग्रेस के कार्यकर्ता भी ताशा व डीजे की धुन पर नाचते हुए आतिशबाजी कर रहे थे।

पंचकोसी लिट्टी मेला का आयोजन 26 जनवरी को

JAMSHEDPUR : बिहार-झारखंड एकता मंच की बैठक रविवार को गोलमुरी में हुई। ऐसी मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने बक्सर में पंचकोसी परिक्रमा कर लिट्टी बना कर खाई थी, जिसके बाद बिहारवासी लाखों की संख्या में पंचकोसी लिट्टी बक्सर में बना कर खाते हैं। इसी संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए जमशेदपुर में 26 जनवरी को भव्य पंचकोसी लिट्टी मेला का आयोजन होगा। इसमें सिर्फ परिवार, समूह या कमेटी हिस्सा ले सकेगी।

भाजपा के सदस्यता अभियान पर हुई बैठक में जमकर हुआ हंगामा

विधानसभा चुनाव में हार की समीक्षा व कार्रवाई की मांग करने लगे कार्यकर्ता

भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पूर्व विधायक बिरंची नारायण

PHOTON NEWS GHATSILA : भाजपा के घाटशिला स्थित जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष चंडीचरण साव की अध्यक्षता में सदस्यता अभियान को लेकर रविवार को बैठक हुई। इस दौरान कुछ कार्यकताओं ने जमकर हंगामा मचाया। इन कार्यकताओं का कहना था कि पहले हार की समीक्षा होनी चाहिए, चुनाव के दौरान पार्टी में रहकर भी किन-किन लोगों ने पार्टी के विरोध में काम किया, जिसके कारण पार्टी को हार मिली। इसको लेकर मंथन होना चाहिए। इसके साथ ही जो भी इसमें दोषी हो, उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। तभी सदस्यता अभियान चलाने पर बात हो। हालांकि बैठक को गुप्त रखा गया था। बैठक में पूर्व से ही हंगामा होने के डर से इसकी जानकारी पत्रकारों को नहीं दी गई थी। जानकारी के अनुसार इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक बिरंची नारायण व प्रदेश से रमाकांत महतो उपस्थित थे।

इस मौके पर बिरंची नारायण ने कहा कि संगठन का सदस्यता अभियान 22 दिसंबर से शुरू होगा। सदस्यता महापर्व का कार्यक्रम मजबूत और संघर्षशील भाजपा बनाने का अवसर है। 25 दिसंबर को झारखंड के निमार्ता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर सदस्यता के लिए विशेष कार्यक्रम होगा। 5-15 जनवरी तक सक्रिय सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। जिलाध्यक्ष चंडी चरण साव ने कहा कि प्रत्येक मंडल में इस सदस्यता अभियान को लेकर बैठक होगी। इस मौके पर पूर्व प्रत्याशी सह कार्यक्रम प्रभारी लखन मार्डी, सह प्रभारी डॉ. सुनीता देवदूत सोरेन, पूर्व प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश साव समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जन-जन तक पहुंचाएं भाजपा की विचारधारा : बाबूलाल मरांडी

भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते बाबूलाल मरांडी ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : भाजपा का सदस्यता अभियान 5 से 14 जनवरी तक चलने वाला है। इसे लेकर रविवार को जिला कमेटी को प्रशिक्षण दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि यह सदस्यता अभियान पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और देश की प्रगति में भाजपा के योगदान को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में बताया गया कि 18 और 19 दिसंबर को मंडल स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संजय पांडे, पूर्व विधायक शशि भूषण सामड, प्रदेश प्रवक्ता जेबी तुबिद, पूर्व सांसद और प्रदेश प्रवक्ता गीता कोड़ा, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, गीता बलमुचू, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक सारंगी, पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश पुरी सहित अन्य ने अभियान को लेकर अपने विचार साझा किए। अभियान के लिए अनिल बिरुली को जिला संयोजक, गीता बलमुचू, अमरेश प्रधान व शंभू हाजरा को सहसंयोजक बनाया गया है। बैठक के दौरान पूर्व विधायक जवाहरलाल बानरा, लालमुनी पूर्ति, राजश्री सवैयां, मालती गिलुआ, पूर्व चेयरमैन नगर परिषद नीला नाग, रानी बाँदिया, अनिता सुम्बुरुई, रूपा दास, रविशंकर विश्वकर्मा, रामानुज शर्मा आदि उपस्थित थे।

मान्यता के लिए को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज से मांगे 4 लाख रुपये

JAMSHEDPUR : को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज में सत्र 2024-26 में दाखिले के लिए छात्रों को अभी कम से कम तीन से चार महीने तक इंतजार करना होगा, क्योंकि अभी तक कॉलेज को बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) से मान्यता ही नहीं मिल सकी है। हालांकि कॉलेज प्रशासन ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया में एफिलिएशन के लिए आवेदन जमा कर दिया है, लेकिन अभी तक अभी तक काउंसिल ने एफिलिएशन की स्वीकृति प्रदान नहीं की है। इसकी मुख्य वजह कॉलेज द्वारा सिक्यूरिटी मनी जमा नहीं करना है। कॉलेज को एफिलिएशन के लिए 4 लाख रुपये बार काउंसिल ऑफ इंडिया में जमा करना है। बीसीआई की ओर से स्पष्ट कर दिया गया है कि राशि जमा होने के बाद ही मान्यता मिलेगी। इसे लेकर कॉलेज प्रशासन ने पत्र लिखकर कोल्हान विश्वविद्यालय से 4 लाख रुपये की मांग की है, लेकिन अभी तक विवि ने कॉलेज को राशि आवंटित नहीं की है। इसकी वजह से मान्यता की पूरी प्रक्रिया रुकी हुई है।

ऑल झारखंड म्यूजिक कंपटीशन में प्रतिभागियों ने किया मंत्रमुग्ध

PHOTON NEWS JSR : झारखंड के प्रतिभाशाली कलाकारों ने साकची स्थित रवींद्र भवन में 30 नवंबर से 8 दिसंबर तक प्रतिभा दिखाई। ऑल झारखंड म्यूजिक कंपटीशन के तहत 9 दिवसीय इस आयोजन में संगीत, नृत्य, वाद्य व गायन में 408 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इसके अलावा कविता पाठ, रवींद्र संगीत, गिटार, कथक, भरतनाट्यम व हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की प्रतियोगिता में 5 वर्ष से अधिक उम्र के कलाकार पूरे राज्य से शामिल हुए थे। साकची स्थित रवींद्र भवन में रविवार को हुए समारोह में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इनमें इस प्रतियोगिता में ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब पाने वाले आयुष मित्रा एवं अनीदीपा मन्ना विशेष आकर्षण के केंद्र रहे। प्रथम स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को विशेष रूप से आज मंच पर प्रदर्शन का अवसर प्राप्त हुआ, जहां उन्होंने अपनी विशेषता से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इस पारितोषिक वितरण कार्यक्रम का संचालन संहिता लाहिरी द्वारा किया गया। मुख्य समारोह में स्वागत भाषण टैगोर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. एचएस पॉल ने दिया। संस्था के महासचिव आशीष चौधरी ने पारितोषिक वितरण कार्यक्रम में बताया कि यह प्रतियोगिता 2011 से हो रही है, जिसमें राज्य के सभी जिलों से कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होता है। संस्था का उद्देश्य कला साधकों को समाज में उचित स्थान दिलाना है, ताकि कला एवं संस्कृति की अविरल धारा प्रवाहित होती रहे।

विजेताओं के साथ टैगोर सोसाइटी के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

सीमेंट कामगार यूनियन की बैठक में भत्ता वृद्धि पर हुई चर्चा

JAMSHEDPUR : सीमेंट कामगार यूनियन की आमसभा रविवार को निगमानंद पाल की अध्यक्षता में न्यूवोको सीमेंट कंपनी परिसर में हुई। इसमें कहा गया कि जोजोबेड़ा स्थित न्यूवोको सीमेंट कंपनी में प्रत्येक 4 वर्ष पर नियमित एवं लगातार चलने वाले कार्यों में लगे ठेका मजदूरों के वेतन के अलावा अतिरिक्त भत्ता की बढ़ोतरी का समझौता सीमेंट कामगार यूनिनयन के प्रतिनिधि एवं प्रबंधन साथ मिलकर करती है। समझौते की अवधि 31 दिसंबर 2024 को समाप्त हो रही है। ऐसे में आगामी समझौता बेहतर हो, इसके लिए मजदूरों के साथ बैठक कर मजदूरों से राय ली गई। बैठक में तय हुआ कि सीमेंट कामगार यूनियन के कमेटी सदस्यों की बैठक 17 दिसंबर को आयोजित होगी, जिसमें मांगपत्र का प्रारूप तैयार होगा।

सुरछंदम में कलाकारों ने छेड़ी शास्त्रीय संगीत की मधुर तान

कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : सुरछंदम स्कूल ऑफ म्यूजिक द्वारा सोनारी में रविवार को आयोजित कार्यक्रम 'स्वर-उत्सव' में युवा कलाकारों को मंच मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. इंद्रनील भादुड़ी और डॉ. अलोकानंदा भादुड़ी थीं। विशिष्ट अतिथि पूरबी घोष व भारत सेवाश्रम संघ के स्वामी मुक्तात्मानंदा महाराज थे। कार्यक्रम की शुरूआत शांता बनर्जी के शिष्यों, आयुष मित्रा व इशिता बनर्जी ने भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किए। इसके बाद 'दुनिया किसी के प्यार में' गजल की प्रस्तुति से रंग भरे। पंकज घोषाल की शिष्या, श्रेया पाल ने राग बिहाग व भजन प्रस्तुत किया। अर्चित भट्टाचार्य व समृद्धि तालपात्रो ने राग केदार और भजन की प्रस्तुति दी। सोमी चौधरी ने भी गजल व भजन सुनाए। अजय रॉय ने गजल प्रस्तुत की। सुरछंदम के नीलांजन मित्रा के शिष्यों ने 'जित चलो उत रखो' और 'भज मन राम' जैसे भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किए।

घाटशिला लैंपस परिसर में धान अधिप्राप्ति केंद्र का हुआ उद्घाटन

लैंपस का उद्घाटन करतीं जिला परिषद की सदस्य देवयानी मुर्मू ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : घाटशिला लैंपस परिसर में रविवार को धान अधिप्राप्ति केंद्र का उद्घाटन जिला परिषद की सदस्य देवयानी मुर्मू और विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने किया। लैंप्स अध्यक्ष शांखो मुर्मू की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि किसान लैंपस में अधिक से अधिक धान बेचें, क्योंकि सरकार किसानों को प्रति क्विंटल धान का मूल्य 2300 एवं 100 रुपये बोनस दिया जाएगा। पिछले वर्ष घाटशिला लैंपस में कुल 349 किसानों से 23000 क्विंटल धान की खरीदारी की गई थी। उन्होंने कहा कि धान खरीद का कोई लक्ष्य नहीं है, सिर्फ जिले का लक्ष्य 6 लाख क्विंटल धान खरीद के लिए रखा गया है। हालांकि धन अधिप्राप्ति केंद्र उद्घाटन के बाद एक भी किसान धान बेचने लैंप्स नहीं पहुंचा। इस मौके पर प्रभारी बीसीओ जितेंद्र कुमार भगत, मायनो टुडू, बसंती हांसदा, शंकर तांतुबाई सहित अन्य उपस्थित थे।

'डेट' के वार्षिकोत्सव पर होगा दो नाटकों का मंचन

JAMSHEDPUR : डेट (ड्रामेटिक एसोसिएशन ऑफ टाटा इम्प्लाइज) के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में 17 दिसंबर को शाम 6 बजे से डॉ. शंकर शेष लिखित नाटक 'एक और द्रोणाचार्य' एवं शाम 7.15 बजे से असगर वजाहत लिखित नाटक 'जिन लाहौर नई देख्यां, वो जन्मेई नहीं' का मंचन होगा। दोनों नाटकों का निर्देशन मशहूर निर्देशक अनुज प्रसाद कर रहे हैं। वहीं, 18 दिसंबर को शाम 6 बजे से अंत्याक्षरी एवं भारतीय परिधानों में फैशन शो का आयोजन है। कार्यक्रम में टाटा स्टील एवं सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन सहयोगी की भूमिका में हैं। कार्यक्रम में प्रवेश पास से ही मिलेगा। इच्छुक व्यक्ति तुलसी भवन कार्यालय से सुबह 10 बजे से संध्या 6 बजे के मध्य पास ले सकते हैं।

आपसी प्रेम और एकजुटता का संदेश देता है क्रिसमस : सांसद

बंदगांव के आरसी चर्च में क्रिसमस मिलन समारोह आयोजित

कार्यक्रम में शामिल सांसद जोबा मांझी ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS BANDGAON : कैथोलिक युवा क्रिसमस मिलन समारोह, आरसी चर्च बंदगांव के तत्वावधान में रविवार को क्रिसमस मिलन समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सिंहभूम की सांसद जोबा मांझी व विशिष्ट अतिथि मनोहरपुर के विधायक जगत माझी शामिल हुए। समारोह में पहुंचे अतिथियों का स्वागत युवक और युवतियों ने पारंपरिक नृत्य से किया। इस मौके पर पल्ली पुरोहित फादर जॉन कंडुलना ने सांसद जोबा मांझी एवं जिप सदस्य जोसफीन हमसाय ने विधायक जगत माझी को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। समारोह में बच्चों ने आकर्षक नृत्य कर अतिथियों का मन मोह लिया। इस मौके पर सांसद ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा क्रिसमस आपसी प्रेम और एकजुटता का संदेश देता है। उन्होंने क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए कहा प्रभु यीशु और माता मरियम हम सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। सांसद ने अभिभावकों से समाज को आगे ले जाने के लिए शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील की। वहीं विधायक जगत माझी ने आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा आपका सहयोग और स्नेह हमेशा याद रहेगा। उन्होंने कहा समाज और क्षेत्र के उत्थान के लिए जब भी जरूरत होगी उन्हें बेझिझक याद कर सकते है।

आयोजन : कोल्हान प्रमंडल स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह में मरणोपरांत पत्रकारों के परिजन सम्मानित

राज्य सरकार पत्रकारों की अधूरी योजना को पूरा करे : दास

PHOTON NEWS JSR : ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने कहा कि राजनीतिक कॅरियर की पहली सीढ़ी के समय के साथ-साथ आज के युवा पत्रकार साथियों से मिलकर और उन्हें सम्मानित कर मुझे काफी खुशी हो रही है। जब मैं (2014-19) झारखंड का मुख्यमंत्री था, तब पत्रकारहित में बहुत सारे कार्य किए। आवास योजना समेत और भी कई कार्य थे, जो नहीं कर पाए। उम्मीद करते हैं राज्य की नई हेमंत सरकार पत्रकार साथियों के उन हितों पर जरूर ध्यान देगी।

राज्यपाल दास रविवार को प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर द्वारा कोल्हान प्रमंडल स्तरीय सम्मान समारोह-2024 में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। रविवार को होटल एनएच हिल में आयोजित समारोह में राज्यपाल ने कहा कि 1995 से पहले जब मैं राजनीति में संघर्ष कर रहा था, उस समय के कई वरिष्ठ साथी आज हमारे बीच नहीं हैं, जिसका मुझे गहरा दुख है।

उन्होंने कहा कि कई प्रेस क्लब को विकसित करने के लिए प्रोत्साहन राशि के साथ-साथ दिवंगत पत्रकारों को सहयोग राशि पांच लाख रुपये देने की शुरूआत की थी। स्वास्थ्य बीमा की सुविधा देने की प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन सरकार बदल जाने के कारण अधूरी रह गई। इनके अलावा समारोह को हिंदुस्तान के संपादक गणेश मेहता व दैनिक जागरण के संपादक यूएन पाठक सहित अन्य वरिष्ठ पत्रकारों ने अपने विचार व्यक्त किए।

समारोह की अध्यक्षता भाषण क्लब के अध्यक्ष संजीव भारद्वाज ने की। मंच संचालन कुलविंदर सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन विकास श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष राकेश सिंह, सुमित झा, सहसचिव अमित तिवारी, उत्तम गुप्ता, कोषाध्यक्ष मनमन पांडेय सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

प्रेस क्लब के कार्यक्रम को संबोधित करते ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास

उल्लेखनीय पत्रकारिता के लिए सम्मानित

राज्यपाल रघुवर दास ने उल्लेखनीय पत्रकारिता के लिए भी पत्रकारों को सम्मानित किया, उनमें प्रिंट मीडिया में हार्ड स्टोरी के लिए प्रथम स्थान हासिल करने वाले रोहित सिंह, द्वितीय स्थान पाने वाले संतोष मिश्रा व तृतीय स्थान पर रहे उत्तम महतो को, प्रिंट मीडिया में फीचर स्टोरी के लिए प्रथम स्थान अर्जित करने वाले परविंदर भाटिया, द्वितीय ऋषभ श्रीवास्तव व तृतीय राजा कर्मकार और प्रिंट मीडिया फोटोग्राफी के लिए प्रथम स्थान पाने वाले सुदर्शन शर्मा, द्वितीय मो. परवेज व तृतीय स्थान पर अनूप मिश्रा, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पहले स्थान पर विजय साहू, दूसरे स्थान पर प्रशांत सिंह राजपूत व तीसरे स्थान पर रहे प्रभंजन कुमार तथा डिजिटल मीडिया पोर्टल में प्रथम स्थान पर रहे आकाश कुमार, दूसरे स्थान पर चरणजीत सिंह और तीसरे स्थान पर रहे मो. शहजादा को सम्मानित किया गया। इनके अलावा 26 वरिष्ठ और 17 दिवंगत पत्रकारों के परिवार के साथ-साथ 19 सहयोगी संस्थान और व्यक्ति को सम्मानित किया गया।

सिविल डिफेंस ने इंस्पेक्टर संतोष कुमार का किया सम्मान

JAMSHEDPUR : टाटानगर रेल सिविल डिफेंस कार्यालय में रविवार को वार्षिक समीक्षा बैठक हुई। इसमें इंस्पेक्टर संतोष कुमार को सम्मानित किया गया। समीक्षा बैठक में महिला सशक्तीकरण के तहत महिलाओं को कार्य स्थल पर गुड टच-बैड टच विषयों के साथ सैनिटरी पैड के प्रयोग के प्रति जागरूक किया गया। इसके साथ ही सड़क दुर्घटना, फायर सर्विस, एलपीजी दुर्घटना, प्राथमिक चिकित्सा विधि, भूकंप की स्थिति में बचाव आदि के लिए प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान कल्याण कुमार साहु, अनिल कुमार सिंह, शंकर प्रसाद, संजय कुमार, शिवशंकर प्रसाद, गीता कुमारी, कंचन कुमारी, तेजिता कुमारी, महादेव दास, गुलशन कुमार, रमेश कुमार, बलिराम, विनोद कुमार, पार्वती मुर्मू, सरस्वती मुर्मू, संजय कुमार महतो आदि उपस्थित रहे।

एचसीएल-आईसीसी किसानों को दे रहा उन्नत कृषि का प्रशिक्षण

महिलाओं को प्रशिक्षण देते विशेषज्ञ ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : एचसीएल-आईसीसी कंपनी द्वारा सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2024-25 वित्तीय वर्ष मे कार्यकारी स्थानीय संस्था विद्या निकेतन के साथ मिलकर मुसाबनी प्रखंड में ग्रामीण किसानों की आय वृद्धि के उद्देश्य से कई कार्य किए जा रहे हैं। पटमदा के मास्टर ट्रेनर गणेश कुमार दास ने बताया कि विभिन्न प्रकार की ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देकर मुफ्त में खाद, बीज, कृषि उपकरण आदि मुहैया कराने के साथ साथ क्षेत्र में मशरूम की खेती से भी किसानों को जोड़ा जा रहा है। रविवार को स्वांसपुर, कुमिरमुड़ी गांव के किसानों को विद्या निकेतन संस्था के कार्यकर्ता महेंद्र बैठा एवं पानमुनी किस्कू के सहयोग से प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही एचसीएल-आईसीसी कंपनी द्वारा सीएसआर योजना के तहत क्षेत्र में कई कार्य किए जा रहे हैं। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए कई तरह के कुटीर उद्योग से जोड़ा गया है। गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए सड़क निर्माण सहित अन्य कार्य किए जा रहे हैं।

BRIEF NEWS

देश की एकता में सरदार वल्लभ भाई पटेल का योगदान ऐतिहासिक : सम्राट चौधरी

PATNA : उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भारत रत्न और लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने 565 देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय कर देश की एकता-अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभायी थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सच्चे अर्थों में सरदार पटेल के सपनों को साकार कर रहे हैं। चौधरी ने कहा कि पिछड़ा विरोधी मानसिकता वाली कांग्रेस ने सरदार पटेल को कभी सम्मान नहीं दिया जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के सरदार सरोवर बांध पर लौह पुरुष की सबसे ऊंची प्रतिमा बनवाकर उन्हें वह सम्मान दिया, जो उनके ऐतिहासिक और महान योगदान के अनुरूप था। उन्होंने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने धारा-370 और 35-ए की असंवैधानिक व्यवस्था कर जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से अलग-थलग रखा। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2019 में धारा-370 को हटाकर सरदार पटेल के अधूरे काम को पूरा किया।

बंगाल पुलिस की गिरफ्त से लॉटरी सरगना मेंहदी हसन को भीड़ ने भगाया

KISHANGUNJ : नगर परिषद क्षेत्र के हलीम चौक के समीप पश्चिम बंगाल के मालदा के इंगलिश बाजार थाना की पुलिस एक मामले के आरोपित की गिरफ्तारी के लिए किशनगंज पहुंची थी। बंगाल पुलिस ने सदर थाना पुलिस की मदद से हलीम चौक के निकट एक आरोपित को पकड़ने के लिए अपना जाल बिछाया था लेकिन पुलिस को वहां भारी विरोध का सामना करना पड़ा और उस आरोपित को पकड़े बिना वापस लौटना पड़ा। हालांकि पुलिस आरोपित की बुलेट को जब्त कर थाना ले आयी। दरअसल बंगाल पुलिस सदर थाना पुलिस के साथ हलीम चौक पहुंची। बंगाल पुलिस को मेंहदी हसन नामक व्यक्ति की तलाश थी। पुलिस ने हलीम चौक के निकट आरोपित की पहचान करते हुए उसे गिरफ्तार भी कर लिया लेकिन देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और पुलिस की कार्रवाई का विरोध करने लगे। कुछ लोगों के उकसावे पर भीड़ ने पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की और आरोपित को छुड़ाकर भगा दिया। नतीजतन पुलिस को बैरंग वापस लौटना पड़ा। इधर बंगाल के इंग्लिश बाजार की पुलिस के द्वारा सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज किए जाने की प्रक्रिया जारी थी। बंगाल पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपित ने बंगाल के साथ-साथ बिहार के कई जिलों में अपना सशक्त नेटवर्क बना लिया है। किशनगंज के आसपास संचालित फर्जी लॉटरी के टिकट की छपाई कर प्रतिदिन छोटी-छोटी खेप बंगाल के साथ-साथ बिहार में भेजता है। वहीं भोले-भाले लोग जल्द अमीर बनने की चक्कर में नकली लॉटरी की टिकट खरीद कर अपने खून पसीने की गाढ़ी कमाई को बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द इनके पूरे नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया जाएगा।

देवघर में था आयोजन, दुर्घटना में चार लोग घायल, अस्पताल में चल रहा इलाज

मुंडन के बाद लौट रहा था परिवार ट्रक से टक्कर में तीन की गई जान

AGENCY KHAGARIYA : बिहार के खगड़िया में सड़क हादसा हुआ है। मुंडन संस्कार के बाद देवघर से लौटने के दौरान एक्सीडेंट हुआ है। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बन्देहरा गांव का रहने वाला पूरा परिवार मंडन संस्कार के बाद टैक्टर पर सवार होकर देवघर से घर लौट रहा था। उसी दौरान महेशखूंट थाना क्षेत्र के बन्नी गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने टैक्टर को पीछे से टक्कर मार दिया। एक्सीडेंट के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि टैक्टर पर सवार होकर सभी लोग देवघर से मुंडन कराकर अपने घर पसराहा के बंदेहरा लौट रहे थे। इसी दौरान खगड़िया के महेशखूंट थाना इलाके के एनएच-31 पर चैधा बन्नी गांव के पास ट्रक ने टैक्टर को पीछे से धक्का मार दिया। जिससे टैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में तीन महिलाओं की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं।

पोस्टमार्टम के बाद उपस्थित ग्रामीण व पुलिस।

सिवान में दो लोगों की पीटकर हत्या

SIWAN : बिहार के सिवान में डबल मर्डर से पुलिस हैरान है। एक घर से दो लोगों का शव बरामद के बाद एफएसल की टीम छानबीन कर रही है। घटना जिले के मखदूम सराय लहरा टोली की है। मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर निवासी कलामुद्दीन मियां का पुत्र सैयद अली और पुरानी किला पोखरा निवासी निजामुद्दीन मियां का पुत्र फकीरा के रूप में हुई है। दोनों मृतक का शव मखदूम सराय लहरा टोली में स्थित अनवर अली के घर से मिला है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर एफएसएल की टीम से जांच करा रही है। घटना का कारण जो बताया जा रहा है, उसपर विश्वास नहीं हो रहा। बुधवार की रात कुछ ऐसा हुआ, जिसकी छानबीन में पुलिस जुटी हुई है।

जमीन विवाद में चाचा ने अपने दो भतीजों को मारी गोली, एक की हालत गंभीर

JAMUI : बिहार के जमुई के सिकंदरा थाना क्षेत्र के टाल सहरसा गांव में रविवार की सुबह जमीन विवाद में सगे चाचा ने अपने ही दो भतीजे को गोली मार दी। जिसमें एक भतीजे की हालत गंभीर बनी हुई है। जिसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। इस घटना के बाद इलाके में हडकंप का माहौल कायम हो गया है। बताया जाता है कि घायलों की पहचान टाल सहरसा निवासी स्वर्गीय राजेश्वर महतो का 23 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार तथा 18 वर्षीय पुत्र सत्यम कुमार के रूप में की गई है। घायल राहुल कुमार ने बताया कि एक कट्ठा जमीन को लेकर उनके चाचा राजेंद्र महतो के साथ विवाद चल रहा था। कुछ दिन पहले ही बैठक हुई थी और आपस में सुलह के साथ स्थानीय लोगों ने बंटवारा कर दिया था। बंटवारा के बावजूद रविवार की सुबह उसके सगे चाचा राजेंद्र महतो उसका पुत्र सहित अन्य पहुंचे और हंगामा करने लगे। जब इसका विरोध राहुल ने किया तो उसके साथ मारपीट करने लगा।

3.5 लाख बच्चों के डबल नामांकन से सरकार को 200 करोड़ की चपत

AGENCY PATNA : बिहार में शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों का आधार अपडेट करना अनिवार्य किया है। शिक्षा विभाग के पोर्टल ई-शिक्षाकोष पर सभी सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों को अपने विद्यालय में नामांकित बच्चों का डिटेल अपडेट करना है। इसमें सभी बच्चों का आधार होना अनिवार्य है। इसी प्रक्रिया में यह बात निकलकर सामने आई है कि बिहार में 3.50 लाख बच्चों का दोहरा नामांकन है। यानी बच्चे सरकारी स्कूल में नामांकित है और प्राइवेट में भी पढ़ाई कर रहे हैं। सरकार की ओर से सरकारी विद्यालयों में बच्चों के लिए कई लाभार्थी योजनाएं चलाई जा रही हैं। छात्रवृत्ति योजना, पोशाक योजना, बैग-किट योजना, साइकिल योजना इत्यादि योजनाएं शामिल है। ऐसे में बच्चों के दोहरे नामांकन के कारण सरकार को सालाना 200 करोड़ रुपये की चपत लग रही है। हालांकि अभी तक 80 लाख से अधिक सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों के छात्रों का आधार कार्ड पोर्टल पर अपडेट हो चुका है। इसमें 3.50 लाख छात्रों के दोहरे नामांकन की जानकारी प्राप्त हुई है। प्रदेश के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा है कि दोहरी नामांकन की जानकारी शिक्षा विभाग के पोर्टल ई-शिक्षाकोष पर आधार अपडेट होने से प्राप्त हुई है। प्रदेश के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को छात्र के आधार कार्ड को पोर्टल पर अपलोड करने के लिए निर्देशित किया गया है। अब तक 80 लाख से अधिक छात्रों के आधार अपडेट हो चुके हैं। दोहरे नामांकन वाले छात्रों को डीबीटी के माध्यम से उपलब्ध कराए जाने वाले सरकारी लाभ से वंचित कर दिया गया है। राज्य में दोहरा नामांकन की जानकारी सबसे अधिक मधुबनी जिले में प्राप्त हुए हैं, जहां इसकी संख्या 19200 है। वहीं सबसे कम शेखपुरा में 2006 है।

मणिपुर में उपद्रवी हिंसा में मरने वाले दो मजदूरों के परिजनों को मिलेंगे दो-दो लाख

AGENCY PATNA : मणिपुर में उपद्रवी हिंसा में बिहार के गोपालगंज जिले के दो मजदूरों की हत्या से मर्माहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दोनों मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 02-02 लाख रुपये देने की घोषणा की है। साथ ही श्रम संसाधन विभाग एवं समाज कल्याण विभाग से संचालित योजनाओं से नियमानुसार अन्य लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को निर्देशि दिया है। मुख्यमंत्री ने मणिपुर में बिहार निवासियों लक्ष्मण कुमार और दशरथ कुमार की हत्या पर गंभीर चिन्ता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में बिहार के स्थानिक आयुक्त को स्थिति की जानकारी लेने तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने एवं मृतकों के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव पहुंचाने के लिये सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में शनिवार को हुई दो अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की जान चली गई। इनमें बिहार के दो मजदूर थे, जिनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना काकचिंग जिले में हुई। दो बिहारी मजदूरों सुनेलाल कुमार (18) और दशरथ कुमार (17) की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों गोपालगंज जिले के रहने वाले थे और काकचिंग के मैतेई बहुल इलाके में रहते थे।

पुलिस ने तीन ओवरलोडेड ट्रक को किया जब्त

KISHANGUNJ : जिलाधिकारी विशाल राज के निर्देश पर बहादुरगंज पुलिस ने तीन ओवरलोड ट्रकों को जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। जब्त तीनों ट्रकों का वजन करवाकर उसकी वजन पर्ची सहित कागजात को खनन विभाग एवं परिवहन विभाग के कार्यालय भेजकर अग्रतर कार्यवाही पुलिस के द्वारा जारी है। डीएम विशाल राज के द्वारा इन ओवरलोड वाहनों के परिचालन पर रोकथाम हेतु बिहार बंगाल सीमा स्थित गलगलिया बॉर्डर पर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल तैनात किया गया है। बावजूद विभागीय अधिकारियों की आंख मे धूल झोंककर सरकार को प्रत्येक दिन लाखों रुपए का राजस्व का चुना लगाकर ओवरलोड वाहनों का परिचालन एनएच-27 और एनएच-327ई पर धड़ल्ले से जारी है। पुलिस की इस कार्यवाही से ओवरलोड वाहन चालकों मे एवं इंट्री माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

भोजपुरी जगत के मशहूर कलाकार विजय खरे का निधन, 72 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

AGENCY MUZAFFARPUR : बिहार के मुजफ्फरपुर में पहली बार किसी फिल्म की शूटिंग करवाने वाले अभिनेता विजय खरे का निधन हो गया। इस घटना ने कलाकारों से लेकर शहर वासियों को सदमे में डाल दिया है । बेंगलुरु में रविवार सुबह 4:00 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही उनके पैतृक निवास स्थान मालीघाट में शोक संतप्त कलाकार पहुंचने लगे। भोजपुरी फिल्म उद्योग में गब्बर सिंह के अपने प्रतिष्ठित चित्रण के लिए उन्हें व्यापक रूप से पहचाना गया। विजय खरे कुछ समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे और उनका इलाज बेंगलुरु के कावेरी अस्पताल में चल रहा था। जानकारी के मुताबिक उन्हें किडनी की समस्या थी जिसका इलाज चल रहा था। रविवार को अचानक उनकी हालत बिगड़ गई और बेंगलुरु में रविवार सुबह 4:00 बजे उनका निधन हो गया। अभिनेता के अनंत यात्रा परचले जाने से उनके प्रशंसक और फिल्म उद्योग सदमे में है। उनके एक पुत्र संतोष खरे दिल्ली में और दूसरे पुत्र आशुतोष खरे मुंबई में रहते हैं। दोनों बंगलोर पहुंच चुके हैं। विजय खरे अपने छोटे बेटे परितोष खरे के साथ बेंगलुरु में रहते थे। मुजफ्फरपुर के मालीघाट के रहने वाले विजय खरे ने मुंबई में अपना जीवन स्थापित कर लिया था, जहां उन्होंने एक अभिनय स्कूल, विजय खरे अकादमी की भी स्थापना की। वहीं वे नई पीढ़ी को एक्टिंग सिखाते में अपना समय बिताते थे। विजय खरे ने रायजादा (1976), गंगा किनारे मोरा गांव (1983) और हमरा से बियाह करबा (2003) जैसी फिल्मों में अपने यादगार अभिनय से प्रसिद्धि पाई। उनके दमदार अभिनय ने उन्हें भोजपुरी में एक स्थायी विरासत दिलाई। फिल्म उद्योग में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए 2019 में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह के दौरान, उन्होंने भोजपुरी सिनेमा के उभरते परिदृश्य पर चर्चा की और भोजपुरी सिनेमा की बढ़ती भागीदारी पर प्रकाश डाला था। मुजफ्फरपुर में विभिन्न परियोजनाओं पर काम करने के बाद, खरे ने संभावित फिल्म शूटिंग के लिए मनिका मैन जैसे स्थानों की भी सिफारिश की।

बिहार का मूड एनडीए की तरफ : उपेंद्र कुशवाहा

BHAGALPUR : बिहार यात्रा के अंतिम चरण में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा भागलपुर पहुंचे। भागलपुर पहुंचने पर रविवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि तेजस्वी यादव को पता है कि वो सत्ता में नहीं आएंगे। इसलिए अर्नगल बयान दे रहे हैं। बीपीएससी के अभ्यर्थी के ऊपर बड़ी सहानुभूति जाता रहे हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि उनके पिता लालू प्रसाद के शासन काल में बीपीएससी बंद हो गया था। बिहार के लोगों को झांसा देकर सत्ता में आने का कोशिश कर रहे हैं। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि अब देश का मूड वन नेशन वन इलेक्शन की तरफ जा रहा है। बिहार का मूड एक बार फिर 2025 में एनडीए की तरफ जा रहा है। मेरा भी मूड एनडीए की सरकार की तरफ ही है। तेजस्वी के बहनी मैय्या योजना पर उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए नीतीश कुमार ने जो किया है उसके सामने तेजस्वी की घोषणा कोई मायने नहीं रखता है।

नौकरी के नाम पर 12 लाख की ठगी भाजपा नेत्री के पति हुए गिरफ्तार

AGENCY PATNA : सीआईडी और राष्ट्रीय मानवाधिकार में नौकरी के नाम पर ठगी व फजीर्वाड़े के मास्टरमाइंड भाजपा नेत्री कनकमणि मिश्रा के पति प्रकाश मोहन मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। औराई पुलिस ने धरहरवा गांव निवासी प्रकाश को शनिवार शाम कोर्ट में पेश किया। औराई थानेदार सह प्रशिक्षु डीएसपी अभिजीत कमलेश ने आरोपित की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। पुलिस मामले की अग्रेत्तर कार्रवाई में जुट गई है। आरोप है कि मंत्रालय से लेकर अधिकारियों में गहरी पैठ का झांसा देकर औराई के अलग-अलग गांव के आधा दर्जन युवकों से 12 लाख रुपये की ठगी की गई है। प्रकाश ने ऑनलाइन एप, बैंक खाता और कैश रुपये लिए। इसके अलावा 50 हजार रुपये में फर्जी आर्म्स लाइसेंस तक बनाकर दे दिया। बीते 17 अगस्त को एफआईआर दर्ज कराते हुए पीड़ित विपिन कुमार ने पुलिस को बताया था कि पांच नवंबर 2022 को मोबाइल पर प्रकाश से बात हुई। उसने खुद को सीआईडी इंस्पेक्टर बताया। 25 हजार रुपये में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में नौकरी लगवाने की बात कही। बोला कि एक माह में नौकरी नहीं मिली तो रुपये वापस कर देंगे। उसने पहले 25 हजार रुपये लिये। बाद में नौकरी में लगने वाले प्रमाणपत्र के नाम पर रुपये लेता रहा। फिर आर्म्स लाइसेंस बनवाने के लिए 50 हजार रुपये लिया और फर्जी लाइसेंस बनाकर दे दिया। फिर बोला कि अगर और कोई नजदीकी हो तो उसे लाओ। उनकी भी नौकरी लगवा देंगे। इसके बाद विपिन ने अपने नजदीकी व रिश्तेदारी के चार बेरोजगारों से प्रकाश का संपर्क करवाया। आरोपी ने सरहचिया के अमरेंद्र अरविंद को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में नौकरी के लिए एक लाख रुपये लिया। फतेहपुर बरौना के देवेंद्र राम को सीआईडी में नौकरी के लिए दो लाख रुपये लिए। हथौड़ी थाना के धनुषी निवासी सरिता कुमारी से आईबी में नौकरी को तीन लाख 40 हजार लिए।

युवक की गला रेतकर हत्या, तालाब में मिली लाश

NAWADA : नवादा जिले के पकरीबरावां थाना इलाके के कोनंदपुर पंचायत के बढ़ौना गांव के तालाब से रविवार को एक युवक की लाश बरामद हुई है। युवक की गला रेत कर हत्या की गई है ।गांव से दक्षिण- पश्चिम स्थित तालाब से लाश बरामद की गई है। मृतक की उम्र 30 वर्ष के आसपास की है। तालाब की ओर गए ग्रामीणों ने तालाब में तैरते हुए लाश देखा, जिसके बाद यह खबर पूरे इलाके में जंगल में आग की तरह फैल गई। जानकारी मिलते ही ग्रामीण तालाब पर जुटने लगे। देखते ही देखते वहां पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों द्वारा दूरभाष पर तालाब में लाश होने की सूचना पकरीबरावां पुलिस को दी गई। सूचना उपरांत पहुंची पुलिस ने लाश को तालाब से निकाला एवं उसकी पहचान में जुट गई।

मंत्रियों के सामने ही जदयू कार्यकर्ताओं के बीच चले लात-घूंसे, चुनाव जीतने का मंत्र देने पहुंचे थे 'नेताजी'

AGENCY CHAMPARAN : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार विधानसभा चुनाव में 225 सीट जीतने के लक्ष्य तय किया है। इसके लिए उन्होंने जदयू का जिला स्तर पर कार्यकर्ता सम्मेलन करने के लिए सात टीम बनायी। इस टीम में कुल 63 नेताओं को शामिल किया गया। 24 नवंबर से जदयू का महाअभियान शुरू है। इसी क्रम में मंत्री अशोक चौधरी के नेतृत्व में पूर्वी चंपारण जिला कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन 15 दिसंबर को किया गया था। इस कार्यक्रम में जदयू कार्यकर्ता आपस में भिड़ गये। पूर्वी चंपारण जिला जनता यू के जिला सम्मेलन में ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री अशोक चौधरी के अलावा विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार, विधान पार्षद संजय सिंह पहुंचे थे। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री अशोक चौधरी भाषण समाप्त करके पोडियम से अपनी सीट की तरफ जाने लगे। उसी समय दर्शक दीर्घा से एक व्यक्ति कुर्सी पर खड़ा होकर शोर मचाने लगा। कार्यक्रम के समाप्ति पर मंच पर ही कार्यकर्ता आपस में उलझ गए। आपस में जमकर हाथापाई भी हुई है। ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री अशोक चौधरी, विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार व विधान पार्षद संजय सिंह के सामने ही कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। इस दौरान भगदड़ मच गयी। बताया जाता है कि मारपीट के दौरान ही सभी वरिष्ठ नेता चले गये। पार्टी में गुटबाजी का परिणाम भी बताया जा रहा है। कार्यक्रम में मारपीट होने के सवाल पर जिलाध्यक्ष मंजू देवी ने कहा- ₹कोई मारपीट नहीं हुई है। मंच पर भीड़ हो गयी थी, इसलिए थोड़ी अफरातफरी मची थी।

खुशखबरी : बिहार पुल निर्माण निगम बनाएगा ब्रिज, दियारा इलाके के लोगों को मिलेगा लाभ

104 करोड़ की लागत से कोसी नदी पर बनेंगे 5 पीपा पुल

AGENCY PATNA : आने वाले समय में गंगा और कोसी नदी पर पांच पीपा पुल बनाया जाएगा, इसकी मंजूरी दे दी गई है। पटना, समस्तीपुर, वैशाली, भोजपुरी, मधेपुरा और खगड़िया जिले को पीपा पुल जोड़ेगा। जिससे गांवों और दियारा इलाके की बड़ी आबादी को इससे राहत मिलेगी। अभी इन इलाके के लोगों को गंगा पार करने के लिए नाव ही सहारा है। गंगा नदी पर समस्तीपुर, वैशाली, भोजपुरी और पटना जिले में चार पीपा पुल इस बार बनाए जा रहे हैं, इसकी मंजूरी दे दी गई है। मधेपुरा और खगड़िया जिले में कोसी नदी पर एक पीपा पुल बनेगा। 6 जिलों में पांच पीपा पुल बन जाएगा। इससे दियारा इलाके की बड़ी आबादी को राहत मिलेगी। गंगा नदी पर नैनीजोर और

बलिया के हल्दी गांव के बीच बनने वाले पीपा पुल से बिहार और उत्तर प्रदेश के दर्जनों गांव और दियारा में रहने वाले लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। कृषि उत्पादों की ढुलाई, व्यापार, स्वास्थ्य, शिक्षा में लोगों को राहत मिलेगी। पीपा पुल से नहीं होने से कई तरह की परेशानी का सामना बिहार और यूपी के लोगों को करना पड़ता है। पीपा पुल की लंबाई 732 मीटर होगी और इस पर 16।57 करोड रुपये खर्च होंगे। गंगा नदी पर महुली और सिताब दियारा के बीच बनने वाले पीपा पुल भोजपुर के नूरपुर और मौजमपुर और यूपी के सिताब दियारा के दर्जनों गांवों को जोड़ेगा। पीपापुल की लंबाई 732 मीटर होगी और 15।20 करोड़ रुपये खर्च होगा। गंगा नदी पर ग्यासपुर बख्तियारपुर से काला दियारा के बीच 659 मीटर की लंबाई में पीपा पुल बनेगा। इस पर 11। 82 करोड़ की राशि खर्च होगी। इससे समस्तीपुर के काला दियारा रूपश महाजी, गयासपुर महाजी, वीरपुर, मरुआही, चिरैया, हरदासपुर तो वहीं वैशाली के 17 बीघा, शिवनगर के अलावा जुड़ावनपुर, अकौना, हजपुरवा के लाखों लोगों को लाभ मिलेगा। गंगा नदी पर हरदासपुर धरनी पट्टी के बीच बनने वाले पुल से बख्तियारपुर से मोहनपुर प्रखंड की दूरी 90 किलोमीटर घटकर 15 किलोमीटर हो जाएगी। महनार प्रखंड और पटना जिले के लगभग 10 प्रखंडों के लोगों को लाभ मिलेगा। 793 मीटर की लंबाई में इस पीपापुल का निर्माण होगा और इस पर 35।72 करोड़ की राशि खर्च होगी। कोसी नदी पर जीरो माइल कपासिया घाट के बीच बनने वाले पुल से 14 पंचायतों खापुर, सोनामुखी, गंगापुर उत्तरी-दक्षिणी, ईटहरी, खुरहान, ईदमाही, चौदली मुरली, कुर्बान के लगभग 90000 लोगों को फायदा मिलेगा, इस पर 25।13 करोड रुपये की राशि खर्च होगी और इसकी लंबाई 500 मीटर होगी। पांचों पीपा पुल के निर्माण पर 104 करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम में पीपा पुल का निर्माण करेगा। उपमुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पीपा पुल क्षेत्रीय विकास की गति देने और जीवन शैली में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

थाना प्रभारी की आकस्मिक मौत के बाद पसरा सन्नाटा

BETHIA : मटियरिया थानाध्यक्ष अंकित कुमार दास की शनिवार रात हुई आकस्मिक मौत से पूरे थाने मे सन्नाटा है। रविवार को मटियरिया थाना पहुंचने पर एएसआई ऐनुल हक ने पत्रकारों को बताया कि थानाध्यक्ष अंकित कुमार दास 2018 बैच के दरोगा थे। उन्होंने 3 फरवरी 2024 को मटियरिया थाना मे थानाध्यक्ष का पद संभाला था। पहली बार उन्हें मटियरिया का थानाध्यक्ष बनाया गया था। इसके पूर्व मे वे नगर थाना मे एसआई के पद पर कार्यरत थे। एएसआई ऐनुल हक ने बताया कि शनिवार को रात्रि करीब 11:10 बजे उनकी पत्नी के चिल्लाने कि आवाज सुनाई दी। सभी अधिकारी व पुलिस के जवान उनके डेरे के तरफ दौड़कर भागे तो देखा कि उनकी तबियत अचानक बिगड़ गयी है तथा वे बिछावन पर अचेता अवस्था मे गंजी व पजामा पहने बिछावन पर पड़े थे।

तस्करी के दो सौ से अधिक मवेशी जब्त, तीन अरेस्ट

AGENCY ARARIYA : बिहार सरकार के पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्रालय के अधीनस्थ संस्था पशु कल्याण बोर्ड की टीम ने फारबिसगंज पुलिस के सहयोग से तीन कंटेनर पर लदे दो सौ से अधिक मवेशी को जब्त किया।मवेशियों को कंटेनर में क्रूरतापूर्वक रस्सी से बांधकर रखा गया था।अधिकांश मवेशी दुधारू भैंस और उसका बच्चा पररु था,जिसके सर और पांव में रस्सी बांधकर निर्दयतापूर्वक ट्रक में लोड किए हुए था।कार्रवाई फारबिसगंज थाना क्षेत्र के एनएच 27 फोरलेन सड़क पर यामाहा मोटरसाइकिल शोरूम के पास की गई।मामले में पुलिस ने तीन तस्करों को हिरासत में लिया है,जबकि एक गाड़ी का चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा।मवेशी लोड कंटेनर शेखपुरा के बरबीघा से सिमराहा पोठिया स्थित मांस फैक्ट्री जा रहा था। यह जानकारी फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने दी।सूचना पर जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ राजीव सिंह,पशु चिकित्सक रामशरण राम मौके पर पहुंचकर मामले को लेकर जानकारी ली। जानकारी के अनुसार,बिहार सरकार के पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्रालय के अधीनस्थ संस्था पशु कल्याण बोर्ड की टीम मवेशी तस्करी को लेकर अररिया एसपी अमित रंजन से मुलाकात की,जिसके बाद एसपी के द्वारा टीम को पुलिस अधिकारी ऋषभ राज को टीम के साथ लगाया गया।

डी. गुकेश : शह-मात का नया शहंशाह

सारा भारत डी. गुकेश के विश्व शतरंज चैंपियन बनने से गौरवान्वित है। गुकेश ने नया इतिहास रच दिया है। वे सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने अपने अद्भुत प्रदर्शन से पूरे भारत का मान बढ़ाया है। उनकी शानदार सफलता में उनकी असाधारण प्रतिभा, समर्पण और रणनीतिक दृष्टिकोण अहम रहे। गुकेश ने बहुत कम उम्र में शतरंज खेलना शुरू कर दिया था, जिससे उन्हें खेल की बारीकियों को समझने और अपनी प्रतिभा को विकसित करने का पर्याप्त समय मिला। उनमें जन्मजात प्रतिभा है और ग्रहण करने की क्षमता बहुत तेज है, जिससे वे जटिल शतरंज रणनीतियों को आसानी से समझ पाते हैं। उन्होंने शतरंज के प्रति पूर्ण समर्पण दिखाया है और लगातार अभ्यास कर-के अपनी क्षमताओं को निखारा है। गुकेश को अनुभवी और कुशल प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन मिला, जिन्होंने उनकी खेल तकनीकों को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण और संसाधनों तक पहुंच मिली, जिससे उन्हें विश्व स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिली। गुकेश के प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीकी उपकरणों का उपयोग शामिल था, जिससे उनकी खेल रणनीति का विश्लेषण करना और सुधार करना आसान हो गया। गुकेश के पास शतरंज में गहरी रणनीतिक सोच है, जो उन्हें खेल के दौरान तत्काल सही निर्णय लेने में मदद करती है। वे दबाव की स्थितियों में भी शांत और संयमित रहते हैं, जिससे वे महत्वपूर्ण मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। उनमें मानसिक रूप से मजबूत होने की क्षमता है, जिससे वे हार से निराश नहीं होते और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित रहते हैं। गुकेश नियमित रूप से शतरंज का अभ्यास करते हैं और अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे अपने पिछले मैचों का विश्लेषण करते हैं और अपनी गलतियों से सीखते हैं, जिससे उनकी खेल रणनीति में लगातार सुधार होता रहता है। वे शतरंज के महान खिलाड़ियों के खेलों का लगातार गंभीरतापूर्वक अध्ययन करते रहते हैं और उनसे नई तकनीकों को सीखते हैं। गुकेश ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिससे उन्हें उच्च स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अनुभव मिला है। उन्होंने अलग-अलग शैली के खिलाड़ियों का सामना किया है, जिससे उनकी खेल में विविधता आई है। गुकेश को अपने परिवार से भरपूर समर्थन और प्रेरणा मिली है, जो उनकी सफलता में महत्वपूर्ण कारक है। उनके परिवार ने उनके संघर्षों के दौरान उनका भावनात्मक रूप से समर्थन किया और उन्हें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इन सभी कारणों के संयोजन ने गुकेश को विश्व शतरंज चैंपियन बनने में मदद की है। उनकी सफलता न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह भारत में शतरंज के विकास और प्रोत्साहन का भी प्रतीक है। इस बीच, कुछ जानकार गुकेश और पूर्व विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद की तुलना भी रहे कर रहे हैं। गुकेश और विश्वनाथन आनंदज्ञदोनों भारतीय शतरंज के महान खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी शैलियों, दृष्टिकोण और खेल में कुछ समानताएं और कुछ मौलिक अंतर भी हैं। दोनों ही खिलाड़ियों में शतरंज की असाधारण प्रतिभा है। वे जटिल स्थितियों को समझने और सटीक चाल चलने में माहिर हैं। दोनों खिलाड़ी अपनी रणनीतिक गहराई के लिए जाने जाते हैं। वे न केवल तात्कालिक लाभ पर ध्यान देते हैं, बल्कि लंबी अवधि की योजनाओं को भी ध्यान में रखते हैं। दोनों खिलाड़ियों में दृढ़ संकल्प है और वे कभी हार नहीं मानते। उन्होंने कई बार मुश्किल परिस्थितियों से वापसी कर जीत हासिल की है। दोनों खिलाड़ी अपनी शालीनता और खेल भावना के लिए जाने जाते हैं। वे हारने पर भी सम्मान बनाए रखते हैं। विश्वनाथन आनंद एक अनुभवी खिलाड़ी हैं जो 90 के दशक से खेल रहे हैं, जबकि गुकेश युवा और उभरते हुए खिलाड़ी हैं। आनंद ने कंप्यूटर युग से पहले शतरंज खेला, जबकि गुकेश का विकास कंप्यूटर के युग में हुआ है। आनंद अपनी तेज और आक्रामक शैली के लिए जाने जाते हैं, जबकि गुकेश एक अधिक रणनीतिक और रक्षात्मक खिलाड़ी हैं। आनंद त्वरित चालों और जटिलताओं में माहिर हैं जबकि गुकेश स्थिति को नियंत्रित करने और धैर्यपूर्वक आगे बढ़ने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। जाहिर है, आनंद के पास खेल का अधिक अनुभव है और उन्होंने कई विश्व चैंपियनशिप जीती है, जबकि गुकेश अभी भी अपने करियर के शुरूआती चरण में हैं। आनंद ने दशकों तक शीर्ष स्तर पर खेला है, जबकि गुकेश अभी भी वैश्विक शतरंज समुदाय में अपनी जगह बना रहे हैं। आनंद अधिक सहज और रचनात्मक खिलाड़ी हैं, जबकि गुकेश अधिक व्यवस्थित और वैज्ञानिक खिलाड़ी हैं। आनंद स्वाभाविक रूप से प्रेरित होकर खेलते हैं, जबकि गुकेश अपनी तैयारी पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। भारत में शतरंज पहले से काफी लोकप्रिय है, लेकिन गुकेश जैसे युवा खिलाड़ियों के उदय से यह और भी लोकप्रिय हो सकता है। गुकेश जैसे युवा खिलाड़ियों की सफलता से युवा पीढ़ी को शतरंज में रुचि लेने की प्रेरणा मिलेगी। युवाओं के लिए आदर्श मॉडल होने से अधिक युवा शतरंज खेलने के लिए आकर्षित होंगे। ऑनलाइन शतरंज प्लेटफॉर्म और कंप्यूटर विश्लेषण उपकरणों की उपलब्धता से खेल अधिक सुलभ हो गया है। इंटरनेट के माध्यम से सीखने और खेलने के विकल्पों ने शतरंज को अधिक सुविधाजनक बना दिया है।

ऊर्जा संरक्षण से पूरी होंगी बिजली की जरूरतें

ANALYSIS

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में साल भर में लगभग 310 दिनों तक तेज धूप खिली रहती है। भारत भाग्यशाली है, जिसके पास सौर ऊर्जा के लिए खिली धूप की उपलब्धता, पर्याप्त मात्रा में भूमि की उपलब्धता, परमाणु ऊर्जा के लिए थोरियम का अथाह भंडार तथा पवन ऊर्जा के लिए लंबा समुद्री किनारा जैसा नैसर्गिक संसाधन उपलब्ध है। जरूरत है तो बस उचित प्रौद्योगिकी का विकास तथा संसाधनों का दोहन करने की। देश की ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में बहुत बड़ा अंतर है। देश में बिजली संकट लगातार गहराता जा रहा है। अगर इस समय बिजली संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया तो यह भारत के विकास के लिए बड़ा अभिशाप सिद्ध हो सकता है, क्योंकि किसी भी देश की तरक्की का रास्ता ऊर्जा से होकर ही जाता है। सरकार को अब वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से विचार करते हुए ऊर्जा बचत के लिए जरूरी उपाय अपनाने पड़ेंगे। इस मायने में सूर्य से प्राप्त सौर ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण विकल्प है। भारत में 31 मार्च 2023 तक स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 416,059 मेगावाट थी। इसमें जीवाश्म ईंधन से 237,269 मेगावाट अथवा 57 प्रतिशत तथा गैर-जीवाश्म ईंधन से 178,790 मेगावाट अथवा 43 प्रतिशत शामिल।

हमारे जीवन में प्रतिदिन विभिन कार्यों के संचालन के लिए ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण साधन है। दुनिया की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के साथ-साथ प्रतिवर्ष ऊर्जा की मांग भी बढ़ रही है। हम प्रतिदिन विभिन रूपों में ऊर्जा का उपयोग करते हैं। अतः भविष्य में ऊर्जा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसका संरक्षण आवश्यक है। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य विभिन्न उपायों के माध्यम से ऊर्जा का संरक्षण करना है। ऊर्जा संरक्षण के अंतर्गत विभिन कार्यों के माध्यम से ऊर्जा का उपयोग इस प्रकार किया जाता है, ताकि वर्तमान की आवश्यता की पूर्ति के साथ भविष्य की जरूरतें भी पूरी हो सकें। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग है। इसका अर्थ है ऊर्जा का अनावश्यक उपयोग न करना एवं कम से कम ऊर्जा का उपयोग करते हुए कार्य करना। भारत ऐसा देश है, जहां पूरे साल सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा का इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में साल भर में लगभग 310 दिनों तक तेज धूप खिली रहती है। भारत भाग्यशाली है, जिसके पास सौर ऊर्जा के लिए खिली धूप की उपलब्धता, पर्याप्त मात्रा में भूमि की उपलब्धता, परमाणु ऊर्जा के लिए थोरियम का अथाह भंडार तथा पवन ऊर्जा के लिए लंबा समुद्री किनारा जैसा नैसर्गिक संसाधन उपलब्ध है। जरूरत है तो बस उचित प्रौद्योगिकी का विकास तथा संसाधनों का दोहन करने की। देश की ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में बहुत बड़ा अंतर है। देश में बिजली संकट लगातार गहराता जा रहा है। अगर इस समय बिजली संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया तो

यह भारत के विकास के लिए बड़ा अभिशाप सिद्ध हो सकता है, क्योंकि किसी भी देश की तरक्की का रास्ता ऊर्जा से होकर ही जाता है। सरकार को अब वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से विचार करते हुए ऊर्जा बचत के लिए जरूरी उपाय अपनाने पड़ेंगे। इस मायने में सूर्य से प्राप्त सौर ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण विकल्प है। भारत में 31 मार्च 2023 तक स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 416,059 मेगावाट थी। इसमें जीवाश्म ईंधन से 237,269 मेगावाट अथवा 57 प्रतिशत तथा गैर-जीवाश्म ईंधन से 178,790 मेगावाट अथवा 43 प्रतिशत शामिल। देश में कोयले से 205,235 मेगावाट अथवा 49.3 प्रतिशत, लिग्नाइट से 6620 मेगावाट, हाइड्रोपावर (पनबिजली) से 46,850 मेगावाट यानी कुल क्षमता का 11.3 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस का योगदान 24,824 मेगावाट यानी क्षमता का महज 6 प्रतिशत और परमाणु ऊर्जा से 6780 मेगावाट, सौर उर्जा से 66,780 मेगावाट यानी 16.1 प्रतिशत, डीजल से 589 मेगावाट यानी 0.1 प्रतिशत, हवा से 42,633 मेगावाट यानी 10.2 प्रतिशत, बायो मास पावर/कोजेन से 10,248 मेगावाट, अपशिष्ट से 554 मेगावाट, लघु हाइड्रो से 4944 मेगावाट, नाभिकीय से 6780 मेगावाट बिजली उत्पन्न होती है। साफ है कि देश के सभी घरों तक 24 घंटे बिजली पहुंचाने के लिए मौजूदा क्षमता कम पड़ेगी। इसके लिए वर्तमान क्षमता से कम से कम 30 फीसद अधिक बिजली की जरूरत होगी। इसके लिए देश में पावर प्लांटों में 100 फीसद बिजली उत्पादन करना होगा। बिजली आज पूरी दुनिया की सबसे अहम जरूरत बन गई है। बिजली के बिना कोई भी देश तरक्की नहीं कर सकता। थोड़े से समय के लिए बिजली चली जाने पर हमारे अधिकतर काम रुक जाते हैं। बिजली हमारे जनजीवन का कब मुख्य हिस्सा बन गई, हमें पता नहीं चला। आज पूरा जनजीवन बिजली से जुड़ा है। बिजली का उत्पादन मशीनों से किया जाता है। ऐसे में हमें हर हाल में बिजली का दुरुपयोग रोकने की जरूरत है। सौर ऊर्जा प्रदूषण रहित, निर्बाध गति से मिलने वाला सबसे सुरक्षित ऊर्जा स्रोत है। भारत में सौर ऊर्जा लगभग बारह महीने उपलब्ध है। सौर ऊर्जा को और अधिक उन्नत करने के लिए हमें अपने संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। ऊर्जा के मामले में अधिक समय तक दूसरों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में हमें अपनी तकनीक और संसाधनों का उपयोग कर आत्मनिर्भरता हासिल करनी ही होगा। यह दुख का विषय है कि बहुत लंबे समय तक हमने सौर ऊर्जा के उत्पादन व उपयोग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। हमारे देश की परिस्थितियां विषम होने के कारण हमें सभी उपलब्ध ऊर्जा विकल्पों पर विचार करना होगा। इसके साथ ही ऊर्जा संरक्षण के व्यावहारिक कदमों को अपनाना होगा, ताकि बड़े पैमाने पर बिजली की बचत हो सके। हमारे देश में ऊर्जा की मांग तीव्रगति से बढ़ रही है। लेकिन, उत्पादन में खपत की तुलना में बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है। देश में चल रही पुरानी बिजली परियोजनाएं कभी पूरा उत्पादन नहीं कर पाई है। नई स्थापित होने वाली परियोजनाओं के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं होती हैं। देश में बिजली के इस संकट को अगर अभी समय रहते दूर नहीं किया गया तो आने वाले समय में गंभीर संकट का सामना करना होगा। दुर्भाग्यवश हमारे देश में खनिज, पेट्रोलियम, गैस, उत्तम गुणवत्ता के कोयला जैसे प्राकृतिक संसाधन बहुत सीमित मात्रा में ही उपलब्ध हैं। ऊर्जा की बचत किए बिना हम विकसित राष्ट्र का सपना नहीं देख सकते हैं। आज जिस तेजी के साथ हम प्राकृतिक और परामपरिक ऊर्जा के स्रोतों का उपयोग कर रहे हैं। उस रफ्तार से 40 साल बाद हो सकता है हमारे पास तेल और पानी के बड़े भंडार खत्म हो जाएं। उस स्थिति में हमें ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्रोतों यानी सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा जैसे साधनों पर निर्भर होना पड़ेगा। लेकिन, ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्रोतों को इस्तेमाल करना थोड़ा मुश्किल है और इस क्षेत्र में कार्य अभी प्रगति पर है। इन स्रोतों को इस्तेमाल में लाने के लिए कई तरह के वैज्ञानिक शोध चल रहे हैं, जिनके परिणाम आने और आम जीवन में इस्तेमाल लाने के लायक बनाने में अभी समय लगेगा। इसे देखते हुए अगर हमने अभी से ऊर्जा के स्रोतों का संरक्षण करना शुरू नहीं किया तो आगे चलकर हालात बहुत बदतर हो सकते हैं। केंद्र सरकार का कहना है कि देश के अब सभी 5 लाख 97 हजार 464 गांवों का विद्युतीकरण हो गया है। सरकार की परिभाषा के मुताबिक वे गांव इलेक्ट्रिफाइड माने जाते हैं, जहां बेसिक इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर हो और गांव के 10 फीसदी मकानों और सार्वजनिक जगहों पर बिजली हो। भारत में बीते एक दशक के दौरान बढ़ती आबादी, आधुनिक सेवाओं तक पहुंच, विद्युतीकरण की दर तेज होने और सकल घरेलू आय में वृद्धि की वजह से ऊर्जा की मांग काफी बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मांग को सौर ऊर्जा के जरिए आसानी से पूरा किया जा सकता है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए अब विदेशी कंपनियों की निगाहें भी भारत पर हैं।

बांग्लादेश के साथ जरूरी है संतुलित साझेदारी

बांग्लादेश के साथ बिगड़ते संबंधों के कारण पूर्वोत्तर में भारत की पहुंच खतरे में पड़ गई है और संकरी चिकन नेक और भी अधिक असुरक्षित हो गई है। अस्थिर म्यांमार सीमा और बिगड़ते भारत-बांग्लादेश संबंध भारत के पूर्वोत्तर में अशांति और उग्रवाद को बढ़ा सकते हैं। शेख हसीना के बाहर जाने सहित राजनीतिक परिवर्तनों ने द्विपक्षीय व्यापार और मुक्त व्यापार समझौता वार्ता के विकास को रोक दिया है। बांग्लादेश में घरेलू राजनीतिक परिवर्तन और वैचारिक बदलाव भारत विरोधी भावनाओं को बढ़ावा दे सकते हैं, जो संभावित रूप से मजबूत सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों को कमजोर कर सकते हैं। बांग्लादेश के राजनीतिक बदलाव चीन को बांग्लादेश में भारत की उपस्थिति और प्रभाव को चुनौती देने का अवसर प्रदान करते हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच समृद्ध इतिहास है, जिसमें सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंध गहरे हैं। दक्षिण एशिया में भारत के सबसे महत्वपूर्ण पड़ोसियों में से एक के रूप में बांग्लादेश भारत की पड़ोस कूटनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बांग्लादेश की रणनीतिक स्थिति भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के साथ व्यापार और संपर्क बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अंतरदेशीय जल पारगमन और व्यापार पर भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और देश के बाकी हिस्सों के बीच संपर्क की सुविधा प्रदान करता है, जिससे व्यापार और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा मिलता है। बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है और भारत एशिया में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। हाल के वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कुल द्विपक्षीय व्यापार 15.9 बिलियन अमरीकी डॉलर बताया गया है, जो दोनों देशों के बीच बढ़ती आर्थिक निर्भरता और व्यापार सहयोग को दशार्ता है। बांग्लादेश आतंकवाद और सीमा प्रबंधन सहित कई सुरक्षा मुद्दों पर भारत के साथ सहयोग करता है। संप्रीति अभ्यास भारत और बांग्लादेश के बीच एक वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास है, जो सुरक्षा सहयोग को बढ़ाता है। भारत और बांग्लादेश के बीच साझा नदियां स्थायी उपयोग के लिए जल संसाधन प्रबंधन में सहयोग को आवश्यक बनाती हैं। 1996 की भारत-बांग्लादेश जल संधि गंगा नदी से जल बंटवारे को नियंत्रित करती है, जिससे दोनों देशों के लिए जल संसाधनों तक समान पहुंच सुनिश्चित होती है। भारत और बांग्लादेश के बीच समृद्ध सांस्कृतिक संबंध हैं, जो उनके राजनयिक संबंधों को मजबूत करते हैं। उदाहरण के लिए- बंगाली संस्कृति, जो दोनों देशों में आम है, कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देती है, आपसी समझ और सद्भावना को बढ़ावा देती है। बांग्लादेश सार्क, बिम्सटेक और बीबीआईएन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अपनी सदस्यता के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बांग्लादेश में राजनीतिक परिवर्तनों के बीच संतुलित साझेदारी बनाए रखने में भारत के सामने आने वाली चुनौतियां राजनीतिक अस्थिरता हैं। बांग्लादेश में 2024 का राजनीतिक संकट, जो विरोध प्रदर्शनों, नेतृत्व परिवर्तनों और अशांति से चिह्नित है, उसने दोनों देशों की भागीदारी में अनिश्चितता पैदा की, विशेष रूप से सीमा सुरक्षा और व्यापार मामलों पर। धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमलों के कारण कूटनीतिक तनाव पैदा हुआ है, जिससे लोगों के बीच आपसी संबंध और दोनों देशों के बीच समग्र सहयोग प्रभावित हुआ है। भारत को द्विपक्षीय मुद्दों को संबोधित करने के लिए उच्च स्तरीय राजनयिक आदान-प्रदान के माध्यम से बांग्लादेश के साथ नियमित रूप से जुड़ना चाहिए। भारतीय विदेश सचिव की अपने बांग्लादेशी समकक्ष के साथ विदेश कार्यालय परामर्श के लिए ढाका की हालिया यात्रा अगस्त 2024 में अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद पहली उच्च स्तरीय बैठक थी। भारत मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत में तेजी लाकर आर्थिक संबंधों को और मजबूत कर सकता है। एक व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता व्यापार बाधाओं को दूर करने और आपसी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। भारत को क्षेत्रीय सुरक्षा, विशेष रूप से आतंकवाद और सीमा प्रबंधन पर बांग्लादेश के साथ सहयोग को गहरा करना चाहिए। उदाहरण के लिए- सुरक्षा समन्वय में सुधार और सीमा पार आतंकवाद से निपटने के लिए अभ्यास संप्रीति जैसी संयुक्त सुरक्षा पहलों का विस्तार किया जा सकता है। भारत को बांग्लादेश के साथ एक निष्पक्ष और न्यायसंगत समझौते पर बातचीत करके तीस्ता नदी जल-बंटवारे के विवाद को हल करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। सांस्कृतिक, शैक्षिक और पर्यटन आदान-प्रदान लोगों के बीच मजबूत संबंध बना सकते हैं, अविश्वास को कम कर सकते हैं और सहयोग बढ़ा सकते हैं। पर्यटन मार्गों और बंगाली त्योहारों जैसे लोगों के बीच आदान-प्रदान का विस्तार करने से आपसी समझ बढ़ेगी और सांस्कृतिक संबंध मजबूत होंगे। बांग्लादेश के साथ भारत के रणनीतिक संबंध क्षेत्रीय स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। राजनीतिक चुनौतियों का समाधान कर, आर्थिक सहयोग बढ़ाकर और सुरक्षा सहयोग को मजबूत कर भारत बांग्लादेश के साथ गहरे संबंधों को बढ़ावा दे सकता है। यह दृष्टिकोण गुजराल सिद्धांत को दशार्ता है, जो गैर-पारस्परिक समायोजन और आपसी सम्मान की वकालत करता है, भारत के पड़ोसियों के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

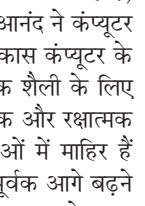

भाजपा के कर्मठ और कर्तव्यनिष्ठ नेता एवं राजस्थान के लोकप्रिय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। जमीनी स्तर पर कार्य करने का उनका लंबा अनुभव राज्य के चहुंमुखी विकास में बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। ईश्वर से उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

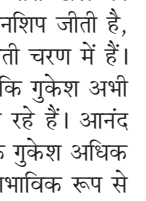

बिहार सरकार में पूर्व मंत्री और मधुपुर से पूर्व विधायक, शिक्षाविद आदरणीय श्री कृष्णानंद झा जी के निधन की दुःखद खबर मिली। सौम्य व्यक्तित्व के धनी थे कृष्णानंद जी। परमात्मा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विषम घड़ी सहन करने की शक्ति और साहस दे।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

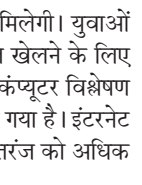

चाईबासा जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित संगठन महापर्व सदस्यता अभियान 2024 की जिलास्तरीय कार्यशाला को संबोधित किया। इस कार्यशाला में पूर्व मुख्यमंत्री श्री मधु कोड़ा जी, पूर्व संसद श्रीमती गीता कोड़ा जी, जिला अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सड़क हादसों में मौत और भारत

सड़क निर्माण से लेकर रख-रखाव में भारी खर्च करने और ढांचागत क्षेत्र में लगातार निवेश बढ़ाने के बावजूद सड़क हादसों में होने वाली मौतों में भारत का अव्वल बने रहना चिंताजनक है। वर्ष 2022 में सड़क हादसों से देश में 1,68, 491 लोगों की मौत हुई थी। वर्ष 2023 में यह संख्या बढ़कर 1,73,000 हो गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, दुनिया भर में सड़क हादसों में सालाना 13 लाख लोग जान गंवाते हैं। कोविड के दौरान सड़क हादसों में मौत के आंकड़े घटे थे, लेकिन फिर आंकड़े बढ़ते गए। वर्ष 2022 में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क हादसों में होने वाली मौत के आंकड़ों पर चिंता जताई थी। अपने यहां सड़क हादसों में प्रति 10,000 किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है। जबकि अमेरिका, चीन और ऑस्ट्रेलिया में यह क्रमशः 57, 119 और 11 है। सड़क सुरक्षा के प्रति लापरवाही, अतिक्रमण और सड़कों पर घूमते आवारा पशु, बसों और दूसरे वाहनों के रख-रखाव में लापरवाही, शराब पीकर गाड़ी चलाना, वाहनों की बेलगाम रफ्तार, हेलमेट और सीट बेल्ट के इस्तेमाल के प्रति कोताही और अनेक मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस का फर्जी होना सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। लोगों

के पास वाहन हैं और आसपास अच्छी सड़कें भी हैं। लेकिन, सही तरीके से गाड़ी चलाने का प्रशिक्षण ज्यादातर लोगों के पास नहीं है। कुल सड़क नेटवर्क में राजमार्गों की हिस्सेदारी महज पांच फीसद है, लेकिन कुल सड़क हादसों में इनकी हिस्सेदारी 60 प्रतिशत है। राज्य और केंद्र स्तर पर हस्तक्षेपों के बावजूद सड़क सुरक्षा मानकों में बहुत कम सुधार हुआ है। नितिन गडकरी के मुताबिक, गलत सड़क इंजीनियरिंग भी हादसों का एक बड़ा कारण है। पिछले एक दशक में सड़क हादसों में देश में लगभग 15 लाख लोग मारे गए हैं, जो बहरीन की आबादी के बराबर है। इन हादसों में जान गंवाने वाले ज्यादातर कामकाजी आबादी का हिस्सा होते हैं। वर्ष 2020 में सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों में 69.8 फीसद 18 से 45 साल के थे। यानी इन हादसों का संबंधित परिवारों के साथ-साथ अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ता है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय 2025 तक सड़क हादसों में कमी लाना चाहता है। द लैंसेट का भी मानना है कि सड़क सुरक्षा के उपायों में सुधार लाकर भारत में सालाना 30,000 लोगों की जान बचाई जा सकती है। लेकिन, यह तभी संभव है, जब सरकारी कोशिशों के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के मामले में नागरिक भी सजग और जिम्मेदार बनें।

आस्था से परे

सिखों के सर्वोच्च लौकिक आसन, अकाल तख्त ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल और उनके सहयोगियों को 2007 से 2017 तक सत्ता में रहने के दौरान की गई कथित गलतियों के लिए सजा दी है। इस सजा की प्रकृति धार्मिक और राजनीतिक, दोनों तरह की है। यह धर्म और राजनीति के बीच की एक जरूरी दीवार के ढह जाने का एक परेशान करने वाला सबब है। बादल 4 दिसंबर को सिखों के पूजा के केंद्रीय स्थान, स्वर्ण मंदिर में प्रायश्चित करते समय हत्या के एक प्रयास से बाल-बाल बच गए। धार्मिक कदाचार के लिए अकाल तख्त द्वारा दी जाने वाली सजा सिखों के बीच एक मान्य कायदा है और इस लिहाज से वह आस्था और रीति-रिवाज के दायरे में आता है। हालांकि बादल के कार्यकलापों, जो अकाल तख्त की जांच का विषय बने, का एकदम से उनकी आस्था से कोई लेना-देना नहीं था और जांच की यह कवायद कमोबेश उपमुख्यमंत्री एवं अन्य रूप में उनकी राजनीतिक भूमिका के साथ दखलंदाजी थी। इस धार्मिक प्राधिकरण ने उन्हें शिअद के अध्यक्ष पद से हटाने पर भी जोर दिया और पार्टी को सदस्यता अभियान शुरू करने तथा छह महीने के भीतर पदाधिकारियों के चुनाव कराने के वास्ते एक समिति गठित करने के निर्देश भी जारी किए। शिअद देश के कानून और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विनियमित एक पंजीकृत राजनीतिक दल है। लेकिन, इसका धार्मिक आदेशों के आगे झुकना राजनीतिक व्यवस्था के लिहाज से बेहद निराशाजनक है। देश का कानूनी ढांचा और संवैधानिक सिद्धांत धर्मनिरपेक्षता पर जोर देते हैं, जो राजनीतिक दलों को विनियमित करने के तौर-तरीकों में परिलक्षित होता है। राजनीतिक फैसलों और राजनीतिक दलों के मामलों में किसी धार्मिक संस्था का सीधा हस्तक्षेप संविधान के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों के पालन के नजरिए से गलत संकेत दे सकता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

How AI skills will drive economic growth in 2025

With artificial intelligence poised to reshape industries worldwide, a paradox is emerging. Despite a growing demand for people with the knowledge to leverage the technology's potential, AI-related skills remain in short supply.The scarcity of AI-related skills — from proficiency in machine learning, prompt engineering and data science to an understanding of AI's ethical implications — is becoming a major obstacle in deploying the technology effectively. In one recent report, 47 per cent of executives say their employees lack the necessary skills. This will affect companies' ability to move AI projects from conception to implementation. A 2023 report from the World Economic Forum finds that "six in 10 workers will require training before 2027, but only half of workers are seen to have access to adequate training opportunities today."This gap in skills bodes ill not only for individual career growth, but also for economic growth more broadly. Capitalising on the opportunities that AI presents will require updated approaches to education and training. In the coming year, educational and vocational institutions will likely place a much greater emphasis on teaching AI ethics skills, offer flexible lifelong learning and infuse AI into their offerings to be more competitive.

AI ethics skills will become a core concern — and for good reason. In the space of just a few years, generative AI has become available to anyone with a computer and an internet connection. For employers and their information technology (IT) departments, this raises the problem of "shadow AI," or unsanctioned use of generative AI by employees. It could expose companies to a wide range of security, compliance, and reputational risks. In addition, the workforce will need AI ethics skills to manage new AI agents: tools that can automate complex tasks that would otherwise require human resources.

Shadow and agentic AI both demand new guardrails to help users protect AI applications based on responsible AI practices. To this end, education providers will begin to emphasise training on the fundamentals of AI explainability, fairness, robustness, transparency and privacy. Without a basic understanding of how AI models generate their output, for example, those responsible for protecting data or controlling autonomous systems will be ill-equipped for the task.

With AI and other new technologies evolving rapidly, lifelong learning will become the new normal. The process can be divided into developing skills that meet immediate needs, anticipate future needs and furnish always-in-demand expertise.Many traditional roles within an organisation will soon change. For example, some employees who currently work independently (who don't manage other people) may join new types of teams in which humans manage AI agents. And to prepare them for this fundamental change, demand for online courses and digital credentials in AI-related fields like natural language processing and machine learning will likely increase.Moreover, the future use of quantum computing will continue to drive the need for new skills. And the steady rise in the number and variety of cyberattacks — such as "harvest now and decrypt later" (HNDL) hacks — underscores the importance of up-to-date cybersecurity skills.That is why our own organisation is working with community colleges across four US states to offer a new cybersecurity certificate that will prepare students for in-demand roles across the workforce. Similarly, our collaborations with Singapore Polytechnic and historically black colleges and universities (HBCUs) in the US provide free training in AI to young learners. And while this process may begin in the classroom, we can also expect to see more opportunities for upskilling as the relevant technologies evolve. For anyone who wants to stay competitive in the job market, lifelong learning has become indispensable.

India learning to play it both ways

THE GREAT GAME: In Afghanistan and Bangladesh, India's hyper-realist foreign policy is the mantra for our times

FOREIGN Secretary Vikrim Misri's measured remarks on his visit to Bangladesh with the Parliamentary Standing Committee on External Affairs in Delhi this week is a welcome return to the realistic middle ground for which India's foreign policy has been well known.Most interestingly, Misri addressed the Sheikh Hasina question with full forthrightness. He was speaking to his MPs, but, no doubt, the message was being read and heard in Dhaka equally carefully. The result was a fine balance, an adroit defence of a friend of whom you have not fully approved in the past nor in the present circumstances, but cannot fully wash your hands of.

Misri said Hasina was using "private communication devices" — sometimes called a phone or an ipad or a computer, via any number of service providers — to make the highly critical comments that she had recently done on the Bangladesh interim government and its chief adviser Muhammed Yunus as well as Dhaka's lack of protection of the minority Hindu community in Bangladesh. Misri never once said whether India approved of what Hasina was saying. He pointed out that India's ties with Dhaka were not dependent on a "single political party" but focused on the "people of Bangladesh."

So, let's read between the not-so-finely-drawn lines. India, Misri was clearly saying, was ready to move on from its old tie with Hasina and try to restore a measure of normalcy with Naya Bangladesh — after all, it's not as if Delhi has not dealt with not-so-friendly governments in its eastern neighbour before. Ask Ronen Sen, the old ambassador with a penchant for history, about the time when Mujibur Rahman, Hasina's father, was assassinated that late night or early morning, depending on your sleep cycle, back in 1975, and why such a brutal event, if not an assassination, was waiting to happen. Ask the other ageing diplomat with a razor-sharp mind, Deb Mukharji, about his interactions with Hasina and Khaleda Zia and why the two women who ran the country between them for decades detested each other with such full-blown certainty, and why the August 4 "uprising" or "debacle", depending on how you saw it, was inevitable.

Let's move on. Misri was telling Dhaka, even as he spoke to the Indian parliamentarians in Delhi. It's been an ugly episode, ugly for us, too. Misri will never say this, nor will any serving Indian diplomat, but the fact remains that when India supported Hasina in her last victory this January as well as the last time she won, in January 2019, it had not-so-delicately held its diplomatic nose.

Involve the opposition parties, Delhi had told Hasina repeatedly, talk to Khaleda Zia and to the rest of the Bangladesh Nationalist Party, ask them to participate in the elections, this is not a one-party state. Delhi's advice to Mujib's daughter was as much for herself, for the people of Bangladesh, whose loyalties were divided down the middle

between the Awami League and the BNP, as for the safety and security of its own north-eastern states, several of which share the more than 4,000-km-long boundary between them.India's new tie with Bangladesh is as interesting as the one it is building with the Afghan Taliban. Only a few weeks ago, senior Indian diplomat JP Singh travelled again to Kabul to meet the Taliban Defence Minister, Mullah Yaqoob — who also happens to be Mullah Omar's son. The meeting set off alarm bells in several parts of the neighbourhood, notably Pakistan.

Some Americans wondered if Delhi was making nice with the bad guys — although it is more than likely that the Deep States in India as well as in the US were fully on board with the move. Remember that the Taliban have not touched one brick of the US embassy in Kabul since the Americans fled two years ago; certainly, all sides are waiting for another round of the great game. Certainly, the Russians are obliging by removing the Islamic Emirate of Afghanistan from their list of banned entities.

You might wonder about Delhi's hyper-realism, and what exactly is going on. You might ask yourself: is it actually true that India wants to be friends with a regime that has banned women from singing, or girls from studying in schools beyond Class VI and kept most other human rights in abeyance? The fact is that India is taking a leaf out of the book the big powers have read and torn up, chapter by chapter, whenever they felt like it.The simple answer is that India may be finally learning to play it both ways. To support the ghoulish Taliban regime because it helps protect India's northern border once removed — it is Pakistan that has a border, not India, of course — and because India hopes that a friendly Taliban could sometime in the future come to its aid in allowing Indian operatives to put pressure on Pakistan on its northern frontier.

As the year comes to an end, the interesting change in the Modi government's foreign policy in its third term is that it has no special friends or enemies. (The one exception, of course, is Pakistan). The decision to end the fracas at the Line of Actual Control and strike a deal with the Chinese was taken with the full force of knowledge that a military standoff at high altitude was being undermined by a burgeoning imbalance in bilateral trade. Perhaps, the Russians helped — who knows.

Defence Minister Rajnath Singh's visit to Moscow this week is as much a part of this hyper-realism as is the decision to cut a deal with the incoming Trump administration, whatever it takes. The last time around when Trump was in power, some arguments — some as small as high tariffs around American chicken's legs, medical equipment and super-expensive Harley Davidson motorcycles — had threatened to overtake the relationship. This time around, Delhi is not about to strike the iron with things so small and silly.The moral of 2024 is also that power is not enough; it is the exercise of that power that is equally important. From Yunus' Bangladesh to the Raj Kapoor dynasts who recently met PM Modi, the message is simple. Only if you stand long enough can you be counted.

Dishonourable

Allahabad HC judge has done a big disservice

ONLY a strong institutional response will serve the cause of justice following the communally charged remarks by a judge of the Allahabad High Court. Demands have been put forth for an inquiry against Justice Shekhar Kumar Yadav, suspension of his judicial work and even impeachment. The Supreme Court has sought details of the controversial speech amid protests that this brazen violation of the code of conduct casts doubts on the judiciary's independence and neutrality. Addressing an event organised by the Vishwa Hindu Parishad on the Uniform Civil Code, Justice Yadav said the country would function as per the wishes of the majority. Replete with communal slurs, his speech also alluded to the media attention it would generate. A line has been crossed, and what's worse, all too knowingly.Impartiality is the cornerstone of the Constitution and the rule of law. An individual who has

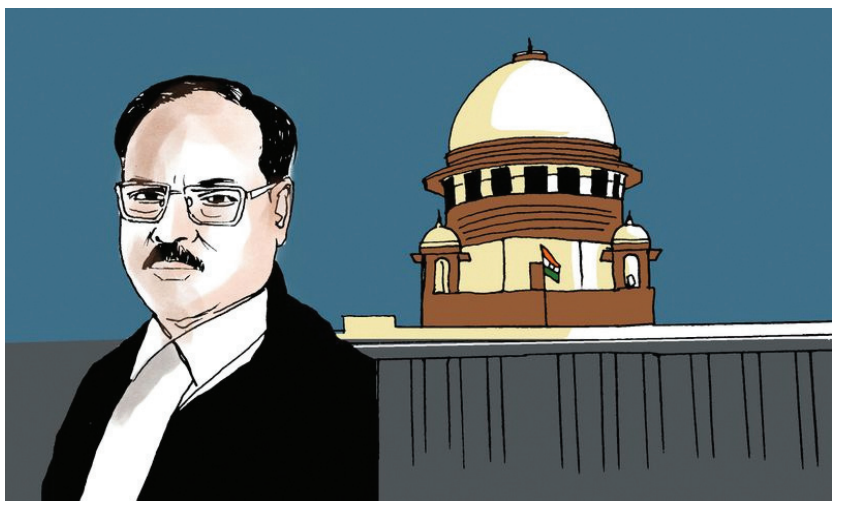

taken oath to uphold these principles making an exhibition of his prejudices does a huge disservice to both his constitutional role and the judicial system. The impact is not confined to communal unrest; it erodes public faith in the judiciary's integrity. A denial or a rebuttable will not suffice. There must be consequences. The top court, the expectation is, will send a firm message on what is not acceptable.

A Supreme Court Bench's observations after its suo motu cognisance of objectionable remarks by a Karnataka High Court judge need reiteration. The perception of justice to every segment of society, it said, was as important as the rendition of justice. It was intrinsic for judges to be aware of their own predispositions, it noted, because it was only on the basis of such awareness that they could remain truly faithful to deliver objective and fair justice. Hear, hear, Justice Yadav.

Why a pandemic treaty is still hanging fire

National capacity for an early detection and comprehensive swift responses to novel diseases are the keys to minimising the impact of future pandemics.

THE havoc caused, the deaths and the social chaos witnessed during the Covid-19 pandemic are gradually fading from public memory. This ought not be. That pandemic was neither the first such health emergency nor will it be the last one that has the potential to engulf the entire world.Any extraordinary event which constitutes a public health risk through the international spread of disease and requires a coordinated international response, implies a situation that is serious, sudden, unusual or unexpected. Since 2007, WHO has officially declared seven such public health emergencies of international concern. These were the influenza pandemic (2009), Ebola (2013-2015, and 2018-2020), poliomyelitis (2014 to present), Zika (2016), Covid-19 pandemic (2020) and mpox (2022 and 2024). Given their frequency and regularity of occurrence, it can be logically surmised that the next pandemic is knocking at our doors. The question is when it will appear with a potential to repeat or exceed the magnitude of previous pandemics.What causes a pandemic? Most pandemics during the current millennium are caused by viruses of animal origin which have originated from wildlife where millions of viruses continue to circulate. Most of these viruses are transported by bats from wildlife into nearby animal and human habitation thus kicking an epidemiological cascade from local outbreak to massive epidemics and a possible pandemic. The degradation of the environment, especially deforestation, enhances the proximity of wildlife to domestic animals and human habitation thus enhancing the risk of emergence and transmission of novel viruses.Recognising that these emergencies cannot be prevented but, with appropriate preparedness, can result in low-risk events for communities, WHO coordinated the development and promulgation of an instrument-based framework. The International Health Regulation of 2005 is a legally binding treaty between 193 member countries, and calls upon countries to share information on public health events in a transparent manner and build their national core capacity for the prevention, detection, and response to health emergencies.What progress has been made to strengthen national core capacities? According to self-assessment in 2022, India scored 85 per cent against the global average of 66 per cent. However, the Global Health Security Index puts India at No 66 amongst 195 countries with a score of 42.8 against a global average of 28.4. According to this Global Health Security Index all countries remain dangerously unprepared for future epidemic and pandemic threats, including threats potentially more devastating than Covid-19, and no country is fully prepared for future pandemic or epidemic threats.There is unquestionable need for an urgent and comprehensive enhancement of India's capacity in alignment with international health regulations. Learning from the Covid-19 pandemic, the need for a comprehensive national public health law has been acutely felt.

A recent NITI Aayog document on future pandemics has recommended the enactment of the Public Health Emergency Management Act to facilitate the response to any public health crisis including a holistic approach to health management, prevention, control and response.At the global level, a pandemic treaty is hanging fire and being negotiated for last two years among 194 WHO member countries, but consensus remains elusive. The idea is to increase collaboration before and during pandemics after acknowledged failures during Covid-19.

Given the importance of multisectoral approach, the establishment of One Health Mission at the highest technical level in India augurs well. Implementation of this ambitious Mission has the potential to bring together all sectors and catalyse convergence for meeting common national objectives. India has started strengthening its infrastructure. Major challenges include strengthening of microbiological laboratories which are critical for early diagnosis and surveillance.

Progress has been made in surveillance through a web-based Integrated Disease Surveillance Programme that detects an average of 40-50 outbreaks every week. This is indicative of the national burden of infectious diseases. A strong and battle-ready epidemiological capacity especially trained workforce through the India epidemic intelligence service and field epidemiology training programme need to be expanded to cater to the urgent need for conducting effective outbreak investigation and taking action locally. We also need to build capacity for national surveillance and detection of novel pathogens from animals and wildlife.The national surveillance programme should facilitate community and hospital data to flow seamlessly into a unified data portal for data access and sharing across all relevant sectors for mounting appropriate interventions. An efficient integrated surveillance at human-animal-wildlife interface is critical for early detection of such unusual events. There is a need to develop a country-specific forecasting and prediction modelling system by harnessing expertise available in non-health institutions of excellence.Vaccines are the most cost-effective public health interventions. It was incredible how Indian scientists, industry and regulators rose to the occasion and developed and manufactured efficacious Covid-19 vaccines in a short period. Administering 2.2 billion doses to more than 1 billion people is indeed commendable. For new vaccines, diagnostics and medicines to combat future health emergencies, a focused National Mission on therapeutics and novel drug development should be established with a 100-day target to develop, produce and make these fit for use in the communities through networking of pharmaceutical industry, research institutes and regulatory authorities

Section of Akasa Air pilots allege mismanagement, favouritism; airline rejects accusations

New Delhi A section of the pilots of the fledgling Akasa Air has approached the civil aviation ministry alleging mismanagement, favouritism, harassment, and compromised safety standards in the airline's pilot training and evaluation processes. Reacting to the development, Akasa Air dismissed the allegations and termed them as "baseless and untrue".

The pilots wrote to Civil Aviation Minister K Rammohan Naidu on December 11, listing their grouses and concerns, and requested an immediate independent investigation into the carrier's management practices, training methods, and safety standards, it is learnt. A copy of the letter was also marked to the aviation safety regulator Directorate General of Civil Aviation (DGCA), which had fined Akasa Air in October for certain lapses in crew training.Akasa Air, while having been operational for just over two years, has had problems related to pilots earlier as well. Last year in September, the carrier even took some pilots to court for breach of contract, alleging that they quit the airline without serving the regulation six-month notice period. Around that time, Akasa Air was forced to cancel a number of its flights due to such resignations.The airline claims high job satisfaction levels and low attrition among its pilots, even as the unhappy pilots claimed in their letter to Naidu that 84 of Akasa Air pilots resigned on a day's notice."We categorically deny these allegations as baseless and untrue. Nor do they represent the views of Akasa pilots. At Akasa Air, our commitment to employee centricity is at the heart of everything we do. Our monthly employee survey reveals that pilots, amongst all employee groups have consistently reported the highest levels of job satisfaction, highlighting the effectiveness of our supportive culture. This dedication is further evidenced by the minimal number of pilots seeking opportunities outside of Akasa Air throughout 2024," an Akasa Air spokesperson said.

"For context, 324 pilots have joined Akasa since October 2023. During this same period, we have recorded an annualised attrition of less than 1 per cent for this employee group," the airline's spokesperson added.

Coal imports up 4% at 162 million tonnes in April-October period

NEW DELHI. The country's coal import rose by 4.2 per cent to 162.45 million tonnes (MT) in the April-October period of the current financial year compared to 155.87 MT in the year-ago period. Coal imports in October dropped by 14.4 per cent to 21.84 MT compared to 25.54 MT in the corresponding month of the previous fiscal, according to data compiled by mjunction services, a

B2B e-commerce platform.

Of the total imports in October, non-coking coal imports stood at 13.49 MT against 18.82 MT imported in October last fiscal. Coking coal imports stood at 4.45 MT, against 4.31 MT imported in October last financial year.

In September, non-coking coal imports were 13.24 MT and coking coal at 3.39 MT.

"There was a modest increase (month-on-month) in non-coking coal volumes in October as buyers took fresh positions during the festive month, and ahead of the winter season. Going forward, demand is likely to be moderate due to the anticipated growth in domestic supply during the fourth quarter (Q4)," mjunction MD & CEO Vinaya Varma said.

Switzerland revokes MFN status to India over SC Nestle order

NEW DELHI. Retaliating against a 2023 Supreme Court ruling related to Nestle, Switzerland has withdrawn the most-favoured-nation clause to India under the double tax avoidance agreement, a move that will hit Indian companies invested in the European nation.

"For dividends due from and including Jan 1, 2025, the residual tax rate in the source State is limited to 10%," the Swiss federal department of finance said in a statement issued Wednesday. Earlier they had to pay 5% tax.

India and Switzerland had originally signed the agreement in 1994 and the protocols were amended in 2000 and 2010. Subsequently, India signed tax treaties with Colombia and Lithuania that provided tax rates on certain types of income that were lower than the rates it provided to OECD member nations. Three years ago, Switzerland interpreted that Colombia and Lithuania joining the OECD meant a 5% rate for dividends would apply under the DTAA to India, too, under the MFN clause.

More nations may follow Switzerland, say experts

Supreme Court last year ruled that the MFN clause doesn't automatically trigger when a country joins the OECD if the Indian govt signed a tax treaty with that country before it joined the organisation.

"On the basis of the Indian SC ruling, the Swiss competent authority acknowledges that its interpretation of para 5 of the protocol to the IN-CH (India-Switzerland) DTA is not shared by the Indian side. In the absence of reciprocity, it therefore waives its unilateral application with effect from 1 January 2025," the Swiss govt said on Wednesday

Nestlé judgment fallout: Switzerland suspends Most-Favoured-Nation clause in tax avoidance pact with India, could impact $100 billion investment plan

The Swiss move poses risk to the $100 billion investment commitment in India over a 15-year period by the four-nation European Free Trade Association signed in March this year.

NEW DELHI In what could potentially impact Swiss investments in India and higher taxes on Indian companies operating in Switzerland starting January 1, 2025, Bern has suspended the Most-Favoured-Nation (MFN) clause in the Double Taxation Avoidance Agreement (DTAA) that India and Switzerland entered originally in 1994 and amended in 2010, a statement released by the Swiss government dated December 11 showed.

This decision follows a ruling by the Indian Supreme Court last year, which determined that the DTAA cannot be enforced unless it is notified under the Income Tax Act. As a result, Swiss companies such as Nestlé face higher taxes on dividends. The Supreme Court ruling effectively overturned a Delhi High Court order that had ensured companies and individuals were not subject to double taxation while working in or for foreign entities.Tax experts said that the move by the Swiss could "impact investments" in India as dividends would be subject to "higher withholding tax". Notably, India and four-nation European Free Trade Association (EFTA), an intergovernmental grouping of Iceland, Liechtenstein, Norway and Switzerland signed a free trade agreement where the EFTA countries committed investment worth $100 billion investment in India over a 15-year.However, the Swiss embassy said that there is no direct impact on the EFTA-India TEPA.In particular this week's decision does not negatively affect investment from Switzerland to India. The question of the interpretation by Switzerland and India of the most-

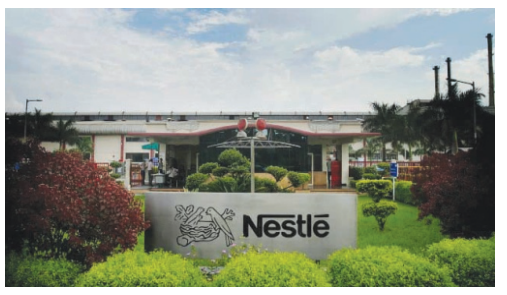

favoured-nation clause concerns the residual tax rate applicable to dividends based on the double taxation agreement paid by a company of one contracting state to a resident of the other contracting state. However, the change in this residual rate has no impact on the validity of the double taxation agreement as such, or on any other treaties under international law concluded between Switzerland (independently or under the EFTA framework) and India," the embassy said in response to a query.The Swiss authorities said that the suspension was enforced due to a lack of "reciprocity" in the DTAA by the Indian government. They added that for dividends due on or after January 1, 2025, the residual tax rate in the source state would be limited to 10 per cent."Based on the Indian Supreme Court ruling, the Swiss competent authority acknowledges that its interpretation of paragraph 5 of the Protocol to the IN-CH DTA is not shared by the Indian side. In the absence of reciprocity, it therefore waives its unilateral application with effect from January 1, 2025. Accordingly, income accruing on or after this date may be taxed in the source state at the rates provided in the DTA IN-CH, regardless of paragraph 5 of the Protocol," the Swiss government statement said.Amit Maheshwari, Tax Partner, AKM Global said that Switzerland has announced this in direct response to the Nestle ruling pronounced by the Indian apex court in 2023 where the court held that MFN application is not automatic and it requires a separate notification from India to grant lower tax rates under the MFN clauseHe said that Switzerland is of the view that it is not receiving the same treatment that India grants .

ED hands over BPSL's assets worth Rs 4k crore to JSW

The resolution plan of JSW had the provision of making a payment of Rs 19,350 crore against the outstanding loans of Rs 47,204 crore.

NEW DELHI: The Directorate of Enforcement (ED) handed over Bhushan Power and Steel Ltd (BPSL's) assets worth Rs 4,025 crore to JSW, which successfully bid for BPSL under the insolvency resolution process. The restitution of the assets to JSW is result of a Supreme Court order on 11th December 2024.The enforcement directorate had attached the properties of Bhushan Power and Steel Ltd after it found the company and its promoters diverted bank funds to private investments in the form of shares and properties. ED investigation also revealed that the books of accounts were fudged to show fake expenses/purchases/capital assets and thereby bank funds were taken out in the form of cash.The diversion of funds resulted in financial distress of the BPSL, which ultimately landed in the corporate insolvency resolution process (CIRP) in 2017. The company was bought by JSW through insolvency process which lasted over two years, and JSW's resolution plan was approved by the NCLT in September 2019. The resolution plan of JSW had the provision of making a payment of Rs 19,350 crore against the outstanding loans of Rs 47,204 crore.Despite the approval of the resolution plan, the enforcement directorate attached properties of BPSL, forcing the lenders as well as JSW to move the Supreme Court against the attachment.

JSW gets back Rs 4k cr assets in Rs 47k cr Bhushan Steel case

NEW DELHI. In another significant action, Enforcement Directorate (ED) on Saturday said it restituted properties worth Rs 4,025 crore to JSW, a successful resolution applicant of the erstwhile Bhushan Power and Steel Ltd, under corporate insolvency resolution process of Insolvency and Bankruptcy Code.

The assets were attached by ED in 2019 after a money laundering probe revealed that the erstwhile promoters of Bhushan Power and Steel Ltd (BPSL) cheated banks and siphoned off funds to the tune of Rs 47,204 crore for private investments. A PMLA case was based on an FIR registered by CBI."The accounts were fudged to show fake expenses/purchases/capital assets, and thereby, bank funds were taken out in the form of cash. The cash was brought into the books of various beneficially owned companies (held through employees/dummy directors), and the same, was utilised for investments in the form of shares and immovable properties," ED said.

The agency said after establishing money trail of the laundered proceeds of crime, it attached properties, including land, building and machinery, worth Rs 4,025 crore. Promoter Sanjay Singal was arrested on Nov 22, 2019, and a chargesheet was filed against him and the company in Jan 2020. A special court had taken cognisance of the case immediately, but trial is still pending for more than four years due to repeated adjournments sought by the accused.Further, ED attached assets worth Rs 427 crore held by various shell companies linked to the accused.

A supplementary chargesheet is likely to be filed by the agency soon to begin the process of restitution of the remaining assets.

The creditor banks had initiated corporate resolution under Insolvency and Bankruptcy Code, and JSW was the applicant seeking assets for an amount of about Rs 19,350 crore, as against the outstanding loans of Rs 47,204 crore.Through an affidavit filed before Supreme Court, ED urged the apex court that it may direct handing over the attached assets to JSW and consider the same as restitution under PMLA. SC accepted the ED affidavit, and on Dec 11, ordered restitution of assets to JSW.

CEO killer is US' new Anti-hero

NEW DELHI. US thought leaders are struggling to deal with the fallout of the killing of Brian Thompson, CEO of the insurer United Healthcare. The suspect, Luigi Mangione 26, who has millions of page views as a hooded assassin, and now as a protesting detainee in an orange jumpsuit, has become a cult hero on social media. Some see him as a Robin Hood out to teach the mean insurance companies a lesson; and legions of girls are swooning over his smiles and six-packs.Even as the police collect evidence in what seems to be a watertight case of premediated murder, donations have poured in from online supporters. So far, $50,000 has been collected through the GiveSendGo fundraiser.

A post on Redditt said: "It's not going to get better any time soon. As long as corporations are considered people, and money is considered free speech, we are stuck in this dystopian hell we call healthcare."Josh Shapiro, Governor of Pennsylvania, where Mangione was arrested, said the support for the killer was "deeply disturbing". Police officers working on the case have described him as a 'stone-cold killer'.

A crime is a crime; but from the emerging public evidence, it seems Luigi Mangione was sending a message. The bullet casings left behind on the Manhattan sidewalk where the United Health CEO was shot had 'Deny', 'Defend' and ' Depose' inscribed on them.

Investigators say it is a reference to the 2010 book 'Delay, Deny, Defend: Why insurance companies don't pay claims and what you can do about it'. Documents found on Mangione indicate he wanted to get even with the 'corporate greed'.

The message seems to be gaining traction. Reuters has reported "Wanted" posters with the faces of CEOs have appeared on walls in New York. Websites are selling Mangione merchandise, including hats with "CEO Hunter" printed across a bullseye.One week after the murder, Jay Feinman's 14-year-old book 'Delay, Deny, Defend' had shot to the top of Amazon's insurance law category. US companies meanwhile are scrambling to ramp up security for their top brass; and healthcare insurers have gone in to a huddle on how to clean up.

Insurers play dirty

Healthcare in the US, possibly the most expensive in the world, is intertwined with a web of complex insurance schemes promoted by the private sector. There's certainly no welfarism here; it is a for-profit insurance industry. The unabashed push to keep profits booming leads to the three-stage system – to first delay claims, then to deny them, and then finally defend the denial. No wonder there is so much resentment and hatred towards the insurance industry.In a first response on Friday, UnitedHealth Group CEO Andrew Witty admitted the US health is "not perfect". In a guest article in the New York Times, Witty said: No one

Can't let big biz into banking yet,' says banker Kundapur Vaman Kamath

MUMBAI. Kundapur Vaman Kamath, the veteran banker who led the rapid growth of ICICI Bank and helmed it for nearly two decades from its inception and make the largest private sector lender within few years, has spoken against allowing corporate houses into banking space, saying the regulator has to be satisfied that they will not misuse public deposits through the backdoor.Kamath, who also headed New Development Bank, the developmental bank floated by the BRICS groups as its first chairman, said the Reserve Bank needs to take extra care when it comes to digital lenders, saying there are more than enough signs of rash behaviour by them."The primary regulatory purpose of banking is to ensure the safety of depositors' money. So, a little more time is still needed for corporates to be allowed into the banking sector. Because before letting corporates into the banking space, the RBI has to ensure that they will not use the deposits they collect from the public for their (corporates') own funding needs. The regulator must first feel comfort in their presence and behaviours," Kamath, the chairman of Jio Financial Services, the yet-to-be-operational financial services arm of Reliance Industries, said while talking at the Lalit Doshi memorial lecture here over the weekend.On a question on fintech turning themselves as banks, he warned that there are signs of rash behaviour by some of them."I am seeing some signs of rash behaviour by some digital lenders. I'm being very frank about it...on the part of digitally-driven enterprises, I think, the RBI will have to manage with great care," he said.

He also spoke against the calls for privatisation of more state-run banks.

"If the state-run banks have return 15-20% on their equity (RoE) why should they be noted allowed to thrive? Where is the room for privatisation with such good return? But of course he said they need to be given more operational freedom.

Kamath said most public sector banks are self-sufficient now when it comes to capital and can match their private peers on technological capabilities.Early in the year, finance minister Nirmala Sitharaman had said privatisation of public sector undertakings was very much on the table and the government was committed to do it but the timing will be decided later by the Cabinet.

But he batted for more banks and more so

more large banks which could happen either through amalgamation or rapid growth, which is a must if the economy has to double from what it is today.

"The first step to reach the target of an $8 trillion economy (over the next decade or so) would be to have a lot of large banks. Our banks need to bulk up and the size of banks that we have today will have to expand dramatically. The good news is that our banks are having an RoE upwards of 15 percent and this is good enough to grow at a healthy rate and meet the size of bulking up," he said.It can be noted that while for the public sector banks the RoE chart over their private sector peers, with SBI leading it with 20.8%. But private sector banks lead in return on assets (RoAs) with 1.70-2.40%, which for public sector ones is only 0.70-1.13%. Return on equity (RoE) of private players is much lower at than their public counterparts.The RoE of state-owned banks was in the range of 13.50-21% in Q1FY25 compared to 13.50-17.70% range for private banks.

Among state-owned banks, Indian Bank had the highest RoA of 1.20% in the first quarter, followed by State Bank of India at 1.10%. Bank of Baroda, Union Bank of India and Canara Bank reported RoAs of over 1 percent.

Like RoA, RoE is also a measure of a bank's ability to churn profits. While RoA weighs profits against the assets of a bank, RoE indicates how a bank or company has utilised shareholders' funds to generate profits.State Bank of India reported the highest RoE of 20.98% in Q1FY25, followed by 20.88% by Canara Bank, 19.76% by Indian Bank, and 17.45% by Bank of Baroda. In the private bank space, ICICI Bank reported an RoE of 17.70% in the April-June quarter, and Axis Bank, 16.68%.

Techie Atul Subhash's estranged wife, in-laws arrested in suicide abetment case

▸Techie Atul Subhash's wife, Nikita Singhania, was arrested in Gurugram, while her mother and brother were detained in Prayagraj. The arrests come after the Bengaluru City Police filed a case of abetment to suicide against them.

New Delhi. Bengaluru Police on Sunday arrested the estranged wife of techie Atul Subhash, along with her mother and brother, in connection with his suicide. Subhash, a 34-year-old software engineer, died by suicide on Monday, leaving behind a 24-page note and video accusing his wife and her family of harassment.Subhash's wife, Nikita Singhania, was arrested in Gurugram, while her mother, Nisha Singhania, and brother, Anurag Singhania, were detained in Uttar Pradesh's Prayagraj.

The arrests come after the Bengaluru City Police filed a case of abetment to suicide against Nikita and her family members.

The accused had earlier sought anticipatory bail from the Allahabad High Court. The applications were filed by Nikita, her mother, brother, and uncle, Sushil Singhania, following police summons issued on Friday, which required Nikita to appear before them within three days.Nisha Singhania and her son Anurag had fled their home in UP's Jaunpur on Thursday amid the investigation into Subhash's suicide, PTI had reported, citing police officials.In his suicide note, Atul Subhash, who was from Bihar but worked for a private firm in Bengaluru, detailed what he alleged was years of emotional distress because of marital disputes and multiple cases filed by his wife and her family.Subhash claimed that his wife had filed false cases against him and demanded Rs 2 lakh per month in maintenance for herself and their four-year-old son. He said his wife, mother-in-law and his brother-in-law kept pressuring him to give them money and lavish gifts since early 2020.

He also levelled serious allegations against a family court judge in Uttar Pradesh, and said he was under severe stress due to frequent travel to Uttar Pradesh for court trials.Amid nationwide outrage over the incident, details have emerged of Nikita's 2022 police complaint alleging harassment and assault for dowry by her husband. In the complaint, Nikita alleged that after her marriage, Subhash and her in-laws demanded Rs 10 lakh more as dowry.She also alleged that Subhash used to beat her up and started treating the husband-wife relationship "like a beast", PTI reported.Nikita and Subhash got married in 2019. While Subhash was based in Bengaluru, Nikita lived with their son in Delhi, where she worked for a multinational IT firm.

"Felt Like Double Period Of Maths": Priyanka Gandhi On PM Modi's Lok Sabha Speech

New Delhi. The Congress on Saturday termed Prime Minister Narendra Modi's 11 resolutions he articulated in his speech in the Lok Sabha as "hollow" and called him a "distorian" par excellence who "puts WhatsApp University to shame."The opposition party also questioned why Prime Minister Modi, Union Home Minister Amit Shah and Defence Minister Rajnath Singh were not present in the House when Leader of Opposition Rahul Gandhi spoke while participating in a two-day debate on the "Glorious Journey of 75 Years of the Constitution of India."PM Modi on Saturday said the Congress, having "tasted blood," repeatedly wounded the Constitution while his government's policies and decisions since it took office in 2014 have been aimed at boosting India's strength and unity in line with the Constitution.

Asked about the PM's remarks, Congress leader Priyanka Gandhi Vadra likened his over 110-minutes speech in the Lok Sabha to a "double period of mathematics" from school that "bored us." She also slammed his 11 resolutions as "hollow"."PM has not spoken one thing which is new, he has bored us. It took me decades back, I felt like I'm sitting in that double period of Mathematics," she said."(JP) Nadda ji was also rubbing hands but as soon as Modi ji looked at him, he started acting as if he is listening attentively. Amit Shah also had his hand on head, (Piyush) Goyal ji was going off to sleep. It was a new experience for me. I had thought that the PM will say something new, something nice," she said.Congress general secretary in-charge communications Jairam Ramesh said, "Mr. Narendra Modi has an MA in Entire Political Science -- whatever that means. Today in the Lok Sabha he showed that he is also a Distorian par excellence."

Some people lie in their self-interest, but our self-styled non-biological PM does so because it is in his very nature. He puts WhatsApp University to shame," Mr Ramesh said.Congress general secretary in-charge organisation K C Venugopal on X termed PM Modi's speech a hackneyed rant against his party."On a debate about India's Constitution, the PM once again decided to bring out his tired old speech about the Congress instead. While the people were expecting an answer from him on the injustice and inequality facing Indian society, he chose to bring up stale narratives against the Congress, which have lost all resonance among the public," he said."An insincere PM whose political gurus rejected the Constitution since day one will never be accepted by the people as being loyal to the Constitution. No matter how many speeches he gives, his hypocrisy will be exposed," Mr Venugopal said.He also told reporters there was nothing new in what the PM said in the Parliament on Saturday. "It was only blame game against the Congress.""Whenever we talk of the Constitution they did not respect Parliament. When LoP spoke, the prime minister, home minister and defence minister were absent, either they are scared of Rahul Gandhi or they don't believe in opposition politics," he said.

Lok Sabha to delay One Nation, One Election bills; focus on financial business

NEW DELHI. The government has decided to delay the introduction of bills related to 'One Nation, One Election' in the Lok Sabha, according to the revised list of business issued on Sunday.The two bills -- Constitution (129th Amendment) Bill and the Union Territories Laws (Amendment) Bill were earlier scheduled for introduction on Monday (December 16), as per the initial list of business released on Friday. However, the bills have now been removed from the agenda for the day.The reason behind the government's decision to delay the introduction of these bills remains unclear.

Government sources indicate that the bills may be introduced later this week, following the completion of financial business, including the passage of the first batch of supplementary demands for grants, which are listed for discussion on Monday.Despite their removal from Monday's schedule, the government retains the option of bringing in legislative proposals through 'Supplementary List of Business' with the Speaker's permission.The two bills, aimed at facilitating simultaneous elections to the Lok Sabha and state assemblies, were circulated among Members of Parliament last week in accordance with parliamentary procedures.The Winter Session of Parliament, which began on December 4, is set to conclude on December 20.

Delhi Sees Highest 'Good' And 'Moderate' Air Quality Days Since 2018

New Delhi. Delhi recorded the highest number of 'good' to 'moderate' air quality days in 2024 since the past six years, data shared by monitoring agencies said.According to the data, a total of 207 days saw 'good' to 'moderate' air quality, with the Air Quality Index (AQI) remaining below 200. The month of December recorded six 'moderate' air quality days so far - surpassing the previous records since 2018. The data showed that so far, December witnessed a total of eight 'poor' to 'severe' air quality days.An AQI between 0 and 50 is considered good, 51 and 100 satisfactory, 101 and 200 moderate, 201 and 300 poor, 301 and 400 very poor, 401 and 450 severe, and above 450 severe-plus.

On December 5, the Supreme Court allowed the Commission for Air Quality Management (CAQM) to relax GRAP stage IV restrictions as the air quality improved. Since then, the AQI in the national capital has been reeling between 'poor' to 'moderate'.

According to the Central Pollution Control Board (CPCB) data, Delhi's air quality was recorded in the 'poor' category today, with the AQI at 246 in the morning. On Saturday, it was measured at 212.

Decks cleared for rail link to connect Jammu & Kashmir

NEW DELHI. Soon, the interior Kashmir is all set to be connected to the rest of India through a rail line, with the first track work of the Centre's ambitious Udhamapur-Srinagar-Baramulla Rail Link project being completed.The construction of one of the tunnels that are part of the project, T-33, located at the foothills of Mata Vaishno Devi shrine, have also been completed. The 3,209-metre T-33 is designed in a modified horseshoe format."The track work for the 3.2-km T-33, located at the foothills of Vaishno Devi and connecting Katra to Reasi, was successfully completed on Friday," said Railway Minister Ashwini Vaishnaw.Safety remained a top priority during the excavation and construction of the tunnel between Katra and Reasi, as the process posed significant challenges, officials said.Since parts of the tunnel are located within the challenging 'main boundary thrust' zone of the Himalayas, it has been reinforced with

a minimum 600mm M35 grade concrete lining, Railway ministry's executive director Dileep Kumar said. The main boundary thrust zone is a series of seismic faultlines that separate the outer Himalayas from the lower ranges.The completion of T-33, a key part of the Udhampur-Srinagar-Baramulla Rail Link project, will facilitate the construction of a broad-gauge line through the challenging Himalayan terrain. When completed, the project promises an all-weather, comfortable, cost-effective and efficient mass transportation system, Kumar said.The Commissioner of Railway Safety is expected to conduct an inspection of the T-33 on December 16-17. After this, the technical safety formalities will be completed and a report will be submitted to the Railway ministry.Further work, including electrification, signalling, and other safety-related tasks, will be undertaken after completion of the track inside the tunnel.Sources suggest that Prime Minister Narendra Modi is likely to inaugurate the final 17-km stretch between Katra and Reasi, which includes Tunnel T-33, potentially allowing the first direct train operation from Kashmir.

'Nehru Model Failed, We're Trying To Correct It Since 2014': S Jaishankar

New Delhi. A 'Nehru development model', inevitably produced a 'Nehru foreign policy' and "we seek to correct that abroad", just as efforts being made to "reform" the consequences of the model at home, External Affairs Minister (EAM) S Jaishankar said on Saturday.

In a virtual address at the launch of the book 'The Nehru Development Model' by former NITI Aayog vice chairman Arvind Panagariya, he also said the author suggests that former prime minister Jawaharlal Nehru's choices set India on a "deterministic path"."The model and its accompanying narrative permeated our politics, the bureaucracy, of course, the planning system, the judiciary, the public space, including the media, and most of all teaching," the Union minister said.

Mr Jaishankar said both Russia and China today "unambiguously reject" the economic assumptions of that period, which they did more than anyone else to propagate. Yet, these very beliefs "appear to live on" in influential sections of our country even today."Certainly after 2014, there has been a vigorous effort towards course correction, but the author does assert with good reasons that it still remains an uphill task," he added.In his address, the minister further said "A Nehru development model inevitably produced a Nehru foreign policy. We seek to correct that abroad, just as we try to reform the consequences of the model at home." In fact, the "resistance" to one is based on an "attachment" to the other, Jaishankar argued and said the two need to tackled as an "integral whole".He began his address by quoting a famous line by an American policymaker on India's independence."In 1947, John Foster Dulles famously declared, I quote, 'In India, Soviet Communism exercises

a strong influence through the interim Hindu government'. He of course, could not have been more wrong about ascribing that adjective to the then government. But, more relevant, this was an assertion that for decades was treated as a geopolitical over-reaction of American policy makers to an independent India," he said.The EAM said that over these years, he has often asked himself whether Dulles was altogether wrong on this matter. "And, in Prof Panagariya's book, I found a substantial answer to that concern." "We all know that there was a strong ideological drive to advance a particular economic model for an India that has just gained freedom. The belief that was propagated was modulated from time to time, but never fundamentally changed," Mr Jaishankar argued.It's root cause was an analysis that the only counter to imperialism lay in socialism, he said.Not just in general terms, but one particular paradigm that was centred around heavy industries. For that reason, the author actually characterised it as a 'Nehru Development Model', the minister said in his address.The paradox, however, is that for more than three decades now, there's actually been a "national consensus that this development model eventually failed the country", he said.

Why iconic 1971 surrender painting was replaced in Army chief's lounge

New Delhi.A painting in the Army Chief's lounge depicting the surrender during the 1971 Bangladesh War has been replaced with a new artwork titled Karam Kshetra (Field of Deeds). The new painting showcases Pangong Lake along the India-China border and the Army's offensive capabilities.In addition to the Pangong Lake, the artwork features modern military assets such as boats, all-terrain vehicles, tanks, and Apache helicopters. It also incorporates mythological figures like Chanakya and Lord Krishna guiding Arjuna's chariot in the Mahabharata. Many argue that this strategic symbolism reflects a significant shift in the Army's focus and delivers a clear message to China.

FROM PAKISTAN TO CHINA: A STRATEGIC SHIFT

For decades, the lounge displayed a historic painting of the 1971 Indo-Pak war, capturing the moment when Pakistan's General AAK Niazi signed the surrender document, leading 90,000 Pakistani soldiers to lay down their arms. This iconic image symbolised India's victory and its military supremacy over Pakistan.

The new painting, however, tells a different story. It highlights the Indian Army's modern warfare capabilities and its evolving focus on countering China's growing influence. Defence experts, including Major General Ashok Kumar, suggest this change underscores the Army's transition from conventional warfare with Pakistan to addressing the complex challenges posed by China.

ANCIENT PHILOSOPHY MEETS MODERN WARFARE

The artwork blends India's advanced military prowess with its ancient philosophical heritage. It showcases cutting-edge weaponry like tanks, boats, helicopters, and all-terrain vehicles alongside depictions of Chanakya, the master strategist of the Mauryan Empire, and Lord Krishna, symbolising leadership and dharma from the Mahabharata.Defence insiders believe the painting aligns the Army's mission with Indian philosophical traditions, emphasising its commitment to justice and duty. Drawing inspiration from the teachings of the Mahabharata, the artwork portrays the Army as both a protector of the nation and an upholder of justice.Chanakya's wisdom, rooted in strategy and diplomacy, serves as a guiding principle for leadership and military preparedness. Experts argue that these ancient principles inspired India's strategies which successfully brought Chinese forces to the negotiating table after the 2020 standoff.

SYMBOL OF INTEGRATION AND FUTURE READINESS

The painting highlights the synergy between the Army, Navy, and Air Force, reflecting their integrated approach to modern warfare. The inclusion of Apache helicopters, advanced tanks, and indigenous weaponry underscores India's commitment to self-reliance and technological evolution. It portrays a future-ready force capable of swift, decisive action across land, sea, and air.

A SUBTLE MESSAGE TO CHINA

The artwork conveys a nuanced message: while China may rely on Sun Tzu's Art of War, India has its own rich military philosophy, exemplified by Chanakya's strategies and the teachings of the Gita, now bolstered by advanced technology.

NEWS BOX

4 Arrested For Damaging Hindu Temple, Houses In Bangladesh

Dhaka. Law enforcement agencies on Saturday arrested four people for vandalising and damaging a Hindu temple and houses and shops of the community in Sunamganj district in north Bangladesh. Police also filed a case against 12 named persons and 150-170 unidentified people.

Alim Hossain, 19, Sultan Ahmed Raju, 20, Imran Hossain, 31, and Shajahan Hossain, 20, were arrested for vandalism in the Doarabazar area of Sunamganj district earlier this month, a press release from the Chief Adviser's press wing here.

"On December 3, a Facebook post by Akash Das, a resident of the Sunamganj district, sparked tensions in the district. Even though he deleted the post, screenshots spread widely, leading to violence in the area," state-run news agency Bangladesh Sangbad Sangstha (BSS) said quoting the press release.

The Dhaka Tribune newspaper said although the post was deleted, its screenshots were circulated, sparking tension among locals. Police detained Das on the same day, but a group of people attempted to snatch him from police custody."For safety reasons, Das was transferred to the Sadar Police Station instead of being kept in Doarabazar," it said.

The newspaper further added that later, on the same day, enraged locals attacked and vandalised the Loknath Temple and also homes and shops belonging to the Hindu community.The situation was brought under control with the intervention of the Superintendent of Police (SP), the District Commissioner (DC), and personnel from the army and police, it added.Police said they are conducting an in-depth investigation to identify those involved in the incident.On Saturday, the press release also said that the police identified the accused involved in the incident and filed a case against 12 named persons and 150-170 unidentified people, the BSS added.The relations between India and Bangladesh came under strain after the interim government headed by Muhammad Yunus came to power after deposed prime minister Sheikh Hasina fled the country on August 5 following a student-led protest.

The relations deteriorated further in recent weeks over continued attacks on Hindus and especially after the recent arrest of Hindu monk Chinmoy Krishna Das, a former member of ISKCON Bangladesh and now, a spokesperson for the Bangladesh Sammilita Sanatani Jagran Jote organisation.

Russia Pulling Back But Not Out Of Syria After Assad's Fall: Report

World. Russia is pulling back its military from the front lines in northern Syria and from posts in the Alawite Mountains but is not leaving its two main bases in the country after the fall of President Bashar al-Assad, four Syrian officials told Reuters.

The ousting of Assad, who along with his late father, former President Hafez al-Assad, had forged a close alliance with Moscow, has thrown the future of Russia's bases - the Hmeimim airbase in Latakia and the Tartous naval facility - into question.Satellite footage from Friday shows what appeared to be at least two Antonov AN-124s, among the world's largest cargo planes, at the Hmeimim base with their nose cones open, apparently preparing to load up.

At least one cargo plane flew out on Saturday for Libya, a Syrian security official stationed outside the facility said.Syrian military and security sources in contact with the Russians told Reuters that Moscow was pulling back its forces from the front lines and withdrawing some heavy equipment and senior Syrian officers.But the sources, who spoke on condition of anonymity due to the sensitivity of the situation, said Russia was not pulling out of its two main bases and currently had no intention of doing so.Some equipment is being shipped back to Moscow as are very senior officers from Assad's military but the aim at this stage is to regroup and redeploy as dictated by developments on the ground, a senior Syrian army officer in touch with the Russian military told Reuters.

Storms coat Iowa, Nebraska in ice, spark rare Tornado alert for San Francisco

World. A severe ice storm swept across Iowa and eastern Nebraska this weekend, creating hazardous travel conditions and causing chaos across the region. The storm forced the temporary closure of Interstate 80 highway after cars and trucks started to slide off the icy roads.The icy conditions, which began Friday evening, have claimed at least one life in eastern Nebraska. A 57-year-old woman lost control of her pickup truck on Highway 30 near Arlington, colliding with an oncoming truck. The other driver suffered minor injuries, according to the Washington County Sheriff's office.“Luckily, some warmer air is moving in behind this to make it temporary,” said Dave Cousins, a meteorologist with the National Weather Service in Davenport, Iowa. Temperatures rose on Saturday afternoon, melting the ice in many areas.

Meanwhile, California faced a rare tornado warning in San Francisco and nearby San Mateo County. The warning, issued early Saturday morning, was lifted within 20 minutes. Later that day, a tornado struck Scotts Valley, about 70 miles south of San Francisco, overturning cars, toppling trees, and damaging power lines and buildings. The city last experienced a tornado in 2005, though Meteorologist Roger Gass noted the warning system may have missed it back then.

“Based on video, photos, firsthand accounts, and radar signatures, a tornado occurred (at) 1.40 pm,” confirmed the National Weather Service. Images showed vehicles overturned and significant damage to the area. Several people were injured and hospitalised, including a battalion chief with the California department of forestry and fire protection.

Malaiyaha Tamils of Sri Lanka: Shackled to a legacy of tea, toil for 200 years

NUWARA ELIYA. Sixty-three-year-old Natesan Jayaraman, in his 44 years of working in a tea plantation, has learnt that avoiding unnecessary conversations is a useful strategy that kept him away from trouble with his kanganis (supervisors) and dorais (a colonial term still used by many to refer to estate managers).It is therefore after a lot of hesitation that he started talking when TNIE met him on the way from Hatton to Nuwara Eliya in the Central Province of Sri Lanka.Jayaraman, a Malaiyaha Tamil whose ancestors were brought from India to work in tea estates, started working in a plantation when he was 18 for a daily wage of LKR 5. The daily wage for an estate worker was recently increased from LKR 1,000 to LKR 1,350 (close to Rs 400 in INR). Despite doing the same amount of work, Natesan still earns only LKR 1,000 since he has technically crossed the retirement age of 60.Even that income is on the condition that applies to all workers that they pluck at least 20 kilos of tea leaves a day, failing which the daily wage gets cut proportionately. “I have to pluck 24 kilos in fact since the remaining four kilos are counted as commission,” he said.Jayaraman, his wife, who is also a plantation worker, and two children still live in a Layam, as the “line houses” constructed since the British period for housing the workers within the estates are locally called. He and his wife are still the breadwinners since his son and daughter, who could not progress much in education with their limited opportunities, are yet to obtain regular employment.“My wife is turning 60 soon. I am worried that her daily salary will also be cut from 1,350 to 1,000,” he said. The story of Jayaram is representative of the plight of the Malaiyaha Tamils (Hill country, up-country or Indian-origin Tamils) in Sri Lanka, whose ancestors were taken as labourers from Tamil Nadu by the British 200 years ago to create tea estates in the country.The tea industry has since grown by leaps and bounds, making the country the third largest exporter of tea and thereby being a key engine of its economy. However, the life of Malaiyaha Tamils, the main foot soldiers of this industry, who are

the fourth largest ethnic group in Sri Lanka with more than a million in population, has remained largely unchanged.

Deprived of citizenship in 1948, the community had to struggle for more than half a century to secure the right, during which around half a million people were sent back to India as per the Sirimavo-Shastri Pact of 1964.Today, the community lags behind others in all socio-economic indicators. For instance, stunting among children is 31.7 % in the community compared to the national average of 17.3 %. More than 50 % of the over 2.2 lakh families in the estates lacked water and sanitation facilities while around 80 % needed better housing, as per a report of the Ministry of Hill Country New Villages, Infrastructure and Community Development (MHCNV).Nuwara Eliya (23.9) and Badulla (28), where the majority of the Malaiyaha Tamils live, are the districts with the highest percentage of poor holds while the national average is 11.7 as per the Economic Statistics of Sril Lanka 2024 brought out by the Department of Census.Thirty-year-old Jeevan Thondaman, a fourth-generation politician from the influential Thondaman family, which has led the largest trade union cum political party - Ceylon Workers Congress (CWC) - representing the community, for more than seven decades since the time of his great grandfather Savumiamoorthy Thondaman, said it wouldn't be inappropriate to say that the community is seen as the “children of a lesser god”.

South Korean leaders seek calm after Yoon's impeachement

SEOUL. South Korea's opposition leader on Sunday urged the Constitutional Court to rule swiftly on a bid to remove President Yoon Suk Yeol from office, a day after parliament voted to impeach him over a short-lived attempt to impose martial law.

Yoon's powers will be suspended until the court rules on the case, either removing Yoon from office or restoring his powers. The court has up to 180 to decide, and if he's dismissed, a national election to choose his successor must be held within 60 days.Prime Minister Han Duck-soo, the country's No. 2 official, took over presidential powers later Saturday. Han was appointed by Yoon, whose government has struggled to pass legislation in the opposition-controlled parliament.

Lee Jae-myung, the leader of the opposition Democratic Party, told reporters Sunday that a swift ruling is the only way to minimize national chaos.Lee also proposed the creation of a national council where the government and the National Assembly would work together to stabilize state affairs. He said bipartisan cooperation is essential to navigating the political paralysis that has halted high-level diplomacy and spooked financial markets since Yoon's martial law decree.

Lee also said that the Democratic Party would not seek to impeach of Han, despite some calls to do so over his alleged inaction to prevent Yoon's martial law enforcement. Lee said there was no need to introduce further political uncertainty.The Democratic Party will actively cooperate with all parties to stabilize state affairs and restore international trust,” Lee said. “The National Assembly and government will work together to quickly resolve the crisis that has swept across the Republic of Korea.”

Yoon's Dec. 3 imposition of martial law, the first of its kind in more than four decades, lasted only six hours, but has caused massive political tumult, halted diplomatic activities and rattled financial markets. Yoon was forced to lift his decree after parliament unanimously voted to overturn it.

Yoon sent hundreds of troops and police officers to the parliament in an effort to stop the vote, but they withdrew after the parliament rejected Yoon's decree. No major violence occurred.

Opposition parties have accused Yoon of rebellion, and say that a president in South Korea is allowed to declare martial law only during wartime or similar emergencies and would have no right to suspend parliament's operations even in those cases.

The conservative Yoon rejects the charges and says he aimed to issue a warning to the Democratic Party, which he has called an “anti-state force” as it's used its control of parliament to impeach many top officials and hold up the government's budget bill for next year.

What is drug captagon, how is it linked to Syria's fallen Assad regime

World After the fall of the al-Assad regime in Syria, large stockpiles of the illicit drug captagon have reportedly been uncovered.The stockpiles, found by Syrian rebels, are believed to be linked to al-Assad military headquarters, implicating the fallen regime in the drug's manufacture and distribution.

But as we'll see, captagon was once a pharmaceutical drug, similar to some of the legally available stimulants we still use today for conditions including attention-deficit hyperactivity disorder (ADHD).

Captagon was once a pharmaceutical Captagon is the original brand name of an old synthetic pharmaceutical stimulant originally made in Germany in the 1960s.It was an alternative to amphetamine and methamphetamine, which were both used as medicines at the time.The drug has the active ingredient fenethylline and was initially marketed for conditions including ADHD and the sleeping disorder narcolepsy. It had a similar use to some of the legally available stimulants we still use today, such as dexamphetamine.Captagon has similar effects to amphetamines. It increases dopamine in the brain, leading to feelings of wellbeing, pleasure and euphoria.It also improves focus, concentration and stamina. But it has a lot of unwanted side effects, such as low-level psychosis.The drug was originally sold mostly in the Middle East and parts of Europe.

It was available over the counter (without a prescription) in Europe for a short time before it became prescription-only.It was approved only briefly in the United States before becoming a controlled substance in the 1980s, but was still legal for the treatment of narcolepsy in many European countries until relatively recently.According to the International Narcotics Control Board pharmaceutical manufacture of Captagon had stopped by 2009. The illicit trade took over The illegally manufactured version is usually referred to as captagon (with a small c).

It is sometimes called -- chemical courage -- because it is thought to be used by soldiers in war-torn areas of the Middle East to help give them focus and energy.

For instance, it's been reportedly found on the bodies of Hamas soldiers during the conflict with Israel.

Its manufacture is relatively straightforward and inexpensive, making it an obvious target for the black-market drug trade.Black-market captagon is now nearly exclusively manufactured in Syria and surrounding countries such as Lebanon.

It's mostly used in the Middle East, including recreationally in some Gulf states. It is one of the most commonly used illicit drugs in Syria.A recent report suggests captagon generated more than US$7.3 billion in Syria and Lebanon between 2020 and 2022 (about $2.4 billion a year).What we know about illicit drugs generally is that any seizures or crackdowns on manufacturing or sale have a very limited impact on the drug market because another manufacturer or distributor pops up to meet demand.So in all likelihood, given the size of the captagon market in the Middle East, these latest drug discoveries and seizures are likely to reduce manufacture only for a short time.

One week into a new Syria, rebels aim for normalcy; Syrians vow not to be silent again

DAMASCUS. At Damascus' international airport, the new head of security — one of the rebels who marched across Syria to the capital — arrived with his team. The few maintenance workers who showed up for work huddled around Maj Hamza al-Ahmed, eager to learn what will happen next.They quickly unloaded all the complaints they had been too afraid to express during the rule of President Bashar Assad, which now, inconceivably, is over.They told the bearded fighter they were denied promotions and perks in favor of pro-Assad favorites, and that bosses threatened them with prison for working too slowly. They warned of hardcore Assad supporters among airport staff, ready to return whenever the facility reopens.As Al-Ahmed tried to reassure them, Osama Najm, an engineer, announced: "This is the first time we talk."This was the first week of Syria's transformation after Assad's unexpected fall.Rebels, suddenly in charge, met a population bursting with emotions: excitement at new freedoms; grief over years of repression; and hopes, expectations and worries about the future. Some were overwhelmed to the point of tears.The transition has been surprisingly smooth. Reports of

reprisals, revenge killings and sectarian violence have been minimal. Looting and destruction have been quickly contained, insurgent fighters disciplined. On Saturday, people went about their lives as usual in the capital, Damascus. Only a single van of fighters was seen.There are a million ways it could go wrong.The country is broken and isolated after five decades of Assad family rule. Families have been torn apart by war, former prisoners are traumatized by the brutalities they suffered, tens of thousands of detainees remain missing. The economy is wrecked, poverty is widespread, inflation and unemployment are high. Corruption seeps through daily life.

But in this moment of flux, many are ready to feel out the way ahead.At the airport, al-Ahmed told the staffers: "The new path will have challenges, but that is why we have said Syria is for all and we all have to cooperate."

The rebels have so far said all the right things, Najm said. "But we will not be silent about anything wrong again."

Idlib comes to DamascusAt a torched police station, pictures of Assad were torn down and files destroyed after insurgents entered the city Dec. 8. All Assad-era police and security personnel have vanished.On Saturday, the building was staffed by 10 men serving in the police force of the rebels' de facto "salvation government," which for years governed the rebel enclave of Idlib in Syria's northwest.

Ousted PM Sheikh Hasina involved in enforced disappearance: Bangladesh commission

DHAKA. An inquiry commission set up by the interim government in Bangladesh has said that it found evidence implicating deposed prime minister Sheikh Hasina and top-ranking military and police officials from her regime in alleged incidents of enforced disappearance.

The five-member Commission of Inquiry on Enforced Disappearances submitted an interim report titled "Unfolding The Truth" to Chief Adviser Professor Muhammad Yunus on Saturday.The commission estimated that there would be more than 3,500 enforced disappearances.

"The commission has found evidence of former prime minister Sheikh Hasina's involvement as the instructor in the incidents of enforced disappearance," the press wing of the office of Chief Adviser said in a statement on Saturday night.It said the deposed premier's defence adviser Major General (retd) Tarique Ahmed Siddique, former director general of the National Telecommunication Monitoring Centre and sacked Major General Ziaul Ahsanand senior police officers Monirul Islam and Mohammad Harun-Or-Rashid and several other senior officials were found to be involved in those incidents.

The ex-military and police officers are on the run, mostly believed to be abroad since the ouster of Hasina's Awami League regime on August 5 following a student-led uprising.According to the statement, retired Supreme Court judge Mainul Islam Chowdhury, the chairman of the commission, told Yunus that during investigations they found a "systematic design" that allowed incidents of enforced disappearances to go undetected.

"Individuals carrying out enforced disappearance or extrajudicial killing (even) lacked knowledge about victims," Chowdhury said.The report said the police's elite anti-crime Rapid Action Battalion (RAB), which draws men from the Army, Navy, Air Force, regular police and other law enforcement agencies had collaborated with each other to pick up, torture and keep victims in detention and

deliberately segmented the operations.The commission simultaneously proposed the abolition of the RAB alongside scrapping or thoroughly amending the Anti-Terrorism Act, 2009.

Rights activist and commission member Sajjad Hossain said they recorded 1,676 complaints of enforced disappearances and, so far, have examined 758 of them.Of these, 200 people or 27 per cent of the victims never returned while those who returned were mostly shown on records as arrested.Besides the chairman, the commission comprises Justice Farid Ahmed Shibli, rights activist Nur Khan, private BRAC University teacher Nabila Idris and rights activist Sajjad Hossain.

At a press conference earlier, the commission announced that they had found eight secret detention centres in Dhaka and its outskirts.

The panel chairman on Saturday informed Yunus that they would deliver another interim report in March and would require at least another year to complete the scrutiny of all allegations they had received."You are doing a really very important job. We are ready to give you all kinds of support that you need," Yunus was quoted as saying.TV channels and social media carried interviews with several victims of the alleged enforced disappearance, including former military officers and opposition activists who were active in opposing Hasina's regime.While receiving the report yesterday, Yunus said he would visit some of the joint interrogation cells and secret detention centres as he wanted first-hand knowledge about the sufferings of the victims.

NEWS BOX

AUS vs IND: Travis Head continues to punish India, scores 9th hundred in Brisbane

New Delhi. Travis Head continued to punish the Indian team as he scored his 9th Test hundred during the match at the Gabba in Brisbane on Sunday, December 15. Head carried his form from his knock during the Adelaide Test, where he scored 140 off 141 balls to set up the win for his side.Head had come on to bat with Australia in a spot of bother at 75 for 3 after Marnus Labuschagne fell to Nitish Kumar Reddy in the 34th over. The Aussie batter would start off his innings with a fantastic shot to get a boundary off Reddy and followed it up with another one against Jasprit Bumrah. Head would ensure that he got Australia to a safe spot at lunch and would launch his counterattack after the break.The southpaw once again got a boundary off Bumrah before turning his attention towards Ravindra Jadeja. Head

would hammer Jadeja for 2 consecutive boundaries in the 55th over and started to be in the groove and looking set for another big knock. Head got to his fifty in just 71 balls and started to free himself even more and started to toy with the Indian bowling.Head, after putting his feud behind with Siraj, started to dominate the Indian pacer, much to the delight of the Brisbane crowd. A couple of boundaries saw Head enter the 90's. Bumrah came back into the attack but Head continued to go on his merry way and scored his hundred in 115 balls.Head scored 13 boundaries in his knock on Sunday.Head's incredible run against India continuesWith his hundred against India, Head continued his fine form against Rohit Sharma and his men in the longest format of the game. This was Head's 3rd Test hundred against India and his knock on Sunday also saw him go past 1000 runs against the side with an average of more than 51.In his last 7 innings against India, Head has scored more than 600 runs.

AUS vs IND: Gritty Steve Smith bounces back, ends 25-innings wait for Test hundred

New Delhi. Star Australia batter Steve Smith bounced back to form during Day 2 of the third Test against Australia at the Gabba, Brisbane. Smith played a magnificent innings of 101 (188) with the help of 12 fours as he brought an end to his long drought of a Test century. It was the first hundred for the Australia star after 25 innings with his last one coming at Lord's during the Ashes 2023.Smith didn't have a memorable start to his innings as he played and missed deliveries outside the off stump and was beaten on several occasions. The former Australia skipper also had his pads targeted by the Indian bowlers and survived a couple of close lbw calls.However, the right-handed batter managed to stay at the crease and weathered the storm. He battled through menacing spells against Jasprit Bumrah and Akash Deep who challenged both of his inside and outside edges. Despite facing some challenging spells, Smith continued to motor along and gradually moved towards

his half-century.

Smith shifted gears in the third session

He brought up his 42nd fifty off 128 balls and got involved in a massive stand with Travis Head for the fourth wicket. After reaching his half-century, Smith quickly shifted his gears and began dealing in boundaries. He went in to tea on 65 and came out in an all-out attacking approach after the break.Smith cut Nitish Reddy for a boundary on just his third ball after tea and made his intentions clear. Having got into his groove, the right-handed batter gave glimpses of his vintage self as boundaries began flowing from his willow. He added 31 runs off just 14 balls in the third session to move into the 80s. He finally reached his landmark in the 82nd over with a single against Akash Deep towards fine leg and celebrated his landmark. Smith was finally dismissed on 101 as Rohit Sharma took a brilliant catch in the slips.

Real Madrid held to high-scoring draw at Rayo Vallecano in La Liga

Madrid was without striker Kylian Mbappé, who is nursing a left-thigh injury.

BARCELONA. Real Madrid was held at Rayo Vallecano to 3-3 in a thrilling derby on Saturday, missing a chance to overtake Barcelona at the top of La Liga.

Rayo set a fast pace and stunned the powerhouse with two headed goals from Unai López and Abdul Mumin to lead 2-0 by the 36th minute.Federico Valverde struck with a powerful shot from well outside the area to pull one back for Madrid then Jude Bellingham headed the visitors level from a pass by Rodrygo just before halftime.

Madrid looked on course to completing a comeback win when Rodrygo put them in front for the first time with a deflected shot in the 56th.But Rayo midfield leader Isi Palazón stretched out a boot to steer Florian Lejeune's shot past Thibaut Courtois in the 64th.Madrid was without striker Kylian Mbappé, who is nursing a left-thigh injury. Vinícius Júnior went on as a second-half substitute. Goalie Augusto Batalla saved the Brazilian's best effort in the final period.

Madrid remained second, one point behind Barcelona.Madrid coach Carlo Ancelotti admitted his team dropped its guard in defense when his players left López and Mumin unchecked to turn in crosses. But he said he was "satisfied" with his team's reaction, especially given the injuries to defensive starters Dani Carvajal, Eder Militao, and Ferland Mendy.

He also looked to last season, when his team drew twice with Rayo."Last year we didn't win here, we drew, and we won the league anyway," Ancelotti said. "We are playing well and on the right path. So, we had a draw. We need to look toward the next games."Madrid, as the Champions League titleholder, next travels to Qatar to play the Intercontinental Cup final against Mexican club Pachuca."We have a great chance to win a title on Wednesday, which would put the cherry on top of a great year," Ancelotti said.

Bellingham took his league scoring run to six games in a row.Vinícius will miss the next game at home against Sevilla after picking up his fifth yellow card, this time for protesting.Rayo was in 13th place. The modest club has also held Atletico Madrid to 1-1 and forced Barcelona to rally for a 2-1 thanks to a late goal."Before the game we talked about all our recent games with Real Madrid when we had been close to winning, so we knew that if they weren't on their game then we could get a good result," Rayo coach Íñigo Pérez said.

Should have attacked Travis Head with Jasprit Bumrah early: Harbhajan Singh

The Mohammed Siraj vs Travis Head battle continued as the Australian batter picked his catch on Day 3 of the 2nd Test in Adelaide. Moreover, Siraj had to battle with boos for the 2nd straight day by the hostile Adelaide crowd.

New Delhi Harbhajan Singh feels that India missed a trick by not having Jasprit Bumrah attack Travis Head early on and allowing him to score a hundred during the Gabba Test on Sunday, December 15. Head continued to torment India with the bat as he scored his 9th Test hundred on Day 2 at the Gabba.This was Head's second consecutive century in the series after his Adelaide heroics and many slammed Rohit Sharma's captaincy for not being able to contain the southpaw. Harbhajan, while talking to the broadcasters, said that India's tactics could have been better when he came on to bat as the visitors didn't attack him much. The former spinner feels that Head should have been made to face Bumrah for atleast 2 or 3 overs.

"I think India could have done better when he walked in. They didn't attack too much. Should have brought in Jasprit Bumrah straight away. He faced Nitish and Jadeja. You had to go back to your main bowler. Bumrah should have bowled early on. Who knows what would have happened. Atleast 2 or 3 overs," said Harbhajan.

India allowed Head to be comfortable

Matthew Hayden also commented on the tactics by India and felt that they allowed Head to get comfortable early on and allowed him to get to 20 runs very quickly. Hayden pointed out how Virat Kohli was able to do the same during the Perth Test, where he ended up scoring his 30th Test hundred."I just felt that they missed a trick early up with Travis Head. Similarly actually to the way that Australia did to Virat Kohli when he was able to quite easily get into that 20 zone where great players become really comfortable. I felt like they could have and did have an opportunity to really go harder at Travis Head," said Hayden.

Head would continue his fine form against India in the longest format of the game as he would go past the 1000-run landmark against them during his knock on Sunday. Head scored his hundred in just 115 balls.

Rohit Sharma's captaincy 'clueless': Fans, pundits slam poor Brisbane Test show

New Delhi India captain Rohit Sharma was once again criticised by fans on social media for his captaincy during Day 2 of the third Test against Australia at the Gabba, Brisbane. Notably, India began the day on a good note by taking three wickets early in the first session but were once again put under pressure by Travis Head.The Australian batter walked to crease with his team on 75/3 and continued from where he left off in the previous Test in Adelaide. Having been on the receiving end of many brilliant knocks from Head in the past one year, it was believed that India would come up with a plan to finally stop his massacre.However, much to everyone's surprise, India didn't seem proactive in their tactics to dismiss the southpaw. With many experts suggesting a short-ball barrage against the Australia star, India didn't go ahead with the plan and just employed a spread-out field against him.

As a result, Head managed to find easy gaps in the field and kept the scoreboard moving. The Indian bowlers weren't able to put pressure on the in-form batter, who was ably supported by Steve Smith at the other end. Smith and

Head's partnership once again brought Rohit Sharma's captaincy under the scanner as fans criticised his defensive approach.

Former India head coach and cricketer Ravi Shasri also criticised Rohit Sharma's ultra-defensive fields against Travis Head on air calling it one of the 'worst set ups'. Shastri felt that with several wide open spaces, the bowlers weren't able to build pressure with singles being offered easily. David Warner also agreed with Shastri, mentioning that India should've attacked Head more.

Shastri also criticised Rohit for playing the waiting game and trying to contain someone of Head's calibre. Sanjay Bangar and Sunil Gavaskar also didn't seem too pleased with Rohit's strategies, as it seemed that he allowed Australian batters to take control of the game and couldn't do much to turn things in his favour. Head went on to register his second successive century and continued to pile on the misery on India as they went into tea on 234/3.

AUS vs IND: Why are Stormtroopers in attendance at the Gabba Test

Brisbane The third Test between India and Australia at the Gabba in Brisbane has been nothing short of electrifying, but it's not just the on-field drama that has grabbed attention. A group of fans dressed as Stormtroopers from the iconic Star Wars franchise—dubbed the "GabbaTroopers"—stole the spotlight, adding a unique flair to the action-packed game.Stormtroopers, the fictional soldiers serving the Galactic Empire in Star Wars, have been a recurring theme at the Gabba, with the GabbaTroopers paying homage to the franchise in a quirky yet entertaining way. Celebrating their seventh anniversary, the group added an extra layer of excitement to the Test match. The stadium joined in the fun, playing iconic Star Wars soundtracks for the occasion, delighting fans both on and off the field.

The GabbaTroopers have a storied tradition of attending matches at the Gabba, including memorable moments like the 2017 Ashes Test between England and Australia, where an impressive 80 members of the group showed up in full Stormtrooper uniform. Their latest appearance at the India-Australia Test underscores their commitment to making cricket matches even more entertaining for fans.While Day 1 of the Brisbane Test was washed out due to relentless rain, Day 2 made up for the lost action with high drama. India's Jasprit Bumrah started strongly, dismissing both Australian openers in Usman Khawaja and Nathan Mcsweeny in quick succession. The intensity continued with a playful yet heated exchange between India's Mohammed Siraj and Australia's Marnus Labuschagne, highlighted by the pacer humorously swapping the stumps' bails, much to the crowd's amusement. Labuschagne was dismissed only a couple of balls later by Nitish Kumar Reddy off a stunning catch from a fiery Virat Kohli.

Australia stabilized with a crucial fourth-wicket partnership between Steve Smith and Travis Head, the hero of the Adelaide Test. With the Border-Gavaskar Trophy on the line and a potential spot in the World Test Championship final at stake, the match is set to intensify.Through it all, the GabbaTroopers have been a joyful presence, bringing the spirit of Star Wars to cricket and witnessing every dramatic twist of this thrilling Test. Their infectious energy has added an extra dimension to an already riveting contest.

Lewis Hamilton bids emotional goodbye to Mercedes headquarters in Brackley

Lewis Hamilton bid an emotional farewell to Mercedes, thanking the Brackley and Brixworth teams for their support, as he prepared for his highly anticipated move to Ferrari. The farewell marked the end of a legendary era at Mercedes.

New Delhi. Seven-time Formula One World Champion Lewis Hamilton bid an emotional farewell to the Mercedes racing headquarters in Brackley and the engine builders in Brixworth, UK, as he prepares to embark on a new chapter with Ferrari. During his visit, Hamilton delivered a heartfelt speech, expressing gratitude for the team that powered his success and promising to return for future visits.Having concluded his Mercedes journey with a fourth-place finish at the Abu Dhabi Grand Prix, Hamilton's farewell has captured the attention of Formula 1 fans worldwide. At Brixworth, where the engines that drove him to all 105 of his F1 wins with McLaren and Mercedes were built, Hamilton had one final debrief with the team. He reminisced about the unforgettable memories they created together over the years, including his record-equalling seven world titles."I'm leaving; you guys are going to go and have so much more success moving forward because this is an incredible group of people; there's so much talent, there's so much passion here," Hamilton said."Anyone would be lucky to be working with you. I hope that when I do eventually stop racing, I can come back and visit you all, and I know we can always look back at these fond memories, and you know what a journey. There's no driver in the world

that has had this experience with the team. It makes it that much harder to let go, but I'm taking with me the greatest memories," he added.The farewell at Brixworth was marked by a heartwarming moment as Hamilton departed the facility in an AMG SL 63 Roadster. Team members and fans lined the streets, cheering and waving goodbye to their legendary driver, giving him a send-off befitting his iconic status.Hamilton, who turns 40 in January, is now gearing up for a new chapter of his career with Ferrari, where he will partner Charles Leclerc. This move has been one of the most highly anticipated shifts in Formula 1 history. Fans are eager to see how Hamilton adapts to the Ferrari setup and whether he can add to his illustrious career achievements."I'm going to always be looking on the screens and seeing where you guys are. I'm always going to be wishing you all the absolute best. I believe in you, and I will continue to believe in you, and when you do have that success, I will be so proud of you," he added.The first glimpse of Hamilton in Ferrari red will come during pre-season testing in Bahrain from February 26-28, 2025. The excitement will then culminate in the season opener in Australia, scheduled for March 14-16.While Hamilton's departure marks the end of an era for Mercedes, his legacy with the team remains unparalleled.

Rashmika Mandanna

Reveals Why She Said Yes To Vicky Kaushal's Chhaava

Rashmika Mandanna, riding high on the success of Pushpa 2, is gearing up for her next big project, Chhaava, in which she stars alongside Vicky Kaushal. In a recent interview, Rashmika shared her initial reaction when she was offered the role. Rashmika, who is predominantly known for her work in South Indian cinema, admitted that she was initially taken aback when the filmmakers approached her to play a Maharashtrian queen.In conversation with Pinkvilla, Rashmika Mandanna revealed what she promptly said after hearing the script for Chhaava the first time. She recalled, "The first narration of Chhaava I heard, the film team were in touch with the managers and they called me into their office. They told me who it is about and that is something…Its huge. And for me in my head I am thinking I am from South, how can you think about me playing a Maharashtrian queen. Let me just ask you this basic question- Me! How? What is going on? But the second I heard the script for the first time in my life I didn't take a second to say yes."

Rashmika Mandanna spoke fondly of her transformation for Chhaava, describing how surprised she was during her look test. Not only did she look the part of a Maharashtrian queen, but her facial features, body language, and overall style also seemed to align with the role in a way she hadn't anticipated. She remarked, "Suddenly, my features, my body language, and everything changed."In addition, the actress praised her co-star, Vicky Kaushal, and director Laxman Utekar for their incredible contributions to the film. She gushed about Vicky's performance, saying, "He has killed it," and expressed admiration for Laxman Utekar's craft. She couldn't help but be in awe of their work, commenting, "My God, I can't. I'm all gushing all over like their craft like it's amazing."

Vicky Kaushal, Rashmika Mandanna, and Akshaye Khanna, among others, feature in Chhaava, which tells the narrative of a brave historical figure, the Maratha king Sambhaji. The film was expected to compete with Pushpa 2 at the box office. However, the producers eventually moved the release date to February 14, 2024.

Kangana Ranaut

Critiques Bollywood, Praises South Films: 'They Are Obsessed With Abs, Bikes And Babes'

Kangana Ranaut has shared her views on the rising success of South Indian films compared to Bollywood at the box office. According to the actor, one of the main reasons behind this trend is that Hindi films have increasingly lost touch with reality.Speaking at Agenda Aaj Tak, Kangana was asked about the massive popularity of Allu Arjun's Pushpa franchise and how it compares to the current situation in Bollywood. She remarked, "Pehele toh mujhe nahi lagta ke Bollywood or Hindi cinema ne mainstream hone ka theka liya hua hai (I don't think Bollywood can be dubbed as mainstream). They are not mainstream by any standard. Our films should be defined as the Indian film industry, one industry in which every type of audience is addressed."

Kangana attributed the success of Pushpa 2 to the relatable character Allu Arjun portrays, a daily wage worker. She pointed out Bollywood's detachment from reality as a major issue. "People in Bollywood live in a bubble. And that is one of the biggest reasons I have a problem with them. Kyunki yeh log bubble se nikalna nahi chahte han (They don't want to come out of the bubble). All they need is to go to the gym, take protein shakes, take injections. They don't have any connection with reality," she said.The actor further emphasized that such roles would rarely attract Bollywood stars. "Inko chaiyeh six pack abs, hot babe, beach, bike, item number bas bahut hai (They want six pack abs, hot babe, beaches, bike and item numbers. That's enough for them)… It is important to have a reality check," she concluded.Pushpa: The Rise became a pan-India phenomenon upon its release in 2021, grossing over ?136 crore in Telugu and ?106 crore in its Hindi-dubbed version, making it Allu Arjun's highest-grossing film. Its songs and dialogues resonated with audiences across the Hindi-speaking regions.Now, the sequel, Pushpa 2: The Rule, continues Pushpa Raj's journey, showing his rise from a daily wage earner to the leader of a red sanders smuggling syndicate. Rashmika Mandanna reprises her role as Srivalli, Pushpa's wife, standing by him against his estranged family. Fahadh Faasil returns as police officer Bhanwar Singh Shekawat, still grappling with the humiliation he faced in the first film. The sequel ends with a setup for the next installment, Pushpa 3: The Rampage.

Kajol Drops Throwback Pics From K3G Sets: 'They Just Don't Make Them Like They Used To'

Karan Johar's Kabhi Khushi Kabhie Gham… is undoubtedly one of the classic films of all time. The movie, released on December 14, 2001, with an ensemble cast featuring Kajol, Shah Rukh Khan, Jaya Bachchan, Amitabh Bachchan, Kareena Kapoor, Hrithik Roshan and others, has etched a special place in millions of hearts. Today, as the movie completed 23 years since its release, Kajol dropped some mesmerising photos from the sets of the musical romance drama, leaving her fans in complete nostalgia.

On Instagram, Kajol walked down memory lane and posted a couple of photos clicked while filming Kabhi Khushi Kabhie Gham… The first photo featured Big B with his wife, portrayed by Jaya Bachchan in the film, alongside their on-screen sons and their loved counterparts. All six of them were seemingly grooving to the beats of the song, Bole Chudiyan, sung by Jatin-Lalit, while the candid moment was captured. The following two photos showed Kajol cuddled up with SRK in romantic poses while looking gorgeous as ever in a red saree. The superstar, on the other hand, looked handsome in an all-black outfit.

Alongside it, Kajol revealed her honest opinions about cinema and penned in the caption, "Life, love and laughter. They just don't make them like they used to anymore. 23 years and some fabulous memories later…." And we simply can't deny it. Such movies are for a lifetime. She even hashtagged the post with words like "23 years of K3G", "K3G" and "memories".

Within no time after Kajol made the post, her fans were left in nostalgia. Social media users started rooting for a Kajol and SRK reunion on-screen under the banner of Karan Johar's Dharma Productions. One user commented, "A movie that never gets tired of watching," while another said, "Fav movie since childhood!!!" A social media user wrote a meaningful note mentioning, "Absolutely… 23 years of this masterpiece K3G… @kajol You're too good there… Just watched it yesterday with the whole family… And coincidentally, you happened to be in Nagpur yesterday."

Sandeep Reddy Vanga's Spirit: Kareena, Saif And Mrunal Thakur May Join Prabhas in Cop Thriller

After the massive success of Kabir Singh and Animal, Sandeep Reddy Vanga is gearing up for his next ambitious project in Hindi cinema. Earlier this year, Pinkvilla had reported that Vanga is set to begin shooting for the Prabhas-led Spirit in the first quarter of 2025, aiming for a 2026 release. The pre-production work for this high-octane cop thriller is currently underway, including casting, and Pinkvilla has learned that Sandeep Reddy Vanga and producer Bhushan Kumar are in talks with Mrunal Thakur for the female lead.According to a source close to the development, discussions are ongoing with Mrunal Thakur to play the female lead opposite Prabhas in Spirit. The source revealed, "Spirit is the most ambitious and awaited films of Indian Cinema, and the makers are going all out to have the best and most talented actors of world cinema on board the film. While Prabhas is locked to play the role of a cop, the conversations are in progress with Mrunal Thakur, Saif Ali Khan, and Kareena Kapoor with the latter two for the negative turn."

The insider further shared that Spirit is set to redefine the cop-action genre in Indian cinema, promising a unique narrative. "It's a story like never before, in the template of a commercial Indian Film. There are good people and bad people in the tale, but with a lot of elements of grey that Vanga is known for. Every character has a purpose, and it's among the most ambitious films for Sandeep Reddy Vanga. The writing work and prep is going on in full swing, and the ones who have heard the narration inform that Vanga is going to reintroduce Prabhas like never before in Spirit," the source added. Bhushan Kumar is reportedly fully backing Vanga's vision for the project.

Additionally, fans can look forward to a unique dynamic between Saif Ali Khan and Kareena Kapoor, as the real-life couple will be playing a pair of antagonists in Spirit. The source added, "It's the first time that a real-life couple will be playing a negative role as a couple in a feature film. The two will also have a lot of action to do alongside Prabhas and other members. The paperwork for all the talents is yet to be done, as the discussions for monetary terms are underway."Produced by Bhushan Kumar and Sandeep Reddy Vanga, Spirit is set to hit the big screen in 2026. Once the project wraps, Vanga will shift his focus to his next venture, Animal Park with Ranbir Kapoor, scheduled to